भगवान महावीर जन्म कल्याणक विशेषांक

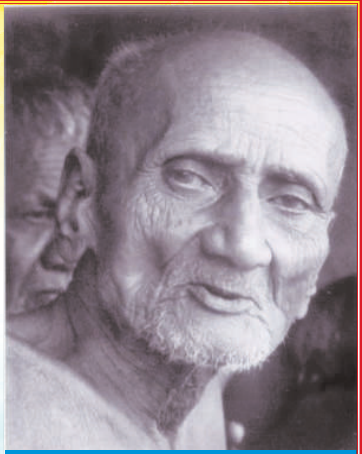

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

तीर्थंकर महावीर जन्म कल्याणक हमारी पहचान बने

06

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 23 कुल पृष्ठ 32 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 15 अप्रैल 2024, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

प्राचीन जैन मूर्तियों की नीलामी कैसे रोकें

- प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
महामंत्री- श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

प्राथमिक मुद्दा यह नहीं है कि प्राचीन जैन मूर्तियों की नीलामी कैसे रोकें? देश में ज्ञात होने पर सरकार को आगाह करके, विरोध करके नीलामी रोकी जा सकती है। मुंबई में हाल में रोकी भी गई पर पेरिस में हो रही है, क्या वह रोक पाए? प्रयास करने में हानि नहीं है, पर विदेशी सरकार भी चोरी और स्वामित्व का प्रमाण मांगेगी।

विगत वर्षों में भी विदेशों में जैन मूर्तियों की नीलामी होती रही है। हम वहां कुछ नहीं कर सके। विदेशी सरकार भी कानून सम्मत प्रमाण होने पर ही दखल देगी। खाली हमारी गुहार ही काफी नहीं है. एक्शन लेने को कानूनी ग्राउंड्स की जरुरत पड़ती है, क्या वह हमारे पास हैं ? असली मुद्दे बुनियादी हैं: 1. क्या प्राचीन मूर्तियों/ऐंटिक उपकरणों, जो मंदिरों-मठों-निजी संकलनों में प्रतिष्ठापित हैं, की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था है, उनकी सुरक्षा के लिए हमने क्या कदम उठाये हैं ?

2. जहाँ ऐसी दुर्लभ जैन मूर्तियां/एंटिक उपकरण हैं, वहां के ट्रस्टी/पदाधिकारियों /निजी संकलन कर्ता द्वारा देश की अमूल्य धरोहरों को भारी राशि के लालच में चुपचाप बेचने की सम्भावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता, उसके लिए किसी नियंत्रण की क्या व्यवस्था की गई है? प्रभावी उपाय हैं:

मंदिर-मठ, निजी संकलन में जहाँ भी प्राचीन धरोहर हों , उनका फोटो/वीडियो /नापतोल सहित पूरा प्रामाणिक विवरण रखा जाये। हर वर्ष चल अचल असेट का अनिवार्य ऑडिट हो जिससे गुम होने पर समय रहते पता चल सके। क्लोज सर्किट टी वी कैमरा में निगरानी हो। पुलिस एफ आई आर की नौबत आने पर पूरी पैरवी हो।ऑक्शन हाउसेस उन्हें निर्मित तो करते नहीं है, सिर्फ उनकी पहचान मिटाते है तभी साधिकार ऑक्शन करते है। नीलामी स्थगित हो गई पर धरोहर उनके कब्जे में ही रही तब उसे गायब करने से उन्हें कौन रोक सकता है? इसका निवारण है कि प्राचीन मूर्तियों/एंटीक उपकरणों का फोटो/वीडियो /नापतोल एवं पूरा प्रामाणिक विवरण भारत सरकार के अन्सिएंट मोनूमेंट्स एंड एंटीक्वीटीज प्रावधान में रजिस्ट्रेशन किया जाये, जिससे उनका ऑक्शन पर आने पर क्लेम कर उन्हें मूल स्त्रोत पर प्रतिष्ठापित किया जा सके या सरकारी म्यूजियम में संरक्षित किया जा सके। भारत सरकार के आर्चयोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने लगभग डेढ़ दशक पूर्व यह देशव्यापी प्रोजेक्ट लाल किला अलग डेडिकेटेड ऑफिस से चलाया भी था। हमनें समाज से रजिस्ट्रेशन कराने का पूरा प्रयास किया भी पर समाज या तो प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाया या कोई रूचि नहीं ली। सुनहरा मौका हमने हाथ से गवां दिया, अब जब बात उछली है तब तो जागरूक हों, रिकॉर्ड में प्रमाण होने पर विदेशों के ऑक्शन हाउसेस से भी क्लेम किया जा सकता है। समाज से अनुरोध है कि इस पर चर्चा करके प्रभावी हल पर अमल करें।

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में वार्षिक मेला 2024 के अवसर पर होंगे अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में हर वर्ष महावीर जयंती के पावन अवसर पर आठ दिवसीय विशाल वार्षिक मेला होता है, इस वर्ष वार्षिक मेला 18 अप्रैल 2024 से 25 अप्रैल 2024 तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न होगा। राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिकता सद्भाव, तथा भावनात्मक एकता के प्रतीक इस मेले में दिगंबर जैन व जैनेतर समाज बड़ी संख्या में भक्ति भावना से भाग लेते हैं। कार्यक्रम में दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के यशस्वी अध्यक्ष श्री सुधांशु कासलीवाल ने बताया कि क्षेत्र पर अनेक श्रद्धालु तो मीलों दूर से कनक दंडवत करते हुए आते हैं और भगवान के समक्ष अपने श्रद्धा सुमन चढ़ाते हैं, कार्यक्रम में मूलनायक भगवान महावीर के दर्शनों के अतिरिक्त अलौकिक मनोज्ञ रत्नों की प्रतिमाओं के दर्शनों का भी श्रद्धालुओं को धर्म लाभ मिलेगा। इस अवसर पर आचार्य श्री एवं मुनि राजों के दर्शनों का भी सौभाग्य प्राप्त होगा। क्षेत्र के अध्यक्ष श्री सुधांशु कासलीवाल, श्री शांति कुमार जैन, श्री चंद्र प्रकाश जैन उपाध्यक्ष, श्री सुभाषचंद जैन मानद मंत्री, श्री उमराव मल संघी, श्री प्रदीप कुमार जैन, संयुक्त मंत्री, श्री विवेक काला कोषाध्यक्ष सहित समस्त कार्यकारिणी की अगुवाई में वर्तमान शासन नायक, अहिंसा धर्म के प्रणेता, विश्व वंदनीय भगवान महावीर स्वामी की 2623 वीं जन्म जयंती पर हर्षोल्लास से अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

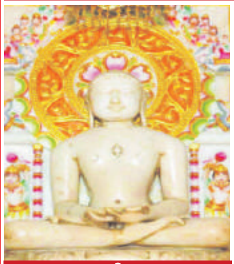

869 साल प्राचीन मूलनायक
श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्रः
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

श्री आदिनाथ जिनेन्द्राय नमः
लोगुज्जोयरा धम्म तित्थयरे जिणवरेय अरहंते।
कित्तण केवलिमवे य उत्तमबोहि मम दिसंतु॥

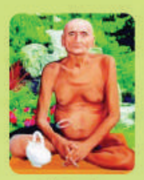

चरित्र चक्रवर्ती
आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज

स्मृति दिवस श्री निर्मलकुमार जैन सेठी

जैन धरोहर दिवस

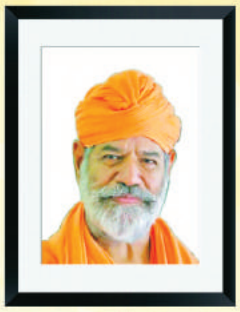

जगद्गुरु कर्मयोगी स्वस्ति
श्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

स्व. निर्मल कुमार जैन सेठी
(8 जुलाई, 1938 – 27 अप्रैल, 2021)

अभिनव स्वस्ति
श्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

मान्यवर
सादर जयजिनेन्द्र,

श्रावकरत्न, कर्मयोगी, देव, शास्त्र और गुरु के अनन्य उपासक, प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धारक श्री निर्मलकुमार जी जैन सेठी की 27 अप्रैल 2024 को तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर सेठी ट्रस्ट और श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की ओर 27 अप्रैल 2024 दिन शनिवार को श्रवणबेलागोला ओर 28 अप्रैल 2024 दिन रविवार को कर्नाटका की राजधानी बेंगलूरु में उनके कार्यों के पुण्यस्मरण एवं विनयांजलि हेतु समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उक्त पावन दिवस पर **'दर्शन एवं साहित्य'** तथा **'कला एवं पुरातत्व'** के क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान करने वाले दो विद्वानों को **'निर्मलकुमार जी सेठी मेमोरियल पुरस्कार'** से सम्मानित किया जाएगा। आप सभी से सादर अनुरोध है कि इस पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनयांजलि देने हेतु सपरिवार पधारकर हमें कृतार्थ करें।

कार्यक्रम

प्रथम दिवस

जैन धरोहर दिवस
दिनांक : 27 अप्रैल 2024 शनिवार

मंगल आशीर्वाद
परम पूज्य स्वस्ति श्री अभिनव चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

अध्यक्षता
परम पूज्य स्वस्ति श्री भुवनकीर्ति भट्टारक स्वामी जी
कनक गिरी

समय
प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 तक

स्थान
चामुंडराय मण्डप जैन मठ श्रवणबेलगोला

द्वितीय दिवस

जैन धरोहर दिवस
दिनांक : 28 अप्रैल 2024 रविवार

अध्यक्षता
श्रीमान नवीन जैन
माननीय सांसद – राज्यसभा

मुख्य अतिथि
श्रीमान सुरेन्द्र हेगडे

समय
प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 तक

स्थान
आचार्य महाप्रज्ञ चेतना केंद्र बेंगलूरु

कार्यक्रमोपरान्त वात्सल्य भोज स्वीकार करने की कृपा करें।

निवेदक

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन संस्थाएं

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली, श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा, युवा महासभा) दिल्ली, जैन राजनैतिक चेतना मंच–दिल्ली, भगवान महावीर मेमोरियल समिति, दिल्ली, जैन समाज, दिल्ली, समन्वय समिति, दिल्ली, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंबई, दक्षिण भारत जैन सभा–सांगली भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद्–दिल्ली, दिगम्बर जैन महासमिति–दिल्ली, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद, बड़ौत सुंदरी संगीत कला अकादमी–दिल्ली, जीवदया समन्वय समिति (शाकाहार) दिल्ली।

आयोजक
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर
जैन महासभा
नई दिल्ली

विनीत
सेठी ट्रस्ट
नई दिल्ली । गुवाहाटी । सिलचर

संयोजक
एस डी जे एम आई मैनेजिंग कमेटी, श्रवणबेलगोला
श्री दिगम्बर जैन समाज,
बेंगलूरू

भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें
जन्म कल्याणक पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित

SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

अहिंसा सर्वोपरि सिद्धान्त : महासभा द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

डॉ. निर्मल कुमार जैन

दिल्ली। भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा तथा प्राच्यविद्या एवं जैन संस्कृति संरक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ''वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन श्री खंडेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर परिसर, राजा बाजार, नई दिल्ली पर दिनाक 7 अप्रैल 2024 को किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ प्रो0 जिनेन्द्र कुमार, प्रो0 सुदीप शुमार जैन, प्रो. अनेकांत जैन, श्री विजय कुमार जैन तथा डॉ. निर्मल कुमार जैन द्वारा चित्र अनावरण तथा दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। संगोष्ठी दो सत्रों का था। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में प्रो0 सुदीप कुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान महावीर के उपदेशों को हमें अपने जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। उनके जीवन का कोई पक्ष ऐसा नहीं है जिसे हम अपना नहीं सकते। हम लोगों ने भगवान महावीर के जीवन की चर्चा बहुत की है, लेकिन चर्या नहीं की है। हमें खान-पान में जैनत्व को ध्यान रखना चाहिये। प्रतिक्रमण पढ़ने का नहीं बल्कि जीवन में अपनाने का है। प्रो0 सुदीप कुमार ने आगे कहा कि विनय करने से धर्म नहीं होता है। हमें धर्म की आवश्यकता पर चिंतन कर प्रस्तुति करनी चाहिये। ध्यान मुद्रा विशुद्ध रूप से जैन धर्म की विश्व को देन है। भगवान महावीर निर्ग्रन्थ है, ऐसा दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों सम्प्रदाय मानते हैं। अगर हमें महावीर को अपनाना है तो महावीर से समझना होगा, इसे जीवन का लक्ष्य बनाना होगा, चर्या में अपनाना होगा। हमें आयोजन नहीं बल्कि प्रयोजन सफल करना होगा। प्रो0 अनेकांत जैन ने संगोष्ठी को बताया कि भगवान महावीर भूत, भविष्य और वर्तमान तीनों हैं। उनके सिद्धान्तों और उपदेशों को आत्म परिप्रेक्ष्य में अपनाने की आवश्यकता है। महावीर के उपदेशों का असर दूसरे सभी धर्मों पर भी था। इस्लाम धर्म में भी अहिंसा के बारे में बताया गया है। इस्लाम के कलन्दर तबके पर अहिंसा का अत्यधिक प्रभाव था। इस्लाम का एक तबका शाकाहारी था। सूफी सम्प्रदाय पर भगवान महावीर और अहिंसा का प्रभाव था। उन्होंने कहा कि भगवान ऋषभदेव जी विश्व संस्कृति के प्रवर्तक थे। उनकी जयन्ती पूरे देश को जानी चाहिये।

प्रो0 विजय कुमार जैन ने संगोष्ठी को बताया कि युवाओं में शिक्षा के निरुपण हेतु दिवंगत श्री निर्मल कुमार जैन सेठी द्वारा श्रुत संवर्धिनी महासभा की स्थापना की गई थी। उन्होंने बताया कि ईसा पूर्व छठी शताब्दी में विश्व में कई महापुरुषों का आविर्भाव हुआ। श्रमण संस्कृति ने हिंसा और पशु बलि का विरोध किया। श्रमण का मतलब जैन और बौद्ध दोनों होता है। जैन और बौद्ध धर्मावलल्बियों के बीच मन, वचन और काया पर चर्चा होती रहती थी। सर्वज्ञता को लेकर जैन और बौद्ध के बीच संवाद होता था। पर्यावरण की बात तीर्थंकरों ने की। इस तरह जैन परम्परा का भारतीय संस्कृति को अत्यधिक योगदान है। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. निर्मल कुमार जैन ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुये कहा कि महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जैन की परिकल्पना थी कि विद्वानों की संगोष्ठि कर जैन धर्म को लोकप्रिय बनाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी को तप, त्याग और संयम को आभूषण बनाना चाहिये। बुरी भावनाओं, बुरे विचारों और बुरे खानपान का त्याग करना चाहिये। तप का महत्व अपनाना चाहिये तथा जीवन में सत्संग करना चाहिये। जैन विश्व भारती, लाडनूं के पूर्व कुलपति डा0 जिनेन्द्र कुमार जैन ने प्रथम सत्र के अध्यक्षीय भाषण में कहा कि भगवान महावीर के सिद्धान्तों में अहिंसा सर्वोपरि है। अहिंसा ही जैन दर्शन का स्तम्भ है। हमें अपने जीवन में महाव्रतों को अपनाना चाहिये। साधन और साध्य को अपनाकर हम लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। इच्छायें अनन्त है। हमें उन्हें एक सीमा में रखना होगा। यही महावीर के उपदेशों की सार्थकता होगी कि हम उन्हें जीवन में पालन करें। संगोष्ठी में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द जैन बड़जात्या तथा प्रो0 जिनेन्द्र कुमार जैन को साहित्य आराधक की उपाधि से विभूषित किया गया। संगोष्ठी के दूसरे सत्र में विद्वानों ने अनेकांत के महत्व पर प्रकाश डाला। जहां पूरी दुनिया की सुख की सीमा समाप्त होती है, वहीं से महावीर के सिद्धान्त से शुरुआत होती है। श्री विकास चैधरी ने बताया कि जैन धर्म के सिद्धान्त को किसी न किसी रूप में अन्य धर्मों में स्वीकार किया गया है। अपरिग्रह के सिद्धात को मनुष्य को अपनाना चाहिये। सुश्री रुचि जैन ने कहा कि संत कबीर के दोहे पर भगवान महावीर के उपदेशों का असर था। महावीर का समोशरण चलता-फिरता विश्वविद्यालय था। श्री अशोक बड़जात्या जी के अनुसार मृत्योपरान्त जीव का क्या होता है, इसकी विवेचना जैन धर्म करता है। सुश्री नीरजा जैन, सुश्री रीणा जैन तथा सुश्री महक अग्रवाल, सुश्री कल्पना जैन तथा डॉ. आरती जैन ने भी अपना पेपर प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र के अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रख्यात विद्वान डा. वीरसागर जैन ने कहा कि वर्तमान में हम लोग वर्धमान से बहुत कुछ सीख सकते हैं। आज मानव समाज को समोशरण की अति आवश्यकता है। आज समाज में समन्वय नहीं है, वात्सल्य नहीं है। इसी कारण असंतोष है। जैन समाज के सम्प्रदायों में एकता अत्यावश्यक है। यदि एकता नहीं हुई तो हम एक दिन लुप्त हो जायेंगे। समाज में मतभेद हों, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए। हमें किसी का बहिष्कार नहीं करना चाहिये। उन्होंने सम्पूर्ण जैन समाज से एक होने का आह्वान किया। संगोष्ठी का संचालन डा0 वीरचन्द जैन ने किया।

भगवान महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित

परम पूज्य वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य श्री
108 वर्धमान सागर जी महाराज एवं समस्त मुनि संघ के चरणों में

शत् शत् नमन, शत् शत् वंदन

नमनकर्ता: राजेन्द्र कुमार जैन/भागचन्द्र जैन एवं समस्त छाबड़ा परिवार
'Manik Ratan Bldg', By lane Kamal Patrol Pump, H. B. Road, Machkhowa, Guwahati - 781009 Cell : 919435111035

Jain Group

निर्मल – पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी

EVER GREEN
be positive get positive

Evergreen Hosiery Industries Pvt. Ltd.
Corp. Regd. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Mobile : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com

Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Corp. Off. : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. : Moonlight Cinema
Kolkata - 700 073 (W.B.) Mob. : 98300 05085, 98302 75490
Factory : Regent Garments & Apparel Park, Block - 23, 5th Floor, Jessore Road
Near Fortune Township, Dist. - 24 Parganas (N) - 743294, Mob. : 98311 31838

MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434

EVERGREEN CREATION
Address : 369, Abhishek Textile Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 97279 82406, 98280 18707

भगवान महावीर के पूर्व भव

2623वाँ जन्मकल्याणक

दसवाँ पूर्वभव : सिंह का जीव

अरे ! मैं वनराज... ये आकाश-मार्ग से दो मनुष्य कौन आ रहे हैं? अहो... ये तो बिल्कुल नग्न दिगम्बर हैं। अहो! ये मुनिराज मुझ से ही कुछ कह रहे हैं - "अरे वनराज ! तुम हिंसा का महापाप क्यों कर रहे हो? अहा ! धन्य हैं मुनिराज अब, शिकार और हिंसा का तो प्रश्न ही नहीं। चलो ... अब इस पर्याय से सल्लेखना पूर्वक विदा लेता हूँ।

नववाँ पूर्वभव
सौधर्म स्वर्ग में सिंहकेतु देव

अरे! यह मैं कहाँ आ गया? ऐसा दिव्य प्रकाश... ऐसा मंगल उत्सव... ऐसी जय-जयकार - यह सब क्या है? (अवधिज्ञान से जानकर) हाँ, यह प्रथम स्वर्ग है और मैं सिंहकेतु देव। मुझे यहाँ देवपर्याय का संयोग मिला है - यह सब तो उन मुनिवरों के उपकार एवं सम्यक्त्व का ही फल है।

आठवाँ पूर्वभव
विदेह क्षेत्र में कनकध्वज राजा

अब अन्तिम भवों की यात्रा के इस पड़ाव में मैं विदेहक्षेत्र में आ गया। पिताश्री कनकप्रभ ने मेरा नाम कनकध्वज रखा। अरे! यह सुदर्शन वन, यहाँ तो वीतरागी सन्त विराजमान हैं। इनके दर्शन मात्र से अपूर्व प्रसन्नता हो रही है। "हे प्रभो! मुझे भी निर्ग्रन्थ जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान कीजिए।"

सातवाँ पूर्वभव
आठवें स्वर्ग में देवानन्द देव

अरे ! पुन: सकल संयम से गिरकर असंयम की ज्वाला में जलने आ गया। वहाँ तो सिर्फ संज्वलन कषाय शेष रह गई थी, परन्तु उसका यह दंड कि चौदह सागर तक प्रत्याख्यान और अप्रत्याख्यान कषाय को भी भोगना पड़ेगा। पता नहीं, मेरे साथी मुझे क्यों 'देवानन्द' कहते हैं। ... शायद वे मुझे देखकर आनन्दित होते हों।

छठवाँ पूर्वभव
उज्जयिनी में हरिषेण राजा

फिर मानो अपूर्ण साधना को पूर्ण करने के लिए नर-देह मिली। मैं वज्रधर राजा का पुत्र 'हरिषेण'। मुनिराज श्रुतसागर से प्रेरित हो पिताश्री मुनिराज हो गए, पर मैं राज्य-वैभव में फँस गया।

पाँचवा पूर्वभव
दसवें महाशुक्र स्वर्ग में देव

एक बार और असंयम की ज्वाला में जलने दसवें स्वर्ग में आ गया। यहाँ इस तृष्णा की ज्वाला में अनन्तानुबन्धी की जलन नहीं है, इसलिए मिथ्यात्व का बन्ध भी नहीं है। आखिर चैतन्य के अतीन्द्रिय आनन्दरस के साथ-साथ विषय-रस का भी ज्ञान करते-करते सोलह सागर बीत गए।

चौथा पूर्वभव
विदेह क्षेत्र में प्रियमित्र चक्रवर्ती

मैं आ गया विदेह क्षेत्र की क्षेमद्युति नगरी में राजा धनंजय के परिवार में पुत्र बनकर। सभी परिजन मुझे प्रियमित्र कहने लगे। मैं राज्य-सुख के राग में उलझा रहा। दर्पण में कान के पास सफेद बाल देखने मात्र से टूट गया और क्षेमंकर जिनेन्द्र की साक्षी में दीक्षित होकर पुन: अपूर्ण आराधना को पूरी करने हेतु निर्जन वन में चला गया, परन्तु वहाँ भी अन्त में साधना-समाधि को पूर्ण न कर सका।

तीसरा पूर्वभव
बारहवें सहस्रार स्वर्ग में सूर्यप्रभ देव

इस बार फिर संज्वलन को परास्त न कर सका, अत: पुन: देवगति के बारहवें स्वर्ग में देव बन गया। हे भगवान ! आखिर चैतन्य की ऐसी विराधना हमसे बार-बार क्यों होती है? इसी उलझन में असंख्य वर्ष बीत गए और यह देवायु भी पूर्ण हो गई।

दूसरा पूर्वभव
भरत क्षेत्र में नन्द राजा

राजा नन्द ने प्रौष्ठिल नाम के श्रुतकेवली मुनिराज से जिनदीक्षा अंगीकार करके वहीं श्रुतकेवली के चरणों में बैठे-बैठे ही सोलह प्रकार ऐसी मंगल भावनायें जागृत की जो कि भव के अंत की सूचक तथा सर्वज्ञपद की पूर्व भूमिकारूप तीर्थंकर प्रकृति के पिंडरूप जगत के उत्तम पुद्गल स्वयमेव परिणमित होने लगे अर्थात् तीर्थंकर प्रकृति बाँधना प्रारंभ किया।

पिछला पूर्वभव
सोलहवें अच्युत स्वर्ग में देव

अब फिर आ गई यह देवपर्याय ..... सोलहवें अच्युत स्वर्ग के पुष्पोत्तर विमान में इन्द्र पद ..... साधना की अपूर्णता का दण्ड, फिर से असंख्यवर्षों तक भोगना पड़ा।

वर्तमान भव : तीर्थंकर महावीर

बालक वर्धमान नाथवंशीय क्षत्रिय राजकुमार थे। उनके पिता का नाम सिद्धार्थ और माता का नाम त्रिशला देवी था। उनका यह अन्तिम जन्म था। इसके बाद तो उन्होंने जन्म-मरण का नाश ही कर दिया। वे वीतराग और सर्वज्ञ बने। जन्म लेना कोई अच्छी बात नहीं है, पर जिस जन्म में जन्म-मरण का नाश कर भगवान बना जा सके, वही जन्म सार्थक है।

उन्होंने शादी ही नहीं की थी। वे आजीवन ब्रह्मचारी रहे।

उन्होंने तीस वर्ष की यौवनावस्था में नग्न दिगम्बर साधु होकर घोर तपश्चरण किया था। लगातार बारह वर्ष की आत्मसाधना के बाद उन्होंने केवलज्ञान की प्राप्ति की थी। लगातार 30 वर्ष तक सारे भारतवर्ष में समवशरण सहित विहार तथा दिव्यध्वनि द्वारा तत्त्व का उपदेश होता रहा। अंत में पावापुर उन्होंने में आत्मध्यान में लीन हो 72 वर्ष की आयु में दीपावली के दिन मुक्ति प्राप्त की।

2623वाँ जन्मकल्याणक

2550वाँ वीर निर्वाण वर्ष

तीर्थंकर महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की

हार्दिक शुभकामनाएँ

भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव 2550 अहिंसा वर्ष

संजय-रेखा दीवान, तीर्थेश-प्रियंका दीवान, कुमारी मोक्षा जैन दीवान परिवार, सूरत

भगवान महावीर स्वामी अलौकिक महापुरुष थे

-विवेक काला, अंतर्राष्ट्रीय रत्न व्यवसायी

भगवान महावीर स्वामी ने अपने ज्ञान किरणों द्वारा जैन धर्म का प्रवर्तन किया था, इस धर्म के पांच मुख्य सिद्धांत सत्य, अहिंसा, चोरी न करना, आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना और जीवन में शुद्धिकरण होना। उनका कहना था कि मनुष्य इन पांचों सिद्धांत पर चलकर मोक्ष या निर्वाण की प्राप्ति कर सकता है। उन्होंने सभी को इस पथ पर चलने का ज्ञानोपदेश दिया था। उन्होंने कहा कि जाति-पाति से कोई श्रेष्ठ या महान नहीं बनता, न ही उसका कोई स्थाई जीवन मूल्य होता, सबकी आत्मा को अपनी आत्मा के समान समझना चाहिए, यही मनुष्यता है।

संयम भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त सार और महत्वपूर्ण सूत्र है

- श्रीमती अर्चना जैन (रानी) दुगेरिया सर्राफ अध्यक्षा मुनिपुंगव श्री सुधा सागर बालिका छात्रावास, कोटा

संयम भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त सार एवं महत्वपूर्ण सूत्र है। जीवन की जटिलताएं एवं सुविधाओं से राहत पाने का दिशा-दर्शन इसी से प्राप्त होता है। अभाव आदि संभावनाओं का समाधान भी संयम से प्राप्त किया जा सकता है। आज राष्ट्र जिस संकट पूर्ण स्थिति से गुजर रहा है उसके समाधान के लिए सभी देशवासियों के लिए संयम साधना अति आवश्यक है। जो संयम करता है वह अधिक समाधान एवं राहत प्राप्त करता है। आज के युग में सत्ता और तानाशाही का भी बोलबाला है, अतः हम सब सभी संयम से काम लें तो सुख-शांति मिल सकती है।

महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीने दो के सामने सारी दुनिया में रह सकता है अमन चैन

- श्रीमती उषा जैन धर्मपत्नी अनिल कुमार जैन, बनेठा वाले, सांगानेर जयपुर

भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग द्रष्टा, एक महा मानव थे। विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है, भगवान महावीर का उपदेश था कि पाप से घृणा करो न कि पापी से, भगवान महावीर ने सारी दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का संदेश दिया था। इस मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। भगवान महावीर के सिद्धांत ''जियो और जीने दो'' को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी अपने जीवन का मूल मंत्र माना था। अतः सारी दुनिया को जियो और जीने दो के संदेश पर रहना चाहिए ताकि दुनिया में अमन चैन बना रहे।

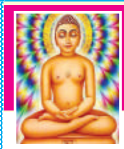

भ. महावीर स्वामी 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :

अजीत पाटनी (CA) अध्यक्ष- नागालैण्ड श्रुत संवर्धिनी महासभा, उपाध्यक्ष- केन्द्रीय श्रुत संवर्धिनी महासभा एवं श्रीमती किरण पाटनी उपाध्यक्ष- केन्द्रीय महिला महासभा एवं श्रेया-प्रणय, हर्षिता-हार्दिक व सर्वज्ञ, डीमापुर

Mob. 09436003237, 9436012880

डोलफिन वाटरप्रुफिंग

एडवांस टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ, वेदर प्रूफ पायें सीलन, लीकेज एवं गर्मी से राहत व बिजली के बिल में भारी बचत करें।

छत व दीवारों का बिना तोड़फोड़ के सीलन का निवारण

For Your New & Old Construction

Dr. FIXIT Pidilite WATERPROOFING EXPERT

Rajendra Jain

80036-14691

Dr. Fixit Authorised Project Applicator

DOLPHIN WATERPROOFING

116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

भ. महावीर का दिव्य संदेश 'जीओ और जीने दो'

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :

ATPL ABHINAV TRADEX PVT. LTD.

ABHINAV TRADEX PVT. LTD.

Mfg. of Thermal Paper & Carbonless Paper

Indentors, Importers & Convertors of All Grades of Paper & Board

Indresh Kumar Jain
Director

OFFICE :
5/2389/103, New Mela Ram Market
Chatta Shahji, Chawri Bazar, Delhi-06
M: 7065363080

FACTORY :
23/20, Ambay Garden, Main G.T.
Kamal Road, Libaspur, Delhi-110042

EMAIL : abhinavtradex2001@gmail.com, acctsatpl@gmail.com

WEBSITE : www.abhinavtradex.com

सेवा धर्म समाज की आगम के अनकूल। यह पुनीत उद्देश्य है जैन गजट का मूल।।
जैन गज़ट शिकायत 9415008344 जैन गज़ट

सम्पादकीय

तीर्थंकर महावीर जन्म कल्याणक हमारी पहचान बने

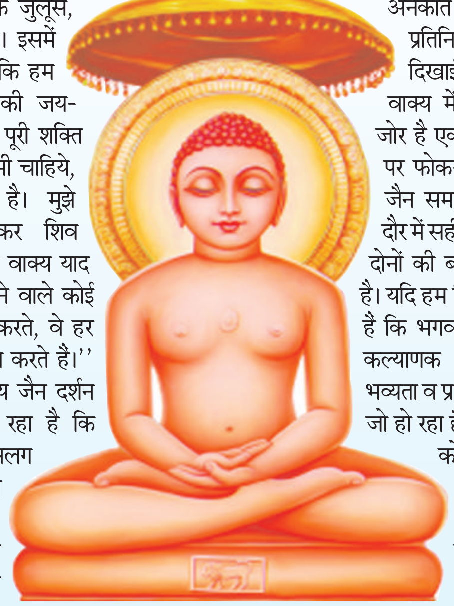

वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव 21 अप्रैल को मनाया जाना है। मैंने बहुत सारी जगह जन्म कल्याणक के जुलूस, शोभायात्रा देखी है। इसमें कोई शक नहीं है कि हम भगवान महावीर की जय-जयकार में अपनी पूरी शक्ति लगाते हैं। लगाना भी चाहिये, कोई हर्ज नहीं है। मुझे मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा का एक सूत्र वाक्य याद आ रहा है ''जीतने वाले कोई अलग कार्य नहीं करते, वे हर कार्य अलग ढंग से करते हैं।'' साथ ही एक वाक्य जैन दर्शन का भी याद आ रहा है कि ''भगवान कोई अलग नहीं है, यदि सही दिशा में पुरूषार्थ किया जाय तो प्रत्येक आत्मा भगवान बन सकता है।'' दोनों सूत्र वाक्य यदि हम समझ जाएं तो दोनों हमारे अनेकांत व स्याद्वाद का प्रतिनिधित्व करते दिखाई देते हैं। एक वाक्य में 'सही ढंग' पर जोर है एक में 'सही दिशा' पर फोकस किया गया है। जैन समाज को आज के दौर में सही ढंग व सही दिशा दोनों की बहुत आवश्यकता है। यदि हम चिंतन करें तो पाते हैं कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक के दौरान हमारी भव्यता व प्रभावना के नाम पर जो हो रहा है वह हमारी दिशा को प्रभावित करता है। जैनेत्तर समाज हमारी समाज से प्रेरणा लेता है, यदि यह कहूं कि अन्य मतावलम्बियों ने बहुत सारी बातें हमसे सीखी हैं तो आश्चर्य नहीं है क्योंकि जैन समाज ही जुलूस, शोभायात्रा वर्षों से निकलता आया हो चिंतन के बिन्दु यह है कि -

- जुलूस भव्य हो, साथ ही भावों की भव्यता भी साथ हो।
- अहिंसा धर्म की जय बोलने के साथ हिंसक कार्यों पर प्रतिबंध हो।
- जुलूस में सन्देशों की प्रासंगिकता दिखाई देती चाहिये।
- जुलूस मार्ग में हमारी शान त्याग के माध्यम से हो न कि खान-पान से।
- भोजन में अच्छा बने लेकिन जब मुख्य मार्गों पर जुलूस निकले तो शरबत, रसना, शिंकजी, लस्सी, कोल्डड्रिंक्स आदि पर प्रतिबंध हो।
- जुलूस में केवल पानी मिले जो आवश्यक है वह भी पानी के छन्ने से छना हुआ, जिससे पानी कैसे छानते हैं। इसका सन्देश भी अन्य जनों को मिले।
- सामूहिक भोजन शुद्ध बने, छने पानी का बने, घर के मसालों का बने, घर का आटा पिसा हुआ हो। शुद्धता के साथ बने, यह शुद्धता का स्वाद ही हमारी नई पीढ़ी को शुद्ध भोजन की ओर आकर्षित कर सकता है। इस कार्य में आयोजकों को कष्ट हो सकता है लेकिन कोई असंभव नहीं है हो सकता हो।
- जुलूस में हमारे परिधान हमारी पहचान बने, इस हेतु सामूहिक निर्णय होना चाहिये।
- जुलूस यदि आचार्य, मुनिराज माता जी के सान्निध्य में हो तो उनके आहार की व्यवस्था समयानुकूल हो न कि हमारे जुलूस अनुरूप, उन्हें सम्मान के साथ श्रीजी के रथ के आगे रखें।
- जुलूस में धन का नहीं धर्म का दर्शन हो। इस बात का विशेष ध्यान रखें।
- निकलने वाली झांकियाँ आपस में प्रतियोगी न बने, आपकी सद्भावना के लिए बने। अपनी-अपनी झांकी नहीं हम सबकी झांकी भगवान महावीर की प्रभावना की झांकी हो।
- सामाजिक धन का व्यय मितव्ययिता से हो, अपव्यय न हो शान शौकत के लिए न हो।
- जुलूस निकलने के बाद कचरा बिखरा हुआ न मिले।
- सन्देश लिखी हुई तख्तियाँ, बैनर हो नाम के बैनर न हों।

और भी बहुत सारी बातें हो सकती हैं, हम हमेशा ध्यान रखें। हमें हमारी प्रभावना नहीं जिन धर्म की व उसके मूलभूत सिद्धांत, अहिंसा, दया, करूणा, त्याग, तपस्या, अनेकांत, स्याद्वाद, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य, ब्रह्मचर्य की प्रभावना करती है।

इन सारी बातें करने का उद्देश्य सिर्फ यह है कि भगवान महावीर का 2550वाँ निर्वाण कल्याणक वर्ष के अन्तर्गत यह जन्म कल्याणक वर्ष के अन्तर्गत यह जन्म कल्याणक मना रहे हैं इसलिए इसका महत्व और बढ़ जाता है कि यह आयोजन हमारी विशिष्ट पहचान बनें। यही उद्देश्य है क्षमाभाव सहित।

गुरूमंत्र - सादगी, धैर्य और समानुभूति ये तीनों हमारा सबसे बड़ा खजाना है।

– राजेन्द्र जैन 'महावीर'
सह सम्पादक

मेरे महावीर

- स्वराज जैन
टाइम्स ऑफ इण्डिया

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर सत्य और अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओत-प्रोत था। निडर, सहनशील और अहिंसक होने के कारण उनका नाम महावीर हुआ।

भगवान महावीर का जन्म ईसा पूर्व 599 में बिहार के वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ तथा माता त्रिशला भी। उनके बचपन का नाम वर्धमान था। वर्धमान का बचपन राजमहल में बीता। वे बड़े निर्भीक थे। जब वे आठ वर्ष के हुये तो उन्हें शिक्षा तथा धनुर्विद्या सीखने हेतु शिल्पशाला भेजा गया। तीस वर्ष अवस्था में वे गृह त्याग कर श्रामणी दीक्षा ली। 12 वर्षों की कठोर मौन तपस्या करने के उपरान्त उन्हें 'केवलज्ञान' प्राप्त हुआ।

ईसा पूर्व छठी शताब्दी में भारत में दो महान विभूतियों का आविर्भाव हुआः भगवान महावीर और भगवान बुद्ध। दोनों ने विश्व को अहिंसा का मार्ग दिखाया। विश्व की सारी समस्यायों का समाधान अहिंसा द्वारा किया जा सकता है, इसका उपदेश दोनों ने दिया। सत्य और अहिंसा के उपासक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने अहिंसा के द्वारा ही अंग्रेजों की दासता से देश को आजादी दिलाई। भगवान महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता आज सम्पूर्ण मानव जाति को अत्यधिक है। लगभग 2550 साल पहले भगवान महावीर के उपदेश जितने मानव हितकारी थे, आज भी ये उतने ही हितकारी हैं।

भगवान महावीर ने अपने जीवन काल में दिये गये प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और उपरिग्रह पर अत्यधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार उनके प्रवचनों का सार था। उन्होंने जैन धर्म के पंचशील सिद्धान्त बताये, जो हैं:- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह।

भगवान महावीर ने अपने धर्म प्रचार काल में जातिवाद का घोर विरोध किया था। उनके धर्म संघ में विभिन्न जातियों का समन्वय था। जातिवाद के बन्धनों को तोड़कर उन्होंने एक महान धर्म क्रान्ति का सूत्रपात किया। अतः वे महान समाज सुधारक थे।

तीर्थंकर महावीर ने कहा कि किसी प्राणी को कष्ट देना हिंसा है। यहां तक कि पेड़-पौधों को भी कष्ट देना हिंसा। उन्होंने ''जीयो और जीने दो'' का संदेश मानव जाति को दिया। आवश्यकता से अधिक भौतिक वस्तुओं को संग्रह नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपने उपदेशों में कहा कि संयम ही जीवन है। अत्यधिक भोग का त्याग किया जाना चाहिए। मनुष्य को हमेशा क्षमा और प्रेम का विचार अपनाना चाहिये। इससे जीवन को न केवल सरल किया जा सकता है बल्कि सम्मान से वह सब कुछ पा सकता है।

भगवान महावीर ने 72 वर्ष की आयु में ईसा पूर्व 527 में पावापुरी (बिहार) में कार्तिक मास की अमावास्या को निर्वाण प्राप्त किया। हम सब भाग्यशाली हैं कि भगवान महावीर का 2550वां निर्वाण महोत्सव वर्ष हमारे जीवन काल में आया है। हमें सत्य और अहिंसा के पुजारी भगवान महावीर के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने कार्य करना चाहिये। वर्तमान को वर्धमान की अत्यधिक आवश्यकता है। भगवान महावीर है 2550वें महोत्सव वर्ष पर मैं उन्हें अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ।

कहीं इस बार भी बुद्ध की आड़ में खो न जाएं महावीर

प्रो. अनेकांत कुमार जैन,नई दिल्ली

21 अप्रैल को महावीर जयंती है, पिछले साल कई अखबारों ने महावीर की जगह बुद्ध की फोटो छाप दी थी। यहाँ तक कि सरकारी विज्ञापनों में भी एक तो बधाई आती नहीं है और यदि कोई आई तो उसमें भी बुद्ध छापे गए।

मैं दिल्ली के अहिंसा स्थल के पास से जब भी गुजरता हूँ तो ऑटो टैक्सी वालों से जानबूझ कर पूछता हूँ कि भैया ये किनकी मूर्ति यहाँ लगी हुई है ? तो 99 प्रतिशत उसे बुद्ध बतलाते हैं, जबकि वहां मुख्य द्वार पर भगवान महावीर नाम भी लिखा है।

अब इसमें सारा दोष दूसरों को देने से कुछ नहीं होगा। हमें स्वीकारना होगा कि जहां हमें दिखना चाहिए वहां हम नहीं होते हैं। हमारी शक्ति खुद में ही खुद के प्रचार में लग रही है।

बाहर बुरा हाल है ....इसके लिए हमारी सामाजिक संस्थाएं निम्नलिखित कदम अभी से उठा सकती हैं -

1. सारे मीडिया हाउस को पत्र लिखकर यह अज्ञानता दूर करना और महावीर का वीतरागी वास्तविक चित्र उपलब्ध करवाना।
2. व्यक्तिगत संपर्क से इन विसंगतियों को ठीक करना करवाना।
3. मंत्रालयों के कार्यालय जहाँ से ये बधाइयां और चित्र जारी होते हैं, ट्वीट होते हैं, उन्हें यथार्थ बोध करवाना।
4. जो जैन बंधु विभिन्न राजनैतिक पार्टियों में बड़े छोटे पदों पर हैं, जो जैन बंधु विभिन्न सरकारी विभागों में अधिकारी हैं, उनसे संपर्क करके अभी से प्लानिंग करके स्वतः खुद को बधाइयां दिलवाइये, सही चित्र और मैटर स्वयं उपलब्ध करवाएं।
5. कोई मीडिया अखबार चैनल यदि आपसे विज्ञापन लेता है तो कम से कम उससे यह प्रश्न जरूर करें कि वे जैन धर्म और महावीर पर कितने लेख, कहानी छाप रहे हैं और कितनी देर की डॉक्यूमेंट्री दिखा रहे हैं ? कितनी देर की वार्ता या विशेष साक्षात्कार प्रसारित करते हैं? आपके विज्ञापनों की ये शर्तें भी होनी चाहिए।

अम्बेडकर जयंती तक की उन्हें बहुत चिंता रहती है और महावीर छूट भी जाएं या चूक भी जाएं तो कोई फर्क नहीं पड़ता है।

जैनों को खुद की पहचान सुरक्षित रख पाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है, बाद में आलोचना करने से कुछ नहीं होता है।

आचार्य भद्रबाहू सागर जी महाराज की
अनमोल वाणी

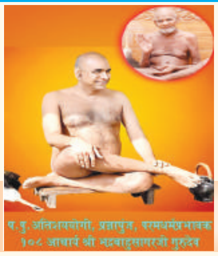

परम पूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशय योगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज

अपने भीतर शांति प्राप्त हो जाने पर सारा संसार भी शांत दिखाई देने लगता है

-: नमनकर्ता :-

दीपचन्द गंगवाल, बाराबंकी
श्रीमती नीता जैन, बाराबंकी
श्रीमती अनिता जैन, बाराबंकी
श्रीमती आशु जैन, बाराबंकी
मुदित जैन, प्रयागराज
दिलीप जैन, प्रयागराज ...
महेश जैन, बोदेगांव (महा.)
राकेश जैन, परभनी (महा.)
तुषार मनोज कुमार चौबाकर, परभनी महा.
प्रकाशचन्द्र साउजी, अम्बड़ (महा.)
दिलीप दोषी, मुम्बई (महा.)
सुनिल हीराचन्द दोषी, अकलूज (महा.)

परमपूज्य 108 प्रज्ञापुंज धर्म प्रभावक अतिशययोगी आचार्य श्री भद्रबाहूसागरजी महाराज जी के चरणों में शत शत वन्दन

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

भ. महावीर जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित

'शुभाकांक्षी'

आनंद कुमार
रत्नप्रभा सेठी
सिगनेचर स्टेट, 9 फ्लोर, अपोजिट-डी.जी.पी. ऑफिस,
बी. के. काकोसी रोड, गुवाहाटी
(आसाम) 781007
मो. 9435012070

महावीर जयन्ती पर विशेष

युग दृष्टा भगवान महावीर

- श्रीमती उमा मालवीय

नई दिल्ली। भगवान महावीर का जन्म ईसा पूर्व 599 में हुआ था। उनका जीवन और दर्शन तीन सहस्र वर्षों के दीर्घकाल में व्याप्त है। वास्तव में महावीर का व्यक्तित्व काल की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता उनका चिन्तन देश और काल दोनों की परिधि से परे है।

भगवान महावीर ने जिस वर्ग विहीन समाज की परिकल्पना की तथा आर्थिक और राजनैतिक मर्यादाओं के लिए जो दृष्टि प्रदान की, वह मानव सभ्यता के आदि युग से लेकर हजारों-हजार वर्षों के चिन्तन का निष्कर्ष था। महावीर का चिन्तन विश्व मानव समाज के चरितार्थ जो मानव-धर्म हो, प्राणी मात्र का धर्म हो, विश्व धर्म हो।

तीर्थंकर भगवान महावीर के द्वारा प्रचारित उनके सिद्धांतों की आज विश्व के लिए महती आवश्यकता है। उनका प्रमुख सिद्धांत 'अहिंसा', यही एक मात्र ऐसा अस्त्र है जो मानव-समाज के लिए सभी प्रकार के दोष और पाप-कर्म इसी सिद्धांत की परिकल्पना से दूर हो जाते हैं। 'अहिंसा' से ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत को आजादी दिलवाई।

भगवान महावीर स्वामी सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के मूर्तिमान प्रतीक थे। 'अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत के साथ उन्होंने संपूर्ण मानवता को एक नई दिशा दी। त्याग, संयम, प्रेम, करुणा और सदाचार उनके प्रवचनों के सार थे। उनकी शिक्षाएं एवं विचार एक समावेशी तथा समता मूलक समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

भगवान महावीर ने विश्व शांति के लिए 'जियो और जीने दो का संदेश दिया जो सदैव प्रासंगिक रहेगा। उनके द्वारा प्रतिपादित 'अहिंसा परमो धर्म, अपरिग्रह, सम्यज्ञ ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक चारित्र, सत्य अनेकान्त के सिद्धांतों पर अमल करने से सर्व कल्याण हो सकता है। अनेकान्तवाद का सिद्धांत सर्वधर्म समभाव का पर्यायवाची है।

अनादिकाल से चली आ रही तीर्थकर परम्परा में इस युग में चौबीसी की श्रृंखला में भगवान महावीर अन्तिम तीर्थकर हुए जिनके शासन काल में आज हमें इस भारत भूमि की वसुन्धरा पर जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है परन्तु महावीर के शासन काल में जन्म लेने मात्र से आज तक कोई महान नहीं बना। महानता प्राप्त करने के लिए महावीर जैसे महान गुणों को स्वयं में उद्घाटित करने की आवश्यकता है। महावीर को बनाने के साथ, महावीर की मानना आवश्यक है, जिसने महावीर की मानी है, वही महावीर बना है। अपने में भगवान देखना और आत्मा से परमात्मा बनने का धर्म।

भारतीय धर्म-दर्शन के पुरोधा पूर्व राष्ट्रपति महामहिम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के प्रभावी शब्दों में- मानव जाति के महापुरुषों में से एक हैं 'महावीर उन्हें जिन अर्थात विजेता कहा जाता है। उन्होंने राज्य और साम्राज्य नहीं जीते अपितु आत्मा को जीता है, सो उन्हें 'महावीर' कहा जाता है। सांसारिक युद्धों का नहीं अपितु आत्मिक संग्रामों का महावीर। तप, संयम आत्म शुद्धि और विवेक की अनवरत प्रक्रिया से उन्होंने अपना उत्थान करके दिव्य पुरुष का पद प्राप्त किया। भगवान महावीर ने अपने संदेशों में प्रचारित किया कि सभी जीव बराबर हैं, जो पुरुषार्थ करें, वह भगवान बन सकता है अतः महावीर का धर्म साम्प्रदायिक का नहीं, व्यक्ति का नहीं, यह तो प्राणी मात्र का है।

तीर्थकर भगवान महावीर स्वामी ने विश्व के लिए आत्म विद्या के साथ जो जीवन जीने की कला स्वरूप पांच महत्वपूर्ण सिद्धांत दिए वे सार्वभौमिक हैं। देश के भारतीय संविधान में महावीर स्वामी का चित्रांकन कर उनके बहुमूल्य सर्व कल्याणकारी उपकारों को विश्व स्तरीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना है।

भगवान महावीर का धार्मिक सद्भाव, मैत्री, प्रेम, आत्मीय मिलन, धर्म और धार्मिक संस्कार भावी पीढ़ी को संस्कारों का शंखनाद करेगी।

जैन धर्म के मूल सिद्धांत हैं अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जो इन सिद्धांतों को अपनाएं वही जैन है।

भगवान ऋषभदेव से महावीर पर्यन्त तीर्थकर धर्म के प्रवर्तक रहे हैं। भगवान महावीर ने अपने तपोमय जीवन से अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्तवाद सिद्धांत द्वारा विश्व शांति का संदेश दिया जो आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। भगवान महावीर एक क्रांतिकारी युगदृष्टा थे। उन्होंने सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक सभी क्षेत्र में एक क्रांतिकारी जीवन दर्शन का प्ररूपण किया स्वयं राज घराने में जन्म लेकर राजशी ऐश्वर्य का पूर्णतः परित्याग कर संयम, त्याग और तपस्या का जीवन व्यतीत करते हुए व्यक्ति और समाज को विभिन्न आडम्बरों की भूल-भुलैया से निकलकर धर्म और नैतिकता का पाठ पढ़ाया अहिंसा और समता का दिशा निर्देश ही नहीं दिया वरन स्वयं उस मार्ग पर चलते हुए कोटि...कोटि संतृप्त और दिग्भ्रमित मानवों का मार्ग प्रशस्त किया।

महावीर का दृष्टिकोण अत्यन्त व्यापक था। वे प्राणी मात्र के प्रति दया और करुणा रखने के हिमायती थे। उनकी अहिंसा की विवेचना इतनी सूक्ष्म थी कि मनुष्य के मनोभावों तक उनकी पहुंच हो गई। किसी के प्रति कटु वचन या अपशब्दों का प्रयोग करना जिससे उसके हृदय को किंचित मात्र भी आघात पहुंचा हो, महावीर की विवेचना के अनुसार हिंसा है। ऐसी प्रत्येक प्रकार की हिंसा का निषेध, महावीर ने किया। यह निषेध केवल उनकी वाणी तक ही सीमित नहीं था अपितु उसे उन्होंने अपने आचरण में उतारा और व्यवहार में प्रयोग कर जीवन में आत्म सात किया। महावीर के उपदेश सामान्य एवं परोपदेश मात्र की दृष्टि से नहीं थे, उनमें परहित एवं समाज सुधार की भावना निहित थी, उन्होंने अपने उपदेशों और सिद्धांतों को किसी धर्म विशेष की सीमा तक आबद्ध या सीमित नहीं किया। वे जो कुछ भी कहते थे वह मानव मात्र के लिए परहित की भावना से प्रेरित हुआ करता था यही कारण है कि उनके उपदेश समाज के हित और उपयोग की दृष्टि से आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस समय थे। समता भाव, जीवन मूल्यों का प्रतिपादन, सरलता व सहजता उनके उपदेशों की विशेषता थी। बिना भेदभाव के राग द्वेष रहित वचनों के द्वारा सीधी सच्ची बात कहना उनके उपदेशों का आधार था। उनकी बात लोगों के दिलों तक पहुंचती थी और वे उसी सहजता से हृदयंगम करते थे। महावीर ने आचरण की शुद्धता पर विशेष बल दिया। उनका संदेश था वही करो जो कहते और सोचते हो। मन, वचन और काय के व्यापार में समान्तर आवश्यक है। सात्विक जीवन के लिए मन, वचन और शरीर की शुद्धता आवश्यक है यदि इनमें एकता या एक रूपता स्थापित नहीं हो सकी तो जीवन की सार्थकता ही समाप्त हो जायेगी। जिस प्रकार हम सुखी रहने और जीने की आकांक्षा रखते हैं उसी प्रकार अन्य प्राणियों को भी जीने के लिए उतनी ही अनुकूलता और अवसर मिलना चाहिए जितना हम अपने जीवन के लिए चाहते हैं - यह महावीर का उद्घोष था और स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु रचनात्मक भूमिका थी। उन्होंने सामाजिक विषमता दूर करने के लिए प्राणियों के उन्मुक्त जीवन एवं स्वच्छन्द विचरण को सर्वाधिक महत्व दिया यही भावना उनकी अहिंसा का मूल हैं। अहिंसा मनुष्य को कायर नहीं वीर बनाती है, इसलिए वीरता की क्षमता से परिपूर्ण वे 'महावीर' बने।

भगवान महावीर ने इन्द्रियों, वासना और इन्द्रिय जनित विकारों को जीतकर अपने आप पर विजय प्राप्त की, अपनी आत्मा को विकास के चरमोत्कर्ष पर पहुंचाया और आत्म साक्षात्कार किया। अपनी इच्छाओं को जीतने एवं विकारों पर विजय प्राप्त करने के कारण वे 'जिन' कहलाएं। जिन के द्वारा प्रतिपादित मार्ग का अनुशरण करने वाले 'जैन' कहलाएं इस प्रकार महावीर ने स्वयं तथा उनके द्वारा उपदेशित मार्ग सार्वजनीन था। काल और सम्प्रदाय की मर्यादा से वे परे थे। प्राणी कल्याण की भावना उनमें निहित थी अतः उनके उपदेशों की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही है जितनी उस समय थी। वर्तमान कालीन सामाजिक विषमता के सन्दर्भ पर महावीर का आदर्श एवं उनके द्वारा प्रतिपादित मार्ग सर्वदा उपादेय एवं अनुकरणीय हैं।

महावीर की अहिंसा कोई नारा नहीं है और न ही कोई धर्मान्धता है। अहिंसा न परिभाषा की वस्तु है और न ही कोई पंथ है। उसे हम न वाद कह सकते हैं और न ही महज विचार मान सकते हैं। अहिंसा तो एक जीवन है, मनुष्य के जीवन की एक तर्ज है जिसे केवल जीकर पहचानी जा सकती है... समझी जा सकती है। वे अहिंसा के महान शिल्पी थे। जिन पापों पर अहिंसा टिक सकती है उसे उन्होंने अनुभूत किया और अपनी विराट विरासत में अहिंसा को सहअस्तित्व, अनेकान्त और अपरिग्रह का सिद्धान्त सौंप दिए। भगवान महावीर के सिद्धांत शाश्वत हैं और शाश्वत रहेंगे। महावीर के उपदेशों की आवश्यकता, उपयोगिता जितनी उनके जीवनकाल में थी, उससे भी अधिक वर्तमान में हैं। महावीर के उपदेशों को जब तक हम अपने आन्तरिक जीवन में नहीं उतारेंगे तथा उनको प्रचारित नहीं करेंगे तब तक हमारा न उद्धार होगा और न परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व का होगा।

भगवान महावीर की दिव्य देशना को अपने अन्तःस्थल में उतारने का सद् प्रयास करना होगा तब हम सब सभी भगवान महावीर के सच्चे अनुयायी बनेंगे और उनकी वाणी को अपने कार्यों एवं व्यवहार से जन-जन तक पहुंचायेंगे तब आने वाली युवा पीढ़ी को प्रेरित करेंगे, यही भगवान महावीर के प्रति हमारी सच्ची आस्था और विनायांजलि होगी।

हमारे पूर्वज श्रवण संस्कृति के प्रति कितने श्रद्धावान थे जिन्होंने अनेक विपरीत परिस्थियों के पश्चात भी इन जिनबिम्बों का निर्माण करवा जैनत्व की पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में अपना महान अविस्मरणीय योगदान दिया। काल के क्रूर चक्र ने मुस्लिम आक्रान्ताओं के हाथों से जिनबिम्बों का भंजन कर जैन संस्कृति को नष्ट करने का असफल प्रयास किया। इस अमूल्य विरासत के संरक्षण के प्रति हमारी बढ़ती उदासीनता और उपेक्षा चिन्ता का विषय है। श्रमण संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में हम और आप सभी मिलकर ऐसा सार्थक प्रयास करें जिससे हमारी जैन संस्कृति की पहचान अक्षुण्ण बनी रहे और जैन संस्कृति के प्रति हम गौरवान्वित हो सके। अहिंसा को अब नारों या जयकारों तक ही सीमित नहीं रखना है उसके जय घोष को प्रत्येक व्यक्तियों के जीवन तक पहुंचाना है। आगम के द्वारा जो संदेश दिया गया, हम उसका अनुशरण करें, हम उस दिशा में पुरुषार्थ करते हुए आगे बढ़े, निश्चित ही हम अपने जीवन को एक सार्थक उपलब्धि देंगे। यदि हमें भी कुछ बनना है तो जीने का अंदाज बदलना होगा और वह भी कल नहीं आज ही बदलना होगा।

आवश्यकता है अपनी संस्कृति को जीवन्त रखने हेतु दृढ़ संकल्प एवं समर्पण की। समन्वय करके चलना समय की मांग है। सोचना विश्व स्तर पर चाहिए और करना अपने देश की धरोहर, संस्कृति के अनुसार चाहिए।

(लेखिका श्रीमती उमा मालवीय, नई दिल्ली (संपादक पूर्व केन्द्रीय मंत्री राष्ट्रीय श्रम आयोग के अध्यक्ष, भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य जैन समाज गौरव श्री रतनलाल मालवीय की पुत्रवधु प्रख्यात समाज सेविका हैं)

भ. महावीर जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाओं सहित

सुरेश कुमार-ललिता देवी बाकलीवाल,
अमित कुमार- स्नेहा देवी बाकलीवाल
कैयरा, जेस्वी, शारव बाकलीवाल

सुरेश कुमार जैन एण्ड कंपनी

तरूण राम फुकन रोड, फैन्सी बाजार, गुवाहाटी-781001

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज के अनमोल सूत्र

शत् शत्
नमन वंदन

शांति का चुम्बक बन जाईए ताकि आप अपनी ओर आकर्षित होने वाली अशांत आत्माओं को शांति प्रदान कर सकें

प्रभावना दिवाकर, श्रमण धर्म प्रभाकर, करूणा सागर, अहिंसा तीर्थ-प्रणेता, राष्ट्रसन्त, पंजाब श्रावक उद्धारक, सरलमना, ग्राम मन्दिर उद्धारक, इटावा गौरव, संस्कार प्रणेता, गुण-गौरव शिरोमणि, पुरूषार्थ के पुरूषोत्तम, श्रमण-गौरव, राजकीय अतिथि, राष्ट्रसन्त, बालयोगी के चरणों में शत-शत नमन

-: नमनकर्ता :-

श्रीमती प्रभा सेठी, गुवाहाटी
श्रीमती रिंकी सेठी, विजयनगर
श्रीमती सोनल पाटनी, कोलकाता
श्रीमती शिम्पल सेठी, आठगांव, गुवाहाटी
श्रीमती चन्द्रा बड़जात्या, गुवाहाटी
श्रीमती रूपा रारा, गुवाहाटी

सुभाष चूड़ीवाल, दिसपुर, गुवाहाटी
राजकुमार टोंग्या, रेहाबाड़ी, गुवाहाटी
विनोद कुमार गंगवाल, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी
पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, गुवाहाटी
श्रीमती हेमा पाटनी, पान बाजार, गुवाहाटी
श्रीमती कुसुम बड़जात्या, गुवाहाटी

राजकीय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज दिसपुर में विराजमान हैं।

संकलनः R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

करूणामयी शिक्षा के जनक : आत्मजयी तीर्थंकर

-अजित जैन "जलज", राष्ट्रीय प्रचारक- करूणा अन्तर्राष्ट्रीय, टीकमगढ़

पूरी धरती को ही अपना कुटुम्ब मानने वाली भारतीय संस्कृति को असंख्य वैदिक श्रमण ऋषि मुनियों ने अपने ज्ञान एवं आचरण से पल्लवित एवं पुष्पित किया है। पाश्चात्य संस्कृति उपभोगवाद के सिद्धान्त पर काम करती है जहाँ पर प्रकृति के सभी अंग पर्वत, पानी, पेड़, पशु, पक्षी मनुष्य मात्र के उपयोग/उपभोग के लिये ही मान लिये गये हैं जबकि भारतीय संस्कृति प्रकृति के प्रति कृतज्ञ होकर परोपकार, सहयोग एवं त्याग की भावना को समेटे हुये हैं।

भारतीय संस्कृति के स्वर्णकाल में वैदिक, श्रमण परंपराओं के सुमेल से सत्य, अहिंसा और धर्म का जबर्दस्त बोलबाला था। वैदिक परम्परा में शिथिलता आने पर श्रमण परंपरा के अंतिम तीर्थंकर महावीर ने अपनी जिन परम्परा का सुविकसित स्वरूप स्वयं जीकर दिखा दिया। श्रमण जैन परम्परा व्यक्ति पूजा के बजाय गुणों की उपासक रही है। जिसने स्वयं को जीत लिया, वही जिनेन्द्र है। जो जिनेन्द्र तीर्थंकरों के बताये मार्ग पर चलता है, वही जैन है।

महावीर स्वामी कहते हैं –

धम्मो मंगल मुक्किट्ठं,
अहिंसा संजमो तवो।
देवा वि तं नमंसति,
जस्स धम्मे सया मणो।।

धर्म उत्कृष्ट मंगल है। अहिंसा, संयम और तप उसके लक्षण हैं। जिसका मन सदा धर्म में रमा रहता है, उसे देव भी नमस्कार करते हैं।

अहिंसा एवं अनेकांत की शिक्षा – जीव मात्र की व्यथा को आत्मसात कर लेने के बाद, सबके मंगलमय जीवन के लिये, सर्वकालिक, सर्वभौमिक सत्य की करूणामयी शिक्षा देने वाले आत्मविजेता ही तीर्थंकर कहलाते हैं। तीर्थंकर महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च स्थान दिया। हिंसा नहीं करने का भाव करूणा के विकास के साथ जुड़ा हुआ है। हिंसा- विरोधी/विपक्षी के प्रति हीनता/उपेक्षा के भाव से शुरू होती है। दूसरे प्राणियों को भी अपने प्राण उतने ही प्यारे हैं जितने कि हमको, ऐसी समानुभूति होते ही जीवदया आत्मदया बन जाती है।

वीर वचनों को सुनकर उस समय के धुरंधर महामनीषी महावीर स्वामी से बहस करने लगे। महावीर स्वामी ने सभी पक्षों को सुना और स्वीकार भी कर लिया और फिर क्या **कमाल कहा –**

तम्हा सव्वे वि णया,
मिच्छादिट्ठी सपक्ख पडिबद्धा।
अन्नोन्नणिस्सिया उण,
हवंति सम्मत्त सब्भावा ।।

अपने-अपने पक्ष का आग्रह रखने वाले सभी नय मिथ्या हैं और परस्पर सापेक्ष होने पर वे ही सम्यक्भाव को प्राप्त हो जाते हैं।

इस अद्‌भुत स्याद्वाद को अनेकांत के नाम से विरले विद्वान जान एवं समझ पाये हैं। सभी पंथों, परम्पराओं का सुन्दर समन्वय करने वाले इस सापेक्षवाद में विपक्ष के पक्ष को भी पर्याप्त स्थान मिलता है। विपक्षी/विराधी के प्रति घृणा/हीनता के स्थान पर उसकी परिस्थितियों के प्रति सदाशयता रखकर ही सामंजस्य/विकास का रास्ता बनाया जा सकता है। आधुनिक युग में राजनीति में अहिंसा और अनेकांत का सुन्दर उपयोग कर महात्मा गांधी ने महावीर के विचारों को ही विश्व व्यापी स्वरूप प्रदान किया है।

परिग्रह परिमाण/अपरिग्रह की आवश्यकता - अहिंसक भाव भूमि के लिये विनम्रता अति आवश्यक है। **महावीर ने कहा –**

विणओ सासणे मूलं,
विणीओ संजओ भवे।
विणयाओ विप्पमुक्कस्स,
कओ धम्मो कओ तवो।।

विनय जिनशासन का मूल है। संयम तथा तप से विनीत बनना चाहिए। जो विनय से रहित है, उसका कैसा धर्म और कैसा तप ?

आचार में अहिंसा, विचार में अनेकांत तभी पनप सकते हैं जब जीवन में अपरिग्रह आना आरंभ हो। वर्तमान के चरम उपभोगवादी युग का एकदम उलट 'अपरिग्रही जीवन' है जो कि आज की धधकती धरती को शान्त करने का एक मात्र उपाय है।

धन संपदा की प्रचुरता सुख नहीं देगी, तप त्याग की भावना ही आत्म संतोष देगी। अपना सारा राजपाट छोड़कर नग्न अवस्था में वर्षों प्रकृति के सहज सान्निध्य में अपने आत्मा के गुणों को चरम पर लाकर परमात्मा बने प्रभु ने फरमाया -

सव्वगंथ विमुक्को,
सीईभूओ पसंतचित्तो अ।
जं पावइ मुत्तिसु हं न
चक्कवट्टी वि तं लहइ।।

सम्पूर्ण ग्रन्थ परिग्रह से मुक्त, शीतीभूत, प्रसन्नचित्त श्रमण जैसा मुक्ति सुख पाता है, वैसा सुख चक्रवर्ती को भी नहीं मिलता है। व्यष्टि शुद्धि से समष्टिशुद्धि का अपूर्व आदर्श देने वाले श्रमण साधकों ने न्यूनतम उपभोग से अधिकतम आनंद प्राप्ति का सरल सा सूत्र दिया है। परंतु आज के युग में सरल होना और सरल कहना ही सबसे कठिन हो गया है। परंतु हम अपने उपभोग की वस्तुओं को धीरे-धीरे कम करके त्याग करने के बाद सुख भोगने के वैदिक सूत्र -तेन त्येक्तेन भुंजीथा - का छोटा सा प्रयोग तो अपने जीवन में कर ही सकते हैं।

विज्ञान के युग में प्रयोगों द्वारा सिद्ध सिद्धांत ही नियम बनते हैं। महावीर ने जो कहा, जीकर दिखाया। उनके बाद, उनको हजारों सालों से जिसने जितना जाना, परखा, जिया उसे उतना ही सुख, आनंद मिलता रहा।

करूणामयी शिक्षा की आवश्यकता – आज थोपे गये, इकतरफा ज्ञान का भयंकर आक्रमण चल रहा है। बच्चों से बचपन छीनकर दिलो दिमाग में संवेदनहीनता का पाठ पढ़ाया जा रहा है। जिंदगी की दौड़ में लोग प्रदर्शन और तुलना में अपना और अपने बच्चों का भविष्य दांव पर लगा रहे हैं। कुछ देर ठहर कर अपने जीवन को देखने परखने का अगर समय मिल सके; इसे जिन परम्परा में प्रतिक्रमण नाम दिया गया है तो पता चले कि हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं? अगर बच्चों को ज्ञानार्जन में आनंद नहीं आ पा रहा है, शिक्षक को सीखने में संतोष नहीं मिल पा रहा है तो दिमाग पर बोझ बढ़ाने से कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

ज्ञानार्जन आनंद यात्रा है, आत्मा का विकास है, सुख की तलाश है। अपने और अपने बच्चों के सुखद भविष्य के लिये, हरी भरी धरती को बनाने और बचाने के लिये हमें एक बार फिर अपनी जड़ों की ओर लौटना ही होगा। मशीनी विकास कलयुग के चरम आभासी विश्व की ओर जा रहा है जहाँ बनावटी बुद्धिमत्ता हम सबको निगल सकती है। आइये एक बार फिर हम अपने आनंददायी, करूणामयी शिक्षा शास्त्र से अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह का परम सत्य प्राप्त करें। बढ़ती क्रूरता संवेदनहीनता, भौतिकता विश्वव्यापी समस्यायें हैं और इनका सच्चा समाधान अपनी भारतीय संस्कृति ही दे सकती है। आइये एक कदम आगे बढ़ायें, जीवन को सुरभित चंदन बनायें।

पावनता के पथ पर रखिये
अपना पहला पग।
पहला पग ना रूके कभी
तो झुक जायेगा जग।।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

-: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :-

रमेश कुमार-गुणमाला,
अभिषेक-रिषिका, आशीष-स्वाति, अर्हम, सर्वज्ञ,
अनिश्का काला, हैदराबाद

Jawarilal Ramesh Kumar Kala, Hydrabad

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

-: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :-

हंसमुख जैन गांधी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
राष्ट्रीय मंत्री- भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी
202, समवशरण अपार्टमेन्ट
16/1, साउथ तुकोगंज
इंदौर (म.प्र.) 452001
मो. 9302103513

मौन से मस्तिष्क को आराम मिलता है और इसका अर्थ है शरीर को आराम मिलना

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी

शत् शत् नमन्
शत् शत् वंदन
महाराज जी धर्मनाथ भवन, जिला बेलगांव (कर्नाटक) में विराजमान हैं।

प्रेरणा

चन्द्र प्रकाश बैद
मदनगंज-किशनगढ़

भारत गौरव, साधना महोदधि, तपाचर्य, तप शिरोमणी, युवा तपस्वी सिंह निष्क्रीड़ित व्रत की मौन पूर्वक साधना करने वाले दिगंबरत्व संत समाज के एक मात्र संत, अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी गुरूदेव के चरणों में शत शत नमन, वंदन, अर्चन

-: नमनकर्ता :-

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

चन्दू काला
जे. के. मसाला

मुकेश जैन
पूर्व संघपति (चेन्नई)

दिलीप जैन हुमड
संघपति, बड़ौदा गुजरात

विज्ञापन प्रेषक : R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

सत्य, अहिंसा, अचैर्य, अपरिग्रह,
ब्रह्मचर्य को अपनाना है,
अशांति को भगाकर
शांति को पाना है,
तीर्थकर महावीर पांच
महाव्रत धारी है,
उनके सिद्धांत विश्व कल्याणकारी है,
त्याग, तपस्या, योग साधना
आत्म कल्याणकारी है,
ऐसे तीर्थकर महावीर को
शत शत नमन हमारी है।

भगवान महावीर

महेन्द्र कुमार जैन, जयपुर (राज.)

जैन ग्रन्थों के अनुसार समय-समय पर धर्म की प्रभावना के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है, जो सभी जीव के कल्याण व आत्मिक सुख प्राप्ति का उपाय बताते हैं।

भगवान महावीर के जन्म से पहले देश का वातावरण पीड़ित, संत्रस्त था, दीन, दुर्बल दुखी थे, ऊंच नीच की भावनाएं जोर पर थी, शुद्रों से पशु जैसा व्यवहार होता था, स्त्रियां अधिकतर सताई जाती थीं, उन्हें उचित मानवीय अधिकार प्राप्त नहीं थे, यज्ञों में पशुओं की बलि दी जाती थी, हिंसा का जोर था, पीड़ित मानवता त्राहि-त्राहि कर रही थी।

उक्त समय में वर्तमान अवसर्पिणी काल की चैबीसी के अंतिम 24 वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान महावीर का जन्म वैशाली गणराज्य के राजा सिद्धार्थ की रानी प्रियकारिणी (त्रिशला) के यहां कुण्डग्राम में चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन (ईसा से 540 वर्ष पूर्व) उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में हुआ। कुण्ड ग्राम ही आजकल का कुंडलपुर है। उनके शरीर की ऊंचाई 7 फीट थी व चिन्ह सिंह है। राजकुमार बालक महावीर के, माता के गर्भ में आते ही चारों तरफ खुशी छा गई, सिद्धार्थ राजा तथा अन्य परिवारजनों की श्रीवृद्धि हुई, उनका यश फैला। माता त्रिशला की प्रतिभा चमक उठी। प्रजाजन उत्तरोतर सुख शांति का अनुभव करने लगे। चारों तरफ सुख शांति आ जाने से इनका नाम ''वर्धमान'' पड़ा। विशालकाय सर्प के सामने अभय रहकर, उसे शक्तिहीन करने से ''महावीर'' कहलाए।

संजय और विजय नाम के दो चारण ऋद्धिधारी मुनियों का संदेह महावीर के दर्शन मात्र से दूर हो गया इसलिए आप ''सन्मति'' कहलाए।

इंद्र को महावीर जन्म अभिषेक के समय हुई शंका दूर हो जाने से यह ''वीर'' कहलाए।

मदमस्त हाथी के महावीर को नमस्कार करने से ''अतिवीर'' कहलाए।

इस प्रकार बालक महावीर के गुणों व बल की चर्चा सर्वत्र होने लगी। बालक महावीर को समय के साथ संसार के जीवन को सन्मार्ग में लगाने की विशेष लगन लगी, दीन दुखियों की पुकार उनके हृदय में घर कर गई, उन्हें वैराग्य उत्पन्न हो गया। संपूर्ण राज्य वैभव को ठुकराकर, इन्द्रिय सुख से मुख मोड़कर, 30 वर्ष की आयु में ज्ञात खंड नामक वन में जाकर जिन दीक्षा धारण की। दीक्षा समय संपूर्ण परिग्रह त्याग कर अपरिग्रह व्रत धारण किया, शरीर से वस्त्र आभूषण उतार दिए, केशों को क्लेश समान समझते हुए इनका भी लौंच किया। बालक महावीर देह से निर्वस्त्र होकर नग्न रहते थे। सिंह की तरह निर्भय होकर जंगल पहाड़ों में विचरण करते थे। दिन रात तपश्चरण किया करते थे, आखिर 12 वर्ष के घोर तपश्चरण की योग साधना के बाद 42 वर्ष की अवस्था में वैशाख सुदी दसमी को जम्भका ग्राम के निकट ऋजुकूला नदी के किनारे, शाल वृक्ष के नीचे, क्षपक श्रेणी, शुक्ल ध्यान अवस्था में केवलज्ञान प्राप्त हुआ। इसका वर्णन ''धवल'' व ''जय धवल'' नाम के दोनों सिद्धांत ग्रन्थ में उद्यृत है।

केवलज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर समोशरण की भूमि में प्रवेश करते ही उनके सामीप्य से जीवों का वैर भाव दूर हो जाता था। सर्प को नकुल/मयूर के पास, चूहे को बिल्ली के साथ बैठने में, सिंह को गाय के साथ पानी पीने में भय नहीं लगता था। यह सब महावीर के योग बल महामत्य का प्रभाव था। उनकी वाणी से स्त्रियों का उद्धार हुआ, यज्ञों में पशु बलि बन्द हुई। ऊंच, नीच की भावना में कमी आई, हिंसक प्रवृतियों को ठेस पहुंची।

भगवान महावीर ने 30 वर्ष तक लगातार अनेक देश, देशांतरों में विहार करके सन्मार्ग का उपदेश दिया, विद्यमान भ्रम को दूर किया, जिसे ''परस्परोपग्रहो जीवनाम'' वासुधैव कुटुंबकम ''जीवो और जीने दो'' की भावना पनपी और तात्कालिक बुराइयों का क्षय हुआ, मानवता का कल्याण हुआ। भगवान महावीर की 66 दिन तक दिव्य

ध्वनि नहीं हुई। इंद्रभूति गौतम के आने व शिष्यता स्वीकार किए जाने पर प्रारंभ हुई। उनके संघ में 11 गणधर, 14000 मुनि, 36000 आर्यिकाएं व लाखों की संख्या में श्रावक, श्राविकाएं थी। बिम्बिसार, कुणिक व चेतक जैसे राजा उनके अनुयायी बने।

अन्ततः पावापुरी के जल मंदिर में समस्त कर्मों का नाश कर उन्हें बहत्तर वर्ष की आयु में कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन, मोक्ष की प्राप्ति हुई और वे तीर्थंकर कहलाए। इस बार उनका 2550 वां निर्वाण दिवस मनायेंगे।

ऐसे पांच पाप (हिंसा, झूठ, चोरी करना, कुशील, परिग्रह) इत्यादि जो आत्मा को नुकसान पहुंचाते हैं, आत्मा की प्रगति में बाधा पहुंचाते हैं, उनके शमन हेतु उन्होंने जो आचरण किया उसके पांच सिद्धांत सामने आए जो वर्तमान समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जो उस काल में थे। यह सिद्धांत महाव्रत कहलाते हैं। सत्य, अहिंसा, चोरी न करना, अपरिग्रह व ब्रत्मचर्य ये पांच महाव्रत हैं। इसके अलावा भगवान महावीर का स्याद्ववाद, अनेकांतवाद का विचार उपयोग में लाने से विश्व समस्याओं का शांतिपूर्ण निदान निकल सकता है।

भगवान महावीर का जन्म दिवस ''महावीर जयंती'' व निर्वाण दिवस ''दीपावली'' के रूप में मनाया जाता है।

अंत में उक्त पांच महाव्रतों का, स्याद्वाद, अनेकांतवाद, संयम साधना से पालन करने से आज का मानव अपनी समस्याओं का निराकरण करता, शांति से जीवन जी कर, आत्म कल्याण की ओर अग्रसर हो सकता है। भौतिक युग में आओ हम विचार करें, तीर्थंकर महावीर दर्शन से सभी स्व कल्याण करें।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक बधाई एवं मंगलमयी शुभकामनाएं

इंजी. कैलाश चन्द्र जैन

महासचिव-बुन्देलखण्ड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद, लखनऊ,
सह महासचिव एवं प्रांतीय प्रकल्प संयोजक-
भारत विकास परिषद, अवध प्रान्त, उत्तर मध्य क्षेत्र-2,
कार्यकारिणी सदस्य-श्री दिगम्बर जैन मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ,
सदस्य- भारतीय जैन मिलन (साकेत) लखनऊ मो. 9415470146

निवासः 9/336, सेक्टर-9, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016

भ. महावीर का दिव्य संदेश 'जीओ और जीने दो'

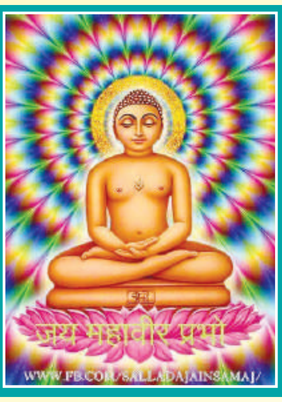

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को 2623वीं

जन्म जयंती पर शत् शत् नमन्

-: नमनकर्ता :-

नीव (पौत्र), अनीता (पुत्री), श्लोक (पौत्र), प्रकाशचन्द बड़जात्या (महामंत्री - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा) - संतोष देवी (पत्नी), रेया (पौत्री), सुनीता (पुत्रवधु,), शैलेन्द्र (पुत्र), नीरज (पुत्र), निकिता (पुत्रवधु)

एवं समस्त बड़जात्या परिवार, चेन्नई

वैज्ञानिक महावीर

महावीर दीपचंद ठोले, महाराष्ट्र

इतिहास गवाह है जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार, अनाचार, दुराचार, हिंसा का बोलबाला हुआ तब तब दिव्य आत्माओं ने इस धरातल पर अवतार लेकर समाज में आमूल चूल बदलाव लाया। इसी श्रेणी में एक पवित्र आत्मा का जन्म हुआ। जो बचपन से ही शौर्य और पराक्रम का धनी था इसलिए उनका नाम वीर, अतिवीर और महावीर पड़ा। वह साधारण प्रतिभा का धनी था इसलिए उन्हें सन्मति कहा गया। उनके गुण निरंतर वृद्धिंगत होते थे इसलिए वर्धमान कहा गया। भ. महावीर मौलिक थे, वे शास्त्रीय नहीं वैज्ञानिक थे। उन्होंने सम्पूर्ण जीवन को प्रयोगशाला बनाकर आत्मिक और बौद्धिक चिंतन द्वारा निरपेक्ष सत्य का अनुभव कर संसार के जड़ और चेतन स्वरूप का अध्ययन किया और अंतरिक्ष विज्ञान, पदार्थ विज्ञान, परमाणु विज्ञान, कर्म विज्ञान आदि के मूल सिद्धांतों की घोषणा की और जनमानस के कल्याणार्थ वितरित किया। जिसे हम पंचशील सिद्धांत कहते हैं। जो अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह अचौर्य और ब्रह्मचर्य है। यही हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं क्योंकि वे व्यवहारिक जीवन की कसौटी पर कसे हुए शाश्वत सत्य है। उनमें वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिकता का अपूर्व सम्मिश्रण है। जिस पर चलकर कोई भी आत्म शुद्धि तथा आत्मोन्नति के शिखर पर आरुढ़ हो सकता है। हम यह कह सकते है कि दुनिया के सबसे बड़े वैज्ञानिक महावीर थे क्योंकि गत दो सौ वर्ष से जिस गति से विज्ञान प्रगति कर रहा है उन सब में भ. महावीर द्वारा छब्बीसौ वर्ष पूर्व कहे गए तत्वों का हम अनुभव कर रहे हैं। आज जो हमें विज्ञान दिखा रहा है वह हजारों वर्ष पूर्व से ही हमारे शास्त्रों में वर्णित है। उन्हीं का रिसर्च वैज्ञानिक कर कर उनकी पुष्टि कर रहे हैं। द्रव्य दृष्टि से असत का जन्म नहीं होता सत का विनाश नहीं होता। यह सिद्धान्त त्रैकालिक है। आज हम आगम के सुत्रों को वैज्ञानिकों के नाम से पहचानते है। जैसे न्यूटन का गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत उसके जन्म के पूर्व से ही था। उसने सिद्धांत बनाया नहीं, मात्र बताया। सिद्धांत त्रैकालिक होते हैं, तात्कालिक नहीं। वैज्ञानिक अन्वेषक हो सकते है, लेकिन कर्ता नहीं। जगत में कुछ भी नया नहीं है। केवल वस्तु का परिणमन है। विज्ञान में सर्च नहीं रिसर्च होता है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने सन- 1905 में महावीर के ही सिद्धांतों पर रिसर्च कर सापेक्षता के सिद्धांत की पुष्टि की। भ. महावीर का अनेकांतवाद सापेक्षतावाद और बहुलवाद को प्रोत्साहित करता है। भ. महावीर का अनेकान्तवाद सर्वोदयी तीर्थ है। अनेकांत जैन दर्शन का प्राण है, हृदय है। अपनी ही बात का आग्रह नहीं रखना, अनाग्रही भावना रखना यही अनेकांत वैचारिक सहिष्णुता है। इसके बिना सहअस्तित्व की भावना टिक नहीं सकती। ऐसे महान सिद्धांत को पहले ही हमने समझ लिया होता तो आज धर्म के इतने बंटवारे नहीं होते। जब तक सापेक्षता साथ में लेकर नहीं चलेंगे जीवन में सत्य को प्राप्त नहीं कर सकते। भ. महावीर धर्म जगत के आइंस्टीन हैं और आइंस्टीन विज्ञान जगत के महावीर हैं।

जाति, व्यक्ति, सम्प्रदाय आदि संकीर्ण विचारों से परे भ. महावीर ने ''साइंस ऑफ क्रिएशन एंड स्पिरिचुअल इवोल्यूशन'' का विकास जनकल्याण हेतु करकर मानव समाज को संदेश दिए और यथार्थता तथा प्राकृतिक नियमों पर आधारित एक ऐसे धर्म की स्थापना हो गई जिनमें जन्म-मृत्यु, सुख-दुख आदि मानवीय समस्याओं का समाधान ईश्वर द्वारा न होकर स्वयं मनुष्य द्वारा किया जाता है। इस सृष्टि का कोई कर्ता नहीं, कोई रक्षक नहीं। सोलहवी शताब्दी में यूरोप में भ. महावीर के इस नियम को ''लॉ ऑफ कंजर्वेशन ऑफ मास एंड एनर्जी'' के नाम से प्रस्तुत कर आधुनिक विज्ञान की नींव रखी थी।

किसी भी सिद्धांतों को समझने के लिए हमें उसकी तह तक पहुंचने के लिए विज्ञान का तरीका अपनाना होगा। रामण इफेक्ट के अनुसार परमाणु लहर भी है, तरंग भी है और कण भी है। अर्थात अभिन्नता, समन्वय विज्ञान का मूल सिद्धांत है। यानी परस्पर विरोधी होते हुए भी हम एक दूसरे के पूरक है। यही बात भ. महावीर ने कही कि हम शरीर की दृष्टि से भिन्न है, लेकिन आत्मा की दृष्टि से अभिन्न। यहीं से उदय होती है जियो और जीने दो की भावना। भ. महावीर ने कहा जब तक मनुष्य के मन में सअस्तित्व की प्रबल भावना जन्म नहीं लेती तब तक वह अहिंसक हो ही नहीं सकता। आज विश्व को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। जब तक अहिंसा मूलक भावना है सह अस्तित्व की चेतना है तभी तक विश्व का संतुलन है। आज सारा विश्व बारूद की ढेर पर मौत का सामान एकत्रित कर कर खड़ा है। किसी एक के दिमाग में फितूर आ जाए तो कुछ ही क्षण में विश्व का नाश हो जाएगा। जिसका ताजा उदाहरण है यूक्रेन - रूस, हमास और फ्रांस का युद्ध। इसलिए भ. महावीर ने हजारों वर्ष पूर्व जो निशस्त्रीकरण की बात कही थी उसके लिए सारे विश्व को सजग होने की आवश्यकता है। परंतु विडंबना है आज सारा विश्व शांति की तो बात करता है पर तैयारी कर रहा है युद्ध की।

जब मार्क्स और लेनीन ने अर्थ साम्यवाद की स्थापना पर जोर देते हुए कम्युनिस्ट विचारधारा को जन्म दिया तब लोगों की नजर भ. महावीर के अपरिग्रह पर गई और वह अर्थ साम्यवाद के लिए कितना अहम और उपयोगी है यह जाना। क्योंकि संग्रह अशांति का अग्रदूत है। वह अनेक समस्याओं को जन्म देता है। अपरिग्रह ही उसकी संजीवनी है। जो सामाजिक समता स्थापित कर सकता है। विश्व में व्याप्त भ्रष्टाचार व कालेधन पर अंकुश लगाया जा सकता है।

आज के परिपेक्ष में देखें तो स्त्रियों के समान अधिकार एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता रखने हेतु महावीरजी के विचार सार्थक प्रतीत होते हैं। उनके ब्रह्मचर्य सूत्र आज के भोगवादी पाश्चात्य प्रभावी युग में बहुत प्रभावी हैं। इससे बढ़ती जनसंख्या, निर्धनता, बेरोजगारी भिक्षावृत्ती, आवास, निवास, बाल अपराध आदि अनेक समस्याओं का निराकरण होगा तथा महामारी को विश्व में विकराल रूप धारण करने से भी रोक पायेगा।

आहार नियंत्रण वैज्ञानिक दृष्टि से एक महान औषधि है। चिकित्सा प्रणाली में भी उपवास के अनेक लाभ बताए गए हैं यथा संभव रात्री भोजन त्याग को वैज्ञानिकों ने सही माना है। भ. महावीर ने तन-मन शुद्धि तथा आत्मबल बढ़ाने हेतु साधना एवं तपश्चर्या पर भी बल दिया। भाषा विवेक से कई विवाद अपने आप टल जाते हैं। इसके कारण मन प्रसन्न रहता है। स्मरण शक्ति व संकल्प शक्ति का विकास होकर, स्वास्थ्य में सुधार होता है। उसी प्रकार मांसाहार शरीर एवं मन के लिए प्राण घातक है और हिंसक प्रवृत्ति को जन्म देता है। यह वैज्ञानिक सत्य है।

भ. महावीर वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखते हुए कहते हैं कि जो मार्ग पर चलेगा उसे ही मार्ग फल मिलेगा। विज्ञान के सारे सिद्धांत भी यही कहते हैं। मंजिल उन्हीं के कदम चूमती है और उन्हें ही मकसुद होती है जो भगवान के दिखाए राहों पर चलते हैं। यही विज्ञान का ''क्वाज एंड इफेक्ट'' (कार्य का कारण) नियम है। इसे ही ''कर्म सिद्धांत'' कहा जाता है। भ. महावीर ने मनुष्य की पहचान ''जन्म से नहीं कर्म'' से होती है ऐसा संदेश दिया था। जिस व्यक्ति ने इसे नहीं माना उसका जीवन पूर्ण अवैज्ञानिक सिद्ध हुआ।

एक ओर जीव हत्या तो दूसरी ओर वृक्ष के हत्यारे जो वृक्षों को काटकर कांक्रीट के जंगल बनाते जा रहे हैं। जिससे एक दिन ऐसा होगा जब मानव को रेगिस्तान की चिलचिलाती धूप में प्यासा मरना होगा। पर्यावरण, प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में भ. महावीर की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। इसलिए तो वर्धमान स्वामी को पर्यावरण पुरुष और अहिंसा विज्ञान को पर्यावरण विज्ञान कहा जाता है।

उपरोक्त विवेचन से यह सिद्ध होता है कि भ. महावीर ने भौतिक और जीव विज्ञान के सिद्धांतों की खोज की और उन्हें मोक्ष मार्ग के रूप में जनसमुदाय के सम्मुख प्रस्तुत किया। भ. महावीर के सिद्धांत और आधुनिक विज्ञान में जो भेद दिखाई देता है इसका मुख्य कारण रेफरेंस सिस्टम का है। वर्धमान ने आत्मा को केंद्र बिंदु मानकर सत का प्रतिपादन किया और वैज्ञानिकों ने परमाणु को केंद्र बिंदु मानकर सिद्धांतों का कथन किया। अतः सर्वग्य द्वारा सत निरपेक्ष और वैज्ञानिक सिद्धांत सापेक्ष है।

जीवन के अस्तित्व के रक्षा के लिए पृथ्वी पर दो बातें मूलतः आवश्यक हैं। विज्ञान और अहिंसा। विज्ञान बाह्य संसार है जो मूलतः पश्चिम से विकसित हुआ। अहिंसा भीतरी संसार का मूल तत्व है जो पूरब में विकसित हुआ। पूरब और पश्चिम का मिलन ही पूर्णता प्रदान कर सकता है और मानव का कल्याण हो सकता है क्योंकि विज्ञान सुविधा देता है और महावीर का संदेश शांति। आज के भौतिकवादी वैज्ञानिक युग में वर्धमान स्वामी के सिद्धांत प्रासंगिक हैं क्योंकि विज्ञान अति और खतरनाक है। धर्म उसे संतुलन देगा और मनुष्य खतरे से बचेगा। भ. महावीर के समग्र सिद्धांत मानव जाति के लिए केवल अतीत में ही उपयोगी रहे वरन उनकी प्रासंगिकता आज भी बरकरार है। वह कभी भी आउट ऑफ डेट नहीं हुए वे अपटूडेट ही है। धरती पर जब तक कोई भी मनुष्य बुद्धि और हृदय द्वारा जीवन की राहो को पार करता रहेगा तब तक वर्धमान के उपदेशों और सिद्धांतों की उपयोगिता निर्विवाद बनी रहेगी। इसका मूल कारण वे मात्र सद्ग्रंथ के उपदेश नहीं वरन जीवन की वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक प्रस्तुति है। वर्धमान स्वामी का दीया तो 2600 वर्ष पूर्व जला था पर आश्चर्य की बात है कि ना तो उसमें किसी ने घी डाला, ना किसी ने उसकी बाती बढाई, ना किसी ने लौ लगाई। महाभयंकर प्रलय आए उसके पश्चात उसके रोशनी में हम आज भी जी रहे हैं। उसकी धवल जोत्सना विश्व कल्याण कर सकती है, उनका प्रकाश, उनकी आभा हमारे जीवन में अद्भुत चमत्कार कर सकती है। अंतर्मन में शान्ति और बोधि की सुवास भर सकती है। यदि व्यक्ति राग, द्वेष, ईर्ष्या, स्वार्थ एवं सांप्रदायिकता से ऊपर उठकर विज्ञान एवं अध्यात्म के समन्वय की ओर ले जाने वाली राह अपनाए।

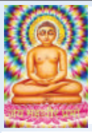
भ. महावीर स्वामी 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें
-: नमनकर्ता :-

अनिल लुहाड़िया
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिग. जैन महासभा
जेड-28, मानसरोवर कॉलोनी,
मुरादाबाद (उ.प्र.) 244001
मो. 9837030030

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनाएं
-: शुभाकांक्षी :-

अशोक जैन चूड़ीवाल
बड़पेटा रोड (आसाम)
मो. 9435124862

महावीर जयंती पर विशेष

भगवान महावीर स्वामी के सर्वोदयवाद का महत्व

डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, सनावद

जब-जब इस संसार में सदाचार का विनाश होता है, मिथ्यादृष्टि लोगों का बोलबाला बढ़ता है, धर्म के प्रति ग्लानि उत्पन्न होने लगती है, तब-तब उत्तम ''जिन'' अर्थात तीर्थंकरों का जन्म होता है। जिनकी दिव्य ध्वनि को सुनकर व्यक्ति का जीवन परिवर्तित होता है। उससे शोक और अशांति समाप्त होती है। वर्तमान शासन नायक जैन धर्म के चैबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ऐसे ही एक तीर्थंकर हुए, जिन्होंने दुःषह पंचमकाल में अपनी दिव्य ध्वनि के माध्यम से जगत के सभी प्राणियों का महान उपकार किया था। संसार के परिभ्रमण का नाश करने वाले तीर्थंकर की प्रवृत्ति की थी तथा भव्य जनों को आनंदित करते हुए पूर्व तीर्थंकरों की विचारधारा पर ही चलने का सच्चा मार्ग बता रहे थे।

आज से 2622 वर्ष पूर्व भगवान महावीर स्वामी ने वैशाली गणराज्य के क्षत्रिय कुंडग्राम के राजमहल में चैत्र कृष्ण त्रयोदशी के दिन राजा सिद्धार्थ और रानी प्रियकारिणी त्रिशला देवी के घर जन्म लेकर तीनों लोकों के प्राणियों को खुशियाँ प्रदान की थी। देवताओं ने देवदुन्दुभिः तथा जय घोषों के साथ तथा मनुष्यों ने सुख शांति का अनुभव करते हुए आपके जन्मोत्सव पर खुशी जाहिर की। राजपाट के वैभव को देखकर भी धर्म के नाम पर होने वाली हिंसा तथा मिथ्या मान्यताओं को देखकर आपका मन सांसारिक जीवन से उदासीन हो गया। अतः 30 वर्ष की अवस्था में त्रिशलानंदन महावीर स्वामी, कर्मों के बंधनों को काटने के लिए तपस्या करने पर विचार कर आत्मचिंतन में लीन हो गये। ई. पू. 569 में आपने स्व दीक्षा लेकर शालवृक्ष के नीचे तपस्या आरंभ की। आपकी तप साधना बड़ी कठिन थी। साहित्यकार तथा महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने कहा है - महावीर और बुद्ध से ज्यादा यदि कोई त्याग और तपस्या का घमंड करता है तो मैं उसे दम्भी कहूँगा। किसी कवि ने भी कहा है -

त्याग की बात तो हर कोई करता है,
सत्य का नारा तो हर कोई बोलता है।
उतारे कथनी को करनी बनाकर जीवन में,
ऐसा महावीर तो एकाध हुआ करता है।।

भगवान महावीर स्वामी ने 12 वर्ष तक घोर तपस्या की थी। वैशाख शुक्ल दशमी ई. पू. 557 में जम्भक नामक ग्राम में अपरान्ह समय में शालवृक्ष के नीचे जब आप मौन साधना कर रहे थे तब समस्त घातिया कर्मों का नाश होने के कारण आपको केवलज्ञान की प्राप्ति हुई और आप उसी दिन से सर्वज्ञ और समदर्शी बन गये। कर्मों का विजेता होने के कारण आप 'जिन' कहलाये। आपका प्रथम धर्मोपदेश केवलज्ञान के प्राप्त होने के 66 दिन बाद ई. पू. 557 में श्रावण कृष्ण एकम (प्रतिपदा) के दिन हुआ था। गौतम स्वामी उनके प्रथम गणधर बने। भगवान महावीर स्वामी की सभा ''समवशरण'' कहलाती थी जिसमें देवगण, मनुष्य और पशुपक्षी समान रूप से धर्म श्रवण करते थे। अहिंसा, सत्य अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य के उपदेश सभी के मन को लुभाने लगे। अतः अनेक लोगों ने धर्म के इन पाँच सिद्धांतों को अपनाया और आत्माहित किया।

आचार्य समन्त भद्र स्वामी ने उनके तीर्थ को सर्वोदय तीर्थ कहा है। जिनमें सभी का उदय, अभ्युदय और कल्याण निहित हो, वह सर्वोदय है। भगवान महावीर स्वामी ने बताया कि धर्म वही है जिसमें हम स्वयं जियें और दूसरों को जीने दें। कभी किसी प्राणी को न सतायें और न मारें। बल्कि सभी एक दूसरे की सहायता करें। भूखे को रोटी दो और प्यास की प्यास बुझाओ, यह कहावत भगवान महावीर की शिक्षाओं से ही प्रचलित हुई थी। उनका मानना था कि यह कभी उचित नहीं है कि एक व्यक्ति असीम सुख सुविधाओं का प्रयोग करे और दूसरा एक समय की रोटी भी न जुटा पाये। इन असमान व्यवस्थाओं को समाप्त करने के लिए उन्होंने अपरिग्रह अर्थात अल्प परिग्रह की भावना पर जोर दिया। आपने बताया कि सभी तरह के पापपूर्ण आचरण को छोड़ने पर ही शरीर और मन में निर्मलता आयेगी। शरीर के पोषण के लिए व्यक्ति मद्य, मांस, मधु का सेवन करता है, जबकि मद्य पीने वाला जब विवेक खो देता है तभी मन विकारग्रस्त बनता है, इसलिए भगवान महावीर स्वामी ने तन की अपेक्षा मन के विकारों को दूर करने पर बल दिया। आपका यह विचार मानव मात्र के लिए ही नहीं बल्कि प्राणी मात्र के हित की भावना के लिए समर्पित था। उन्होंने बताया कि मनुष्य और क्षुद्र प्राणी जैसे जीवों में भी आत्मा के अस्तित्व की अपेक्षा कोई अंतर नहीं है। अतः किसी भी प्राणी को न मारो, न सताओ और न जीव हिंसा के भावों को मन में लाओ। सभी के प्रति समत्वभाव धारण कर ऊँच-नीच का भाव त्याग कर सभी के स्वत्वाधिकार को स्वीकार करो। युक्त्यानुशासन में कहा गया है -

दया, दम त्याग समाधिनिष्ठं नए
प्रमाण प्रकृता ज्जसार्थम।
अधृष्ट मन्यै रखिलैः प्रवादै
जिनं त्वदीयं मतमद्वितीयम।।

आचार्य समंतभद्र स्वामी यहाँ लिखते है कि भगवान महावीर का शासन प्रमाण और नयों के द्वारा वस्तु तत्व को बिल्कुल स्पष्ट करने वाला और सभी प्रवादियों के द्वारा अबद्ध होने के साथ-साथ दया (अहिंसा) त्याग (परिग्रह त्याग) समाधि (प्रशस्त ध्यान) तथा दम (संयम) इन चारों की तत्परता को लिए हुए है और यही सब उनकी विशेषता है इसलिए अद्वितीय है। कहा गया है -

सर्वान्तवत तदगुण मुख्यकल्पं,
सर्वान्तशून्यं च मिथोनपेक्षम।
सर्वापदामन्तकरं निरन्तम,
सर्वोदयं तीर्थमिदं तवैव।।

अर्थात हे भगवान महावीर ! आपका सर्वोदय तीर्थ सापेक्ष होने से सभी धर्म को लिए हुए है। इनमें मुख्य और गौण की विवक्षा से कथन है अतः कोई विरोध नहीं आता, किंतु अन्य मिथ्यावादियों के कथन निरपेक्ष होने से संपूर्णतः वस्तु स्वरूप का प्रतिपादन करने में असमर्थ है। आपका शासन सभी आपदाओं का अंत करने और समस्त संसार के प्राणियों को संसार सागर से पार उतारने में समर्थ है अतः सर्वोदय तीर्थ है। अतः हम सभी को सर्वोदय की भावना के साथ भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों का अनुकरण करना चाहिए। इसी में सब का भला और विश्व शांति निहित है।

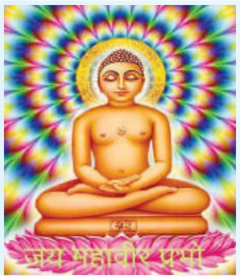

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह
महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।
भ. महावीर का दिव्य संदेश
"जीओ और जीने दो"

HYUNDAI

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर
बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

प्रवीन कुमार जैन
सम्मानित ट्रस्टी- श्री भारतवर्षीय
दिगम्बर जैन महासभा चैरिटेबुल ट्रस्ट
Director
Shree sanmati auto experts P.ltd
Hyundai
3rd km. Mile stone, Meerut
Road, Muzaffarnagar (U.P.)
251001

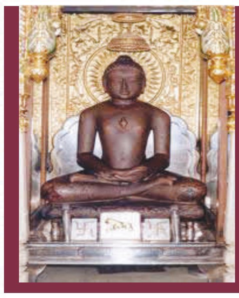

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन
के आराध्य, वर्तमान शासन नायक
भगवान महावीर स्वामी की
चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को
2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

-: नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :-

किशोर कुमार जैन पहाड़े
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर
जैन महासभा
दूसरी मंजिल, 15-2-752,
पहाड़े निवास, उस्मानगंज
हैदराबाद (आंध्र प्रदेश) 500012
मो. 9848054242

LET'S WALK
ON THE PATH OF
NON-VIOLENCE AND
RIGHTEOUSNESS

In humble devotion,
we seek your guidance and blessings
on our journey of life.
Your teachings illuminate our hearts,
guiding us towards inner
peace and harmony.

HAPPY
MAHAVIR
JAYANTI

WE BOW IN RESPECT AND DEVOTION

Mr. Rajesh Shah
Chairman

Mr. Bhadresh Shah
Managing Director

Mr. Bhavesh Shah
Joint Managing Director

TODAY GLOBAL DEVELOPERS
TODAY'S PROMISE, TOMORROW'S REALITY
CELEBRATING 20 YEARS OF HAPPINESS
NAVI MUMBAI

ARISTO™
Building Dreams, Creating Smiles
AHMEDABAD

VIRTUE PLAST PVT. LTD.
AHMEDABAD

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य,
वर्तमान शासन नायक

भगवान महावीर स्वामी की

चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को

2623वीं जन्म जयंती पर

बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता एवं शुभाकांक्षी

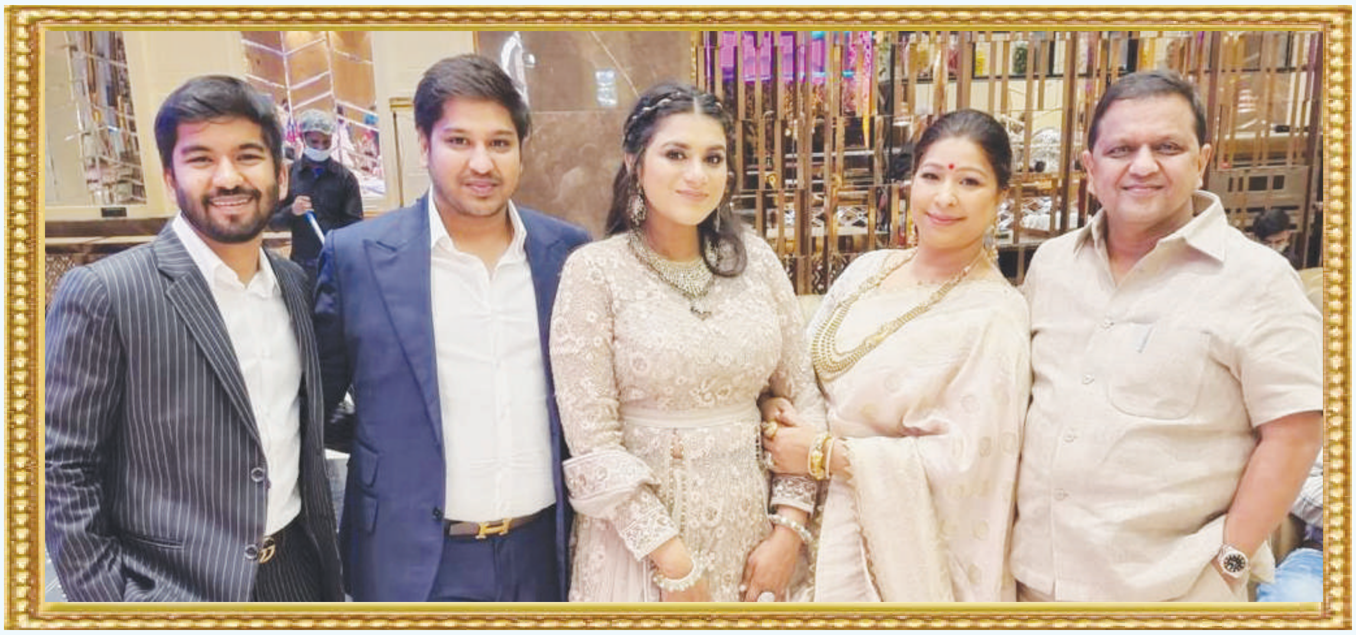

नवीन जैन

प्रबंध निदेशक-अमित बिल्डर्स

निवासः 71 ऋषभ विहार, दिल्ली - 110092

अध्यक्ष

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा (दिल्ली प्रांत)

भगवान महावीर का दिव्य सन्देश

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है।
वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।

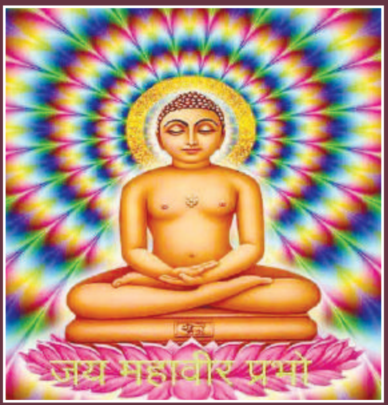

जीओ और जीने दो

भ. महावीर स्वामी के 2623 वें जन्म कल्याणक पर मंगलमयी बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें

प्रिय श्रद्धेय
जय जिनेंद्र

हमें आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे जैन समुदाय के लिए एक नया अद्वितीय और मांगलिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव होने जा रहा है इस राणा प्रताप बाग दिल्ली में स्थित श्री संकट हरण भगवान पारसनाथ जिन मंदिर का

भव्याति भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव

प. पू उपाध्याय श्री 108 गुप्तिसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में

19 से 25 अप्रैल 2024 के मध्य आयोजित हो रहा है

यह आयोजन मल्टीपर्पज हॉल, दिल्ली यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नॉर्थ कैम्पस, दिल्ली विश्वविद्यालय में होने जा रहा है

आदिनाथ टी.वी.
नमनकर्ता : पवन जैन गोधा एवं परिवारजन
ATS

Gangwal Group of Companies

पृथ्वी के सूक्ष्मतम जीवों के प्रति अहिंसा के दिव्य प्रतिपादक, मानवता के आराध्य,
प्राणी मात्र के शान्तिदूत, चैत्र शुक्ल त्रयोदशी- जन्म कल्याणक दिनांक 21 अप्रैल, 2024

भगवान वर्द्धमान महावीर

!! कोटिशः वन्दन !!

महावीर पन्थ के अनुयायी
'गजराज जैन गंगवाल एवं परिवार'

www.cpil.com

CHANDRA PRABHU INTERNATIONAL LIMITED

CPIL- leading Trading house dealing into imported and domestic coal
Expanding business in the fields of Vertical Farming, Conversion of Agro and municipal waste into Bio- energy and Town Planning in new Smart City Projects.

Registered Office
14, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055

Corporate Office
522, 5th Floor, Galleria Tower, Gurugram-122009

South West Pinnacle

SOUTH WEST PINNACLE EXPLORATION LIMITED

An ISO 9001:2015 certified organization and one of the fastest growing private sector exploration Services Company in India. South West Pinnacle Exploration Limited (SWPE), a 360-degree Service provider who provides end to end exploration, drilling and allied services. Services include Exploration of Coal & minerals, Unconventional Oil & Gas (CBM, Shale and Geothermal) exploration & Production, Aquifer Mapping, 2D & 3D Seismic Data Acquisition, Mining & Processing, Passive Seismic Tomography and providing all kinds of Geological & Geophysical services etc. Also, SWPE is having a joint venture in Oman through which it is presently imparting mining services there in Oman on long term basis. Besides, SWPE has recently been allocated a coal block in the state of Jharkhand.

SWPE has successfully completed more than 15 years of journey and has completed over 100 projects by now, serving clients both from public and private sector. SWPE so far has done 20 Lakh meters of drilling, 5 Lakh meters of Geophysical Logging, 464 sq.km. of 3D Seismic surveys, 407 LKM of 2D seismic Survey for exploration of Coal, Mineral, Oil and Gas. Also, SWPE has a well-experienced team of dedicated professionals to look after key areas of business and the capability of successful project deliveries.

Vikas Jain Gangwal
Chairman & Managing Director

Piyush Jain Gangwal
Joint Managing Director

South West Pinnacle Exploration Limited
Reg Off: 522, Fifth Floor DLF Galleria Commercial Complex, DLF City Phase IV Gurgaon 122009
Corp Off: Ground Floor, Plot No.15, Sector-44, Gurgaon 122003
(W): www.southwestpinnacle.com
(T): + 91-124 4235400, 4235401

जैन गज़ट विज्ञापन संपर्क 9415108233 भगवान महावीर जन्म कल्याणक विशेषांक www.Jaingazette.com 7607921391 सोमवार, 15 अप्रैल 2024 jaingazette2@gmail.com 17

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। महावीर जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाऐं

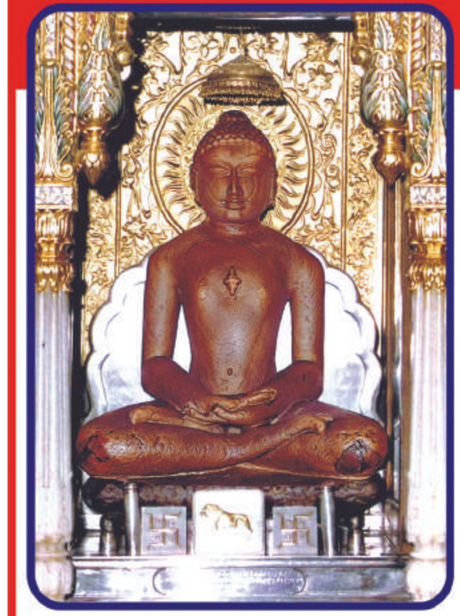

प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शान्तिसागरजी महाराज

प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी महाराज

प.पू. षष्ट्म पट्टाचार्य 108 श्री अभिनंदनसागर जी महाराज

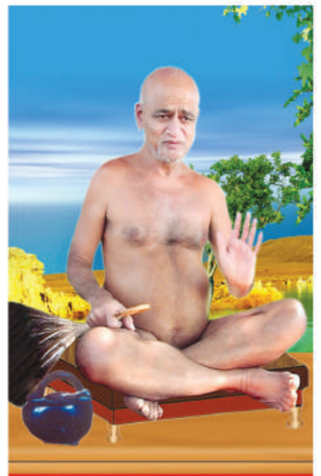
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

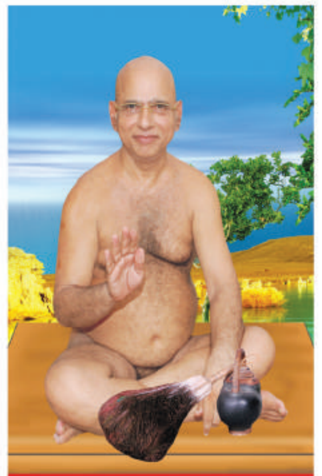
प.पू. आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

प.पू. गणधराचार्य 108 श्री कुन्थुसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्तसागर जी महाराज

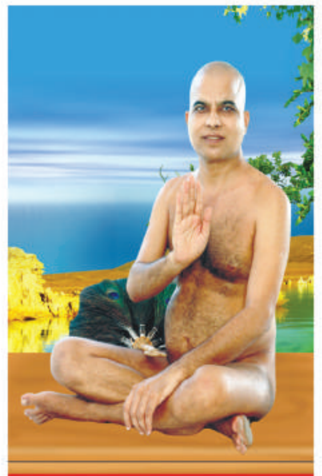
प.पू. आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

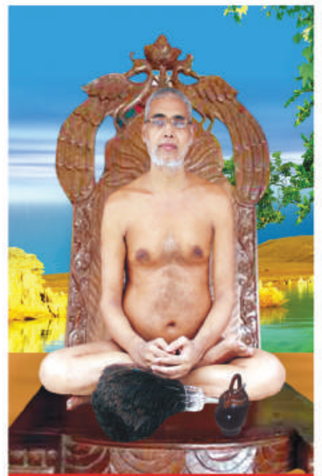
प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री अनेकान्तसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागर जी महाराज

परम पूज्य भारत गौरव
आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

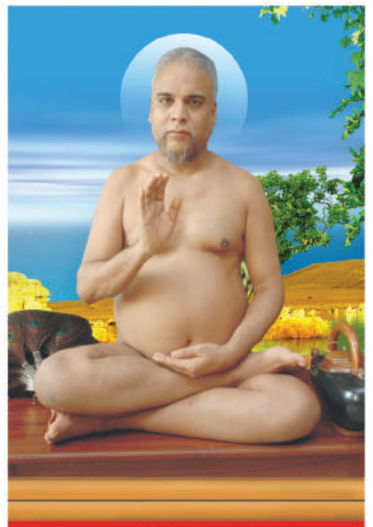
प.पू. आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

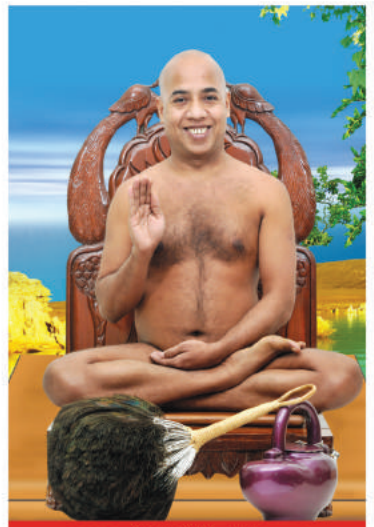
प.पू. आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

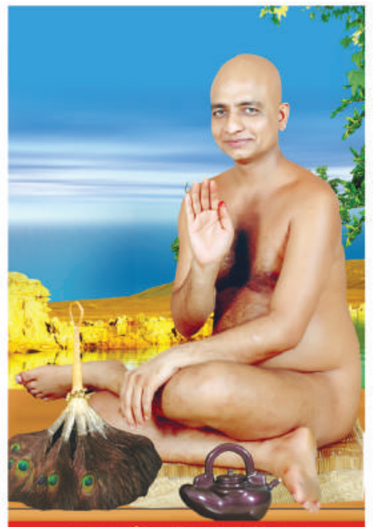
प.पू. आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज

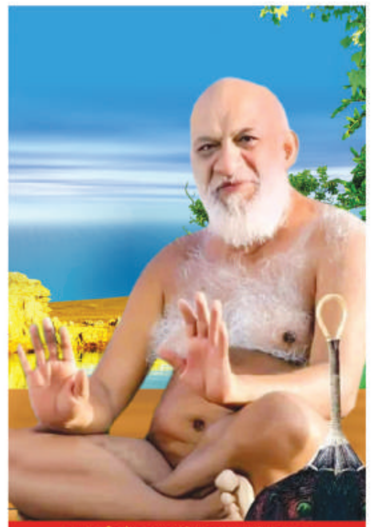
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

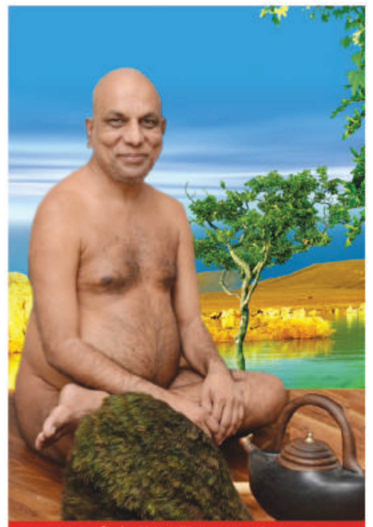
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री प्रमाणसागर जी महाराज

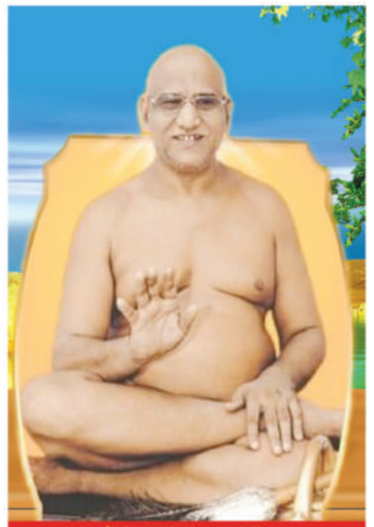
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज

महावीर जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाऐं

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुप्रकाशमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 पूर्णमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विन्ध्यश्री माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुभूषणमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 चन्दनामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 प्रज्ञामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी

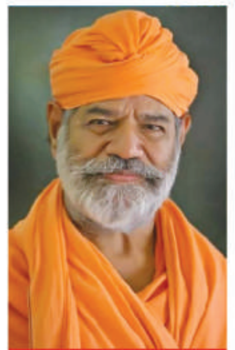
स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी

स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

पं. मधुकान्त जोशी
(व्यवस्थापक)

मेवाड़ केटर्स

म.नं. 21, सखवाल नगर (रंगकारखाना) राम मंदिर, रतलाम (म.प्र.)
मो. 9981888980, 9425355761, 07412-235232

Best Food | Super Vision | Catering Service

मंदिर, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव तथा अन्य मांगलिक उत्सवों पर शुद्ध सात्विक भोजन बनाने की सम्पूर्ण व्यवस्था

श्री भगवान महावीर स्वामी के
जन्मकल्याणक महोत्सव
(महावीर जयन्ती)
की
हार्दिक शुभकामनाऐं

श्रद्धेय स्वामी देवेन्द्र भाई

॥ श्री महावीराय नमः ॥

भगवान महावीर की 2623वीं जन्म जयंती

॥ जन-जन के लिए मंगलकारी हो ॥

- शुभेच्छु -

विवेक काला - संजय काला - नमन काला

KALAJEE
JAIPUR

K-Tower, Near Jai Club, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur | T: +91 141 2366 319

kalajeejewellery www.kalajee.com +91 98290 66264

संकलन: राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

।। श्री महावीराय नमः ।।

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी (राजस्थान)

वार्षिक मेला - 2024

18 अप्रैल से 25 अप्रैल 2024

मेले के मुख्य आकर्षण

चैत्र शुक्ला 10 वीर नि.सं. 2550, गुरुवार 18 अप्रैल, 2024
मेले की स्थापना

चैत्र शुक्ला 13 वीर नि.सं. 2550, रविवार 21 अप्रैल, 2024
महावीर जयन्ती
प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, जल यात्रा, धर्मसभा, दिव्यांग शिविर
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय श्री महावीरजी के सौजन्य से)
राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या
(पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान के सौजन्य से)

चैत्र शुक्ला 14 वीर नि.सं. 2550, सोमवार 22 अप्रैल, 2024
सांस्कृतिक संध्या
(दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप संगिनी फार एवर जयपुर)
राजस्थानी लोक नृत्य व लोक गीत कार्यक्रम-गोरबंद वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा

चैत्र शुक्ला 15 वीर नि.सं. 2550, मंगलवार 23 अप्रैल, 2024
सांस्कृतिक संध्या
महिला जागृति संघ, जयपुर
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

बैशाख कृष्णा 01 वीर नि.सं. 2550 बुधवार 24 अप्रैल, 2024
विशाल रथयात्रा एवं कलशाभिषेक

बैशाख कृष्णा 02 वीर नि.सं. 2550 गुरुवार 25 अप्रैल, 2024
ग्रामीण खेल-कूद, कुश्ती दंगल
मेला समापन

प्रमुख दैनिक कार्यक्रमः सामूहिक पूजन (श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर द्वारा), भजन, सामूहिक आरती, नृत्य आदि

इस मंगलमय पुनीत अवसर पर सपरिवार पधारने हेतु अनुरोध ।

विनीतः प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

संकलनः राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

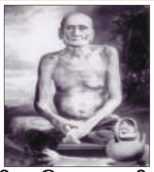

आचार्य श्री शान्तिसागर जी महाराज

आचार्य 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज

सम्पूर्ण भारतवर्ष के मुनिसंघों के श्री चरणों में शत शत नमन, वन्दन, अभिनंदन, नमोस्तु, सत्य-अहिंसा-विश्वशांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य, वर्तमान शासक नायक, भगवान महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म-जयन्ती पर मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रसिद्ध समाजसेवी, दानवीर व मुनिभक्त

श्री अनिल कुमार जी पाण्ड्या

- संरक्षक: प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र, छोटा गिरनार, बापू गांव
- निवर्तमान अध्यक्ष: श्री महावीर दिग. जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर
- परम संरक्षक: आदर्श पंचकल्याणक महोत्सव शांति सागरम तीर्थ भोज (कर्नाटक)
- समाज श्रेष्ठी एवं उद्योगपति तथा मुनिभक्त एवं प्रसिद्ध समाजसेवी
- मुख्य कलश स्थापनकर्ता एवं स्वागताध्यक्ष-भारत गौरव गणिनी आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के रजत दीक्षा महामहोत्सव

श्रीमती उषा जी पाण्ड्या

नितिन-निशा जैन, विपिन-परमा जैन (पुत्र-पुत्रवधु),
अदिति, जीविशा, इनाया (पौत्रियां)
एवं समस्त बनेठा वाला परिवार, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान)

स्व. श्री कपूर चंद जी - स्व. श्रीमती शान्तीदेवी जैन (पाण्ड्या) बनेठा वालों के परिवारजन

USHA TEXTILES (BANETHA WALE) All Kinds of Dyeing & Printing Job works Ashawala Sikarpura Road, Sanganer, Jaipur (Raj.)	USHA DYEING WORKS (BANETHA WALE) All Kinds of Dyeing Job Works	ADITI FASHION (BANETHA WALE) All Kinds of Redymade Garments	Nemi Nath Petrol Pump kareda Kothun Lalsot Road (Raj.)	इनाया फैशन: रिवको ग्रेटर, सीतापुरा, चाकसू, जयपुर

9829068263, 9829058263, 9928367143

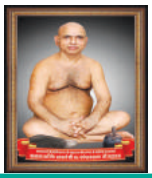

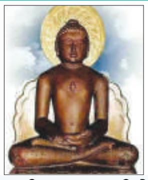

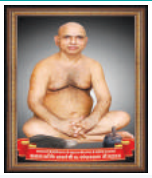

सम्पूर्ण भारतवर्ष के मुनि संघों के श्री चरणों में शत शत नमन, वंदन, अभिनंदन, नमोस्तु।
सत्य, अहिंसा, विश्वशान्ति के अग्रदूत, जन जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक, भगवान महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623 वीं जन्म जयंति पर मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाएं
भगवान महावीर स्वामी का यह जन्म जयन्ती महोत्सव हम और आप सभी का एवं सभी प्राणियों का मंगल करे,
सुख और समृद्धि प्रदान कर समृद्धिशाली बनायें
-: शुभाकांक्षी एवं नमनकर्ता :-

स्व. श्री लालचंद जी स्व. श्रीमती मोहिनी देवी बिन्दायका के परिवारजन, बगरू वाले

(एवरग्रीन होजीयारी कोलकाता) बगरू निवासी एवं कोलकाता प्रवासी

निर्मल-पुष्पा एवं जेसिका बिन्दायका

Evergreen Hosiery Industries Pvt.Ltd, Godown No. M1, BENGAL JUTE MILL COMPOUND 493B, GT Road, Howrah 711102 (W.B.)
Phone : 9163391228, 8013120773 Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Young India Fashions, Godown No. M6, Bengal Jute Mill Compound, 493B, G T Road, Howrah-711102 (W.B.),
Corp. Off. : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor, Opp. Moonlight Cinema, Kolkata-700073 (W.B.) Mob. 9831131838, 9163434081
Mahaveer Saree, 446, Lover Abhishek Market, Ring Road, Surat-395002 (Gujrat) Ph.7575041434
Evergreen Creation, 369, Abhishek Textile Market (Opp. Rushabh Textile Market), Ring Road, Surat-395002 (Gujrat) Ph. 9727982406, 9828018707

संकलन- जैन गजट संवाददाता राजा बाबू गोधा, फागी, मो. 9460554501

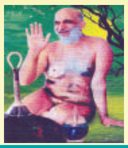
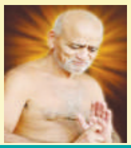

सत्य, अहिंसा, विश्व शान्ति के अग्रदूत, जन जन के आराध्य, वर्तमान शासन नायक, भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयन्ती पर समस्त जैन समाज को बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें।

2623वीं जन्म जयन्ती मंगलमय हो

मुनिपुंगव श्री सुधा सागर बालिका छात्रावास

पुण्योदय तीर्थक्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी, कोटा (राजस्थान)

वातानुकूलित (AC) रूम, अटैच लेटबाथ, सिंगल एवं डबल रूम, कोचिंग तक आने जाने की सुविधा, 24 घन्टे महिला सुरक्षा गार्ड, पूर्ण सुरक्षित परिसर में स्थित शुद्ध सात्विक भोजन।
सम्पर्क:- 9829038906, 7597478711, 6376531154

अध्यक्ष व शिरोमणी संरक्षक
श्रीमती अर्चना जैन (रानी)
दुगेरिया सर्राफ
परम संरक्षक : डॉ. संतोष जैन

निर्देशक
श्रीमती उषा जैन बाकलीवाल
सचिव
श्रीमती निशा जैन वेद

कोषाध्यक्ष
श्रीमती छाया जैन
हरसोरा एवं समस्त
छात्रावास परिवार

संकलन- जैन गजट संवाददाता राजा बाबू गोधा, फागी, मो. 9460554501

भगवान महावीर स्वामी के 21 अप्रैल 2024 को 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर सभी देशवासियों को मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाऐं

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

नवरत्न जैन
श्रीमती शकुन्तला जैन

फागी वाले जयपुर, चण्डीगढ़
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासभा
वर्तमान अध्यक्ष: श्री दिगम्बर जैन समाज, चण्डीगढ़
विनोद कुमार-श्रीमती सुलोचना जैन,
प्रमोद कुमार-श्रीमती विनिता जैन,
राजेश कुमार-श्रीमती स्नेहलता जैन,
दीपक कुमार-श्रीमती चेतना जैन सहित सभी (चौधरी)
जैन परिवार फागी, जयपुर वाले (चण्डीगढ़)

फर्म: पी. के. एजेन्सीज, आर्टिफिशियल ज्वैलरी (चण्डीगढ़)
एवं जैन एजेन्सीज, वैशाली बिन्दी के विक्रेता,
सदर बाजार, नई दिल्ली

पता: 1467, सेक्टर - 40 बी, चण्डीगढ़ (यू. टी.)
मो. 09417112412, 8360411923

वर्तमान शासन नायक, भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंति पर मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

– : शुभाकांक्षी :–

स्वर्गीय श्री केसरमल जी एवं स्व. श्रीमती पाना देवी पांड्या जैन के परिवारजन खोरा बिसल वाले

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री निर्मल कुमार जैन (पाण्ड्या)
❍ पूर्व सरपंच ❍ अध्यक्ष-जैन सोशल ग्रुप सिद्धा
❍ पूर्व उपाध्यक्ष-आमेर सरपंच परिषद्
❍ पूर्व उपाध्यक्ष -श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा
❍ परामर्शक-श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा
❍ महासचिव -विद्याधर नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी
❍ उपाध्यक्ष- ब्लॉक कांग्रेस कमेटी झोटवाड़ा

श्रीमती तारा देवी जैन

❍ पूर्व सरपंच-खोरा बिसल ❍ पूर्व सदस्य-पंचायत समिति खोरा बिसल ❍ उपाध्यक्ष-श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल, झोटवाड़ा, अमित पाण्ड्या-श्रीमती रीना जैन (पुत्र-पुत्रवधु) ❍ उपाध्यक्ष-श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा नवयुवक मंडल, वाणी एवं मात्रा (पौत्री) कुमारी पूजा (पुत्री) ❍ अध्यक्ष-बालिका मंडल दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा

आवास: प्लाट नं. 49, अवधपुरी कॉलोनी, कांटा चौराहा, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज.) मो. 9461413288, 8559966528, 9887244679

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

राजकुमार जैन
09993034735
राज मेटल्स
मोती के चवर, गोटा के चवर, छत्र, भामण्डल, मंगल कलश पंचमेरू, शिखर कलश, पाण्डुक शिला, अष्ट प्रातिहार, अष्ट मंगल, सिंघासन, जिनवाणी कवर, ध्वजा, अक्षार, चंदोवा, पटके, मुकुट हार, बैच एवं मंदिर आईटम के निर्माता एवं विक्रेता
राजकुमार जैन,
फूटाताल स्कूल के पास,
702, हनुमानताल,
जबलपुर (म.प्र.) 482002

भ. महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें
: शुभाकांक्षी:

प्रमाण सागर जी महाराज

प्रसिद्ध समाज सेवी
परवेश जैन
मीनाक्षी जैन

प्रसिद्ध समाजसेवी व दानवीर स्व. श्री सलेख चंद जैन एवं स्व. श्रीमती शांति देवी जैन के परिवारजन,
परवेश कुमार जैन-मीनाक्षी जैन
प्रांशु जैन-श्वेता जैन, परितेश, प्रिशा, लब्धी जैन
सहित सभी परिवारजन, सहारनपुर वाले, जयपुर
आवास: 31, गायत्री नगर, चित्रकूट कॉलोनी, सांगानेर, थाना जयपुर-302015 (राज.)
मो. 9024074666

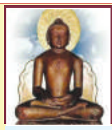
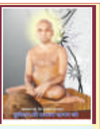

भगवान महावीर जयंती के पावन पर्व पर दिगम्बर साधु संतों के चरणों में कोटि-कोटि नमोस्तु, वन्दामि एवं इच्छामि,
भ. महावीर स्वामी की 21 अप्रैल, 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर सभी को बधाई एवं शुभकामनायें।

नमनकर्ता एवं शुभाकांक्षी

धर्मचंद पहाड़िया

❍ राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा
❍ राष्ट्रीय प्रमुख तीर्थ संरक्षिणी गुल्लक योजना

कार्यालय: श्री मेंसन, 22 गोदाम, जयपुर
फोन: 0141-2218282 मो. 9829054646

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

– : नमनकर्ता/शुभाकांक्षी :–

स्वर्गीय श्री भंवर लाल जी-स्वर्गीय श्रीमती गोपी बाई छाबड़ा के परिवार जन
कमल चंद-श्रीमती तारा देवी
मनीष (CA) - निशा, सपन-रणजी, रवि-रितु (पुत्र-पुत्र वधू)
सहित समस्त छाबड़ा परिवार

प्रतिष्ठान: ➡ मनीष इंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रैक्टर) ➡ मनीष छाबड़ा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ➡ एस. आर. ब्रदर्स (इलेक्ट्रिक सामान के विक्रेता) ➡ रवि एंटरप्राइजेज (ए क्लास इलेक्ट्रिकल कांट्रैक्टर)

1008 श्री दि. जैन शांतिनाथ चैत्यालय, इंजीनियरिंग कॉलोनी. मान्यावास मानसरोवर, जयपुर, मोबाइल 9314019230, 9928012288

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

नरेश–नीना, प्रियांक–प्रियांशी कासलीवाल
नरेश कुमार जैन (कासलीवाल)
सहायक सचिव, राजस्थान विधानसभा जयपुर
मोबाइल नं. 9462191401

18-ए, विश्वेश्र्या नगर, गोपालपुरा बायपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर-302018 (राज.)
मो. 9462191401

भगवान तीर्थंकर महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर सभी आचार्यो, उपाध्यायों एवं सभी साधु संतो के चरणों में शत शत नमन वंदन एवं समस्त देशवासियों को मंगलमयी बधाई।

-: शुभाकांक्षी :-

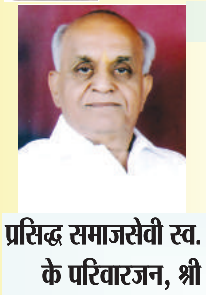

रमेशचंद तिजारिया, जयपुर

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष - श्री भारतवर्षीय दि. जैन महासभा,
राष्ट्रीय अध्यक्ष - भारतवर्षीय दिगम्बर जैन अग्रवाल महासंघ,
राष्ट्रीय अध्यक्ष - जैन पत्रकार महासंघ

प्रसिद्ध समाजसेवी स्व. श्री दौलतराम जी जैन एवं स्व. श्रीमति कुंती जैन (अंगूरी जैन) के परिवारजन, श्री रमेशचंद तिजारिया-श्रीमती माया जैन, आलोक-अनु जैन, विकास-रीना जैन, प्रवीण-सीमा जैन, विनित-सोनल जैन (पुत्र-पुत्रवधु), वर्धमान-श्रीमती रिद्धी जैन (पौत्र-पौत्रवधु) अरिहंत, श्रेयांस, आदि, अर्श, वृतिका, सृष्टी, एशना (पौत्र, पौत्रियां) सहित समस्त तिजारिया परिवार जयपुर
एफ-32, घीया मार्ग, बनी पार्क, जयपुर (राज.) मोबाइल 8290950000

भगवान महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंति पर सारे जैन समाज को हार्दिक मंगलमयी बधाईयां

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्रीमती तारामणी जैन
धर्मपत्नी स्व. बाबूलाल जी जैन
अक्षय जैन (मोदी)-रीना जैन, कृतिका-शुभम जी (पुत्री-दामाद), स्पर्श जैन (पुत्र)
एवं समस्त मोदी परिवार

पूर्व सदस्यः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूर्व महामंत्रीः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग पूर्व अध्यक्षः पार्श्वनाथ दि. जैन मधुबन कॉलोनी, जयपुर (राज.) पूर्व अध्यक्षः जैन सोशल ग्रुप वीनस

आवासः बी-24-ए, मधुबन कॉलोनी, किसान मार्ग टोंक फाटक, जयपुर-302015 मो. 9829256913

भगवान महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंति पर सारे जैन समाज को हार्दिक मंगलमयी बधाईयां

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, सेक्टर-6 हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020

संरक्षक	अध्यक्ष	मंत्री
हंसराज लुहाड़िया 60/162 मो. 7427863719	धनकुमार कासलीवाल 69/418 मो. 9414359660	सुरेन्द्र कुमार जैन 63/36 मो. 9829087096

उपाध्यक्षः उत्तमचंद बोहरा, संयुक्त मंत्रीः महेन्द्र कुमार बड़जात्या, कोषाध्यक्षः सुरेश कुमार छाबड़ा, सह-कोषाध्यक्षः विमल जैन, संगठन मंत्रीः विशाल ठोलिया, सांस्कृतिक मंत्रीः सुभाष चंद गोधा, राजेन्द्र कुमार सोनी, भण्डार मंत्रीः प्रकाशचन्द पाटनी, प्रचार-प्रसार मंत्रीः अशोक जैन, भवन निर्माण मंत्रीः बाबूलाल बिन्दायका, कार्यकारिणी सदस्यः देवेन्द्र कुमार वैद, दिनेश कुमार कासलीवाल, हीरालाल जी सेठी, राजेन्द्र कुमार सोगानी, राजेन्द्र प्रसाद गोधा, सुनील पाण्डया, वीरेन्द्र कुमार जैन, पंकज जैन, मो. 9314503719, 9414359660, 9829087096

भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाऐं

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

अमरचंद दीवान-उषा दीवान
मंत्री-श्री चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़, कार्यकारिणी सदस्य-राजस्थान जैन सभा, उपाध्यक्ष-जैन सोश्यल ग्रुप अरिहन्त, संयोजक-श्री दि. जैन पदयात्रा संघ 2011, सदस्य-वीर सेवक मंडल, कार्यकारिणी सदस्य-श्री दि. जैन एकता मंच जयपुर
स्व. श्रीमती विमला देवी जैन धर्मपत्नी श्री निहालचंद जी जैन के परिवारजन
अमर चंद दीवान-उषा दीवान, नेमीचन्द-ज्योति (पुत्र-वधु), शुभम, अंशुल, नैतिक, रचित (पौत्र) दिव्या-मयूर जी जैन (पौत्री दामाद) सहित समस्त दीवान परिवार खोरा बीसल, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 मो. 9928852440

भगवान महावीर स्वामी की दिनांक 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयन्ती पर हार्दिक शुभकामनाऐं

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन श्रीमती उर्मिला जैन
राजीव-सोनल जैन, अमित-स्वाति जैन, यश, संजना, श्रीया, राज जैन
आवासः डी/58, सरोज निकेतन, ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर-302015 (राज.) मो. 9829123527

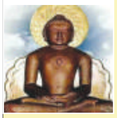

भ. महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर श्रीमती मधु बोहरा के जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

-: शुभाकांक्षी :-
डॉ. एम. के. बोहरा
वरिष्ठ सर्जन एवं अधीक्षक मार्बल सिटी अस्पताल मदनगंज-किशनगढ़
डॉ. राहुल बोहरा-श्रीमती प्रियंका बोहरा (पुत्र-पुत्रवधु), श्रीमती स्मिता जैन-विजय कुमार जी जैन, डॉक्टर नमिता कोठारी-श्री विनय कुमार जी कोठारी (पुत्री-पुत्री दामाद) सहित समस्त बोहरा परिवार मोजमाबाद वाले, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) मो. 9694090067

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

संजीव-रितु, मुदित (पुत्र), विशाखा-अनुराग जी (बेटी-दामाद), ओजस्वी (दोहिती) सहित समस्त पाटनी परिवार, दुर्गापुरा

-: प्रतिष्ठान :-
Pushpraj Jewels
(92.5 Sterling Silver Jewellery and Silver Articles)
F-7, Sitapura House, Opp. Kanota Haveli, Haldiyan Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur
Email : patnimudit23@gmail.com

निवासः 10 बी, श्रीजी नगर, दुर्गापुरा जयपुर (राज.) मो. 9413399161

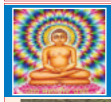

भ. महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वें जन्म कल्याणक पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

श्री सुनील पहाड़िया-श्रीमती नीना पहाड़िया
(पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर जैन मंदिर, थडी मार्केट, अग्रवाल फार्म मानसरोवर)
महामंत्री धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत
शुभाकांक्षी
रोमिका-सारंग काला चंदलाई वाले, अर्पिता-अंकित पाटोदी (नावा वाले), सोनीपत (बेटी दामाद), अभिनव (पुत्र), सुजय, राजवी, सुयश और मौलिक (दोहिता- दोहिती) तथा समस्त पहाड़िया परिवार जयपुर (राजस्थान)

निवासः 111/423 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) मो. 9314885657, 9314995627

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

प्रसिद्ध समाजसेवी ज्ञानचंद, कैलाश चंद-स्नेहलता एवं सुनिल-श्रीमती अनिला (भाईबहु), अमित-प्रीति (बेटा-बहु), भव्य, सानवी (पौत्र-पौत्री) व समस्त बैनाड़ा परिवार, सांगानेर, जयपुर (राज.)
मो. 9829085678

आवासः 52, चित्रकूट कॉलोनी, एयरपोर्ट सर्किल, सांगानेर, थाना जयपुर (राज.)

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

ओम प्रकाश शर्मा
श्रीमती विमला देवी शर्मा
नीरज शर्मा-श्रीमती स्वेता शर्मा (पुत्रवधु), नीलम (पुत्री), गोरांग व तनिष्क (पौत्र)
9829139519, 9829021639, 9414250091
कार्यालयः 3279, भिण्डो का रास्ता, राजाराम धर्मशाला के पास, दूसरा चैराहा, चांदपोल बाजार, जयपुर-01
वन्दना आर्ट पैलेस
(निर्माता एवं विशेषज्ञ)

संगमरमर एवं धातु की जैन मूर्ति, वैष्णव मूर्ति, स्टेच्यू, वेदी एवं छतरी

निवासः 260, वसुन्धरा कॉलोनी, गोपालपुरा बाईपास, टोंक रोड, जयपुर-18 फोन- 0141-2711615

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

(स्व. श्री राजमल जी एवं स्व. श्री उमराव देवी चांदवाड़ के परिवारजन) श्रीमती ललिता देवी चांदवाड़ धर्मपत्नी स्व. श्री बृजेश कुमार चांदवाड़, वरूण-श्रीमती सोनिया, विनीत-रश्मि (पुत्र-वधु) वंश, भव्य, भाविक, रूहिका चांदवाड़ (पौत्र-पौत्री), श्वेता-मनीष जी जैन (बेटी-दामाद) सहित समस्त चांदवाड़ परिवार

-: प्रतिष्ठान :-
चांदवाड़ फाइनेन्स ब्रोकर, 769, बोरडी का रास्ता, किशन पोल बाजार, जयपुर (राज.)
मो. 9314037392, 9828021195
निवासः ए-86, सिद्धार्थ नगर, टोंक रोड, जयपुर-302017 (राज.)

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

पारस जैन
(डायरेक्टर)
श्रीमती राधा जैन
राहुल - नेहा जैन, राशु - रिचा जैन, रूहित - आरती जैन सहित समस्त परिवारजन आगरा वाले, सिद्धार्थ नगर, जयपुर (राज.)

Radhika Jewelscraft (P) Ltd.
C-58, Ayodhya Enclave, Ground Floor, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur-302001
E-Mail : radhikajewels@yahoo.co.in, www.radhikajewels.in
Contact : (O) 0141-2364545
M : +91-9214014119

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

Dinesh Choudhary
9828172726
Suresh Choudhary
9929043722
Gopal Lal
Dinesh Kumar
Mfg. All Brss Singhasan & Jain, Mandir Item & Export Item
महावीर जयंती के जुलूस के लिये पालकी के लिये संपर्क करें।
97, Kishanpole bazar Jaipur,
E-mail : sureshmetals93@gmail.com

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

देव प्रकाश खंडाका जयपुर
सतीश खंडाका जयपुर

श्रीमती कल्पना खण्डाका एवं आदर्श खण्डाका, तृप्ति खण्डाका एवं समस्त खण्डाका परिवार, जयपुर (राज.)

प्रतिष्ठान- नेम प्रकाश खण्डाका सर्राफ एण्ड कम्पनी ज्वैलर्स
गोल्ड एवं सिल्वर ज्वैलर्स
179- किशनपोल बाजार, जयपुर (राज.) 302001
फोन नं.- 0141-2313635, 2205822

हिंसा पीड़ित राष्ट्र राह महावीर की तकता है। वर्तमान को वर्धमान की आवश्यकता है।।

भगवान महावीर स्वामी की 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जयन्ति पर हार्दिक कोटिशः बधाईयां

-: शुभाकांक्षी :-

राजाबाबू गोधा जैन
जैन गजट संवाददाता- राज.
फागी, जिला जयपुर (राज.)
मो. 9460554501

जैन गजट के इस अंक में पृष्ठ 18 से 22 में प्रकाशित विज्ञापनों के संकलनकर्ता
राजाबाबू गोधा, फागी
संवाददाता
जैन गजट- राजस्थान

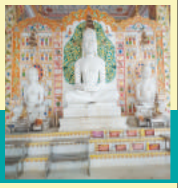

भगवान महावीर जयंती 2623वीं के पावन पर्व पर हम सभी संपूर्ण कार्यकारिणी द्वारा आप सभी को बधाई एवं शुभकामना

श्री दिगम्बर जैन 1008 नेमिनाथ तीर्थक्षेत्र जैन मंदिर जयपुर रोड नैनवां जिला-बूंदी

इस तीर्थक्षेत्र का पंचकल्याणक महोत्सव 28 मई 2015 को 108 प्रवचन केसरी विश्रांत सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ था। यह पहला क्षेत्र है जहां पर मानस्तंभ बना हुआ है।

-: शुभाकांक्षी :-

कमल कुमार जैन मारवाड़ा (अध्यक्ष)

नैनवां, जिला-बूंदी मो. 9214408656 सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य

एक बार दर्शन करने जरूर पधारें

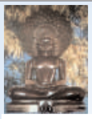

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्री प्रकाश जैन बड़जात्या

(बाबा)-श्रीमती विमला जैन

अंकिता, सोनु, अन्नु, अन्जु

मो. 9829424547

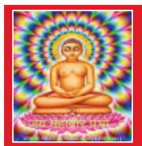

महावीर जयंती 2623वीं के महान पर्व पर आप सभी साधर्मी बन्धुओं को बधाई एवं मंगलमय शुभकामना

सभी आचार्यों, मुनिराज, आर्यिका ससंघ को नमोस्तु वंदामि

विनोद कुमार जैन-मोनिका जैन मारवाड़ा

मनुष्य का जीवन भोगों के लिए नहीं संयम साधना के लिए मिला है"

'शुभाकांक्षी'

श्रीमती राजकुमारी जैन-स्व. कमल कुमार जैन निमित्त-श्रीमती दीक्षा, सुमित, अमित जैन मारवाड़ा परिवार, नैनवां, बूंदी-323801

मो. 9214962870

महावीर जयन्ती 2623वें, के महान पर्व पर आप सभी जैन बन्धुओं को वैद परिवार की ओर से बधाई एवं मंगलमयी शुभकामनायें

"यदि आप क्रोध को जीतना चाहते हो तो सबसे पहले अपनी वाणी पर संयम रखो।"

प्रवचन केसरी विश्रांत सागर जी महाराज ससंघ को नमोस्तु एवं समस्त आर्यिका संघ को वंदामि।

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

नरेन्द्र कुमार

श्रीमती कमला जैन वैद

(नैनवां वाले), जयपुर

पियुष जैन-श्रीमती पूजा जैन, वैभव जैन, पूर्वि जैन

विशाल जैन-श्रीमती बिन्नी जैन, जयपुर

पता : प्लाट नम्बर-24, जनकपुरी, पहला चौराहा, पैराडाईज स्कूल, इमली फाटक, जयपुर

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

महावीर प्रसाद जैन शाह

अनिरुद्ध, पूजा जैन शाह, आभान्सी, लाभान्सी जैन शाह

फर्म : शाह एग्रो एजेन्सी

उनियारा रोड, जयपुर

नोट : हमारे यहाँ पर सभी प्रकार के विद्युत मोटर, जनरेटर, इंजन, पम्प, पंखे उचित मूल्य पर मिलते हैं मो. 9414247896

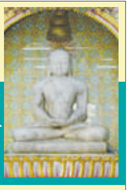

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना, जिला-टोंक (राजस्थान)

भगवान महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयन्ति पर सभी देश वासियों को सम्पूर्ण कार्यकारिणी की ओर से बधाई एवं शुभकामना

" आचार्य इन्द्रनंदी जी महाराज समस्त ससंघ को त्रिकाल नमोस्तु "

अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री प्रकाशचन्द जी सोनी सांखना	प्यारचन्द जैन, छान	मनीष जैन बज देवड़ावास
मो. 9414558485	मो. 9829108025	मो. 9929382623

❍ यह क्षेत्र दिन दूनी रात चैगुनी तरक्की की ओर बढ़ रहा है और यह अध्यक्ष प्रकाश जी सोनी एवं कार्यकारिणी के प्रयास का फल है।

आयोजकः श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना (टोंक) राज.

श्री दिगम्बर खण्डेलवाल सरावगी तेरहपंथ जैन मन्दिर, नैनवां, जिला-बूंदी

भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म जयन्ति महोत्सव पर आप सभी साधर्मी बन्धुओं एवं देश वासियों को बधाई एवं मंगल शुभकामनायें

नोटः यह नैनवां का 10 जिनालयों में पहला जिनालय है जहां पर प्रतिदिन 48 दीपकों से 48 भक्तामर स्तोत्र बोल कर नियमित रूप से 341 दिन सम्पन्न हो चुके हैं।

- : शुभाकांक्षी :-

अध्यक्षः दिनेश जैन ठोलिया-

9214680545

उपाध्यक्षः महावीर कुमार सरावगी - 9414963129

संयोजकः सूरज जैन बैद - 9214824678

कोषाध्यक्षः प्रदीप जैन बजाज -9829500779

कार्यकारिणी सदस्यः राजकुमार कटारिया, अशोक पाटोदी, राजेन्द्र बैद, सुनिल बैद, छोटुलाल जैन शाह

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

पदम कुमार-नौरती देवी, (पुत्र) दिनेश, मनीष, राजेश जैन सहित समस्त मोडिका परिवार

फर्म : मनीष स्टील

(बर्तनों के विक्रेता)

एस. डी. ओ. बंगले के पास, नैनवां, जिला-बून्दी (राज.)

मो. 9414963065

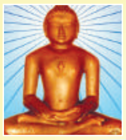

जब तक सूरज चांद रहेगा, धरती पर महावीर का नाम रहेगा।।

महावीर जयन्ति 2623वें के महान पर्व पर आप सभी साधर्मी बन्धुओं को बधाई एवं मंगलमयी शुभकामना

नमनकर्ता एवं शुभाकांक्षी

मोहनलाल जैन मारवाड़ा-श्रीमती राधा जैन, कमल कुमार जैन -श्रीमती गुणमाला जैन अनिस-शालू मारवाड़ा, पम्मी, प्रथा जैन मारवाड़ा परिवार, नैनवां, बूंदी (राज.)

➔ के. पी. ज्वैलर्स-9214408656 ➔ के. पी. एण्ड संस-9252320000

➔ के. पी. फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पम्प, नैनवां

महावीर जयन्ति 2623वें के महान पर्व पर आप सभी साधर्मी बन्धुओं एवं देशवासियों को इस महान पर्व पर बधाई एवं मंगलमय शुभकामनायें

श्री महावीर जिनालय बीसपंथ पंचायत, शांतिवीर धर्मस्थल, पोस्ट ऑफिस के पास, नैनवां, जिला-बूंदी-323801

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

> कमल कुमार जैन मारवाड़ा (अध्यक्ष) मो. 9214408656

> ज्ञानचन्द जैन हरसोला (मंत्री)

> नरेन्द्र कुमार जैन भरनी वाले मो. 9252244125

एवं सकल दिगम्बर जैन बीसपंथ समाज नैनवां (बूंदी)

नोटः 24 वर्षों में पहली बार धर्मस्थल का भव्य नवनिर्माण कराकर अध्यक्ष कमल कुमार जैन मारवाड़ा के अथक प्रयासों से यह धर्मस्थल दिन दूना रात चैगुना प्रगति के मार्ग पर बढ़ रहा है।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

महावीर कुमार जैन, जैन गजट संवाददाता, नैनवां, श्रीमती गुणमाला, अविनाश, दिव्या, नितिन, चारु जैन, परी जैन, अर्हम जैन, मिनी जैन आदि समस्त परिवारजन

नवासः सुरेश नगर, मकान नं. 16/17, दुर्गापुरा जैन मन्दिर के पास, जयपुर मो. 9414963129

जैन समाज के सभी विज्ञापन, समाचारों के लिए सम्पर्क करें नैनवां - 9414963129

भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म जयन्ति महोत्सव पर समस्त जैन बन्धुओं एवं देशवासियों को बधाई एवं मंगलमय शुभकामना

प्रवचन केसरी विश्रांत सागर जी महाराज ससंघ नमोस्तु गणिनी आर्यिका 105 संगममति माताजी को ससंघ वंदामि

श्री श्रेष्ठी नाथूलाल जी जैन

शुभाकांक्षी

नाथूलाल जैन मोडिका

: प्रतिष्ठान :

❍ कमल कुमार नरेश कुमार जैन

❍ राकेश कुमार विकास जैन, मोडिका, नैनवां-323801, मो. 9214840145

(उच्च क्वालिटी के किराणा सामान मर्चेन्ट)

अहिंसा को धर्म का मार्ग बताने वाले" भगवान महावीर की 2623वीं जन्म जयन्ति पर हमारी तरफ से सभी को मंगलमयी शुभकामनायें

- : शुभाकांक्षी :-

श्री चिन्टु कुमार जैन (सीए) श्रीमती पूजा जैन

श्री कमल कुमार जैन एवं श्रीमती कलावती जैन क्रियांस जैन

फर्मः के. सी. इन्टरप्राइजेज, नैनवां जिला-बूंदी-323801

⇨ मारे यहां पर तिरपाल, निवार, रस्सियां उचित मूल्य पर मिलती हैं।

गांधी विश्राती के सामने, नैनवां जिला-बूंदी-323801 (राज.) मो. 9784335169

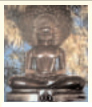

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

कैलाश चन्द जैन

जिनेन्द्र कुमार जैन

मोडिका (नमो)

मो. 8947003511

फर्म : स्वस्तिका मोटर कंपनी, जयपुर रोड, नैनवां जिला-बून्दी

हमारे यहां पर 2 पहिया बाईक व स्कूटर बिना पेट्रोल बैटरी से चलने वाली स्वदेशी गाड़ियां उचित दर पर मिलती हैं।

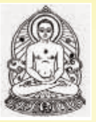

सत्य धर्म का पाठ पढ़ाने वाले, पशुओं का बध छुड़ाने वाले भगवान महावीर के 2623वें जन्म जयन्ति महोत्सव पर सभी देश वासियों को बधाई एवं शुभकामना

नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्रीमती रतन देवी जैन

दिनेश कुमार-मंजु जैन, सौरभ, ज्योति, शुभम, एरांशी, दिव्यांसी जैन समिधी वाले, नैनवां

: प्रतिष्ठान :

एस. एस. टैडर्स, नैनवां, मो. 9413088483

नोट : पत्तल, गैस के चूल्हे मिलने का एकमात्र स्थान

दो दिवसीय वार्षिक मेला भगवान के महामस्तकाभिषेक श्रद्धा भक्ति से साथ संपन्न

राजेश पंचोलिया, इंदौर

ऊन, खरगोन। पश्चिम निमाड़ का सिद्ध क्षेत्र पावागिरी ऊन में दो दिवसीय दिगंबर जैन समाज का वार्षिक मेला श्रद्धापूर्वक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ पूर्ण हुआ। प्रथम 29 मार्च को भगवान के अभिषेक, ध्वजारोहण, क्षुल्लक श्री योगभूषण जी के प्रवचन और 1008 श्री शांतिनाथ भगवान का मंडल विधान गुलाबचंद मंडलोई परिवार महेश्वर द्वारा किया गया। शाम को श्री जी की आरती के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। 30 मार्च पंचमी को प्रातः नित्य नियम पूजन के बाद विश्व शांति के लिए पूर्ण मंत्रोच्चार के साथ पंडित नितिन झांझरी के निर्देशन में हवन हुआ। दोपहर को धर्म सभा में दीप प्रज्वलन मोहित महेंद्र जैन सनावद आजाद देवेंद्र शाह इंदौर भोपाल ने किया। अध्यक्ष हेमचंद झांझरी से स्वागत भाषण दिया, इस अवसर पर पूज्य क्षुल्लक श्री योगभूषण जी ने उपदेश में बताया कि सिद्धक्षेत्र में निर्मल भाव एवं परिणाम पूर्वक आना चाहिए। भगवान महावीर के दर्शन एवं दिव्य देशना सुनने एक छोटा जीव मेंढक मुंह में फूल लेकर चला हाथी के पैर से कुचलने कारण मृत्यु के बाद उच्च परिणाम भाव कारण देव गति प्राप्त करता है इसलिए सिद्धक्षेत्र में दर्शन अभिषेक पूजन भक्ति दान उच्च भावों के साथ करना चाहिए। इन सबके बिना सिद्धक्षेत्र में आना मात्र पिकनिक होगा। इस अवसर पर सिद्धक्षेत्र कमेटी ने पुण्यार्जक परिवारों का सम्मान किया। क्षुल्लक श्री योग भूषण महाराज का चरण प्रक्षालन एवं जिनवाणी भेंट पुण्यार्जक परिवारों द्वारा किया गया। अशोक झांझरी महामंत्री द्वारा क्षेत्र के विकास हेतु योजनाओं में सहयोग एवं हस्त मुक्त दान का अनुरोध किया। दोपहर को रथयात्रा श्री जी की पालकी मूल मंदिर से पंच पहाड़ी श्री कुंथु नाथ, श्री शांतिनाथ, श्री अरहनाथ भगवान मंदिर पहुंची। इसके पूर्व इस क्षेत्र से सिद्धालय विराजित श्री स्वर्ण भद्र, श्री गुण भद्र, श्री मणिभद्र श्री वीरभद्र भगवान की प्रतिमाओं का श्री शांतिनाथ भगवान का अभिषेक अविनाश सनावद, श्री कुंथुनाथ भगवान का अभिषेक संदीप प्रकाश पहाड़िया इंदौर एवं श्री अरहनाथ के अभिषेक का प्रवीण सेठी खंडवा ने प्राप्त किया। पंच पहाड़ी पर श्री महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा सनत जैन इंदौर, श्री स्वर्ण भद्र भगवान का अभिषेक का सौभाग्य राजेश पंचोलिया, इंदौर आदि पुण्यार्जक परिवारों ने प्राप्त किया। अशोक झांझरी, अतुल कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर ऊन, खरगोन, सनावद, बड़वाह, खंडवा, बुरहानपुर, शाहपुर पंधाना, इंदौर, भोपाल, महेश्वर, मंडलेश्वर, धामनोद, बाल समुंद्र, कसरावद लोनारा सहित अनेक सैकड़ों नगरों से हजारों श्रद्धालु पधारे।

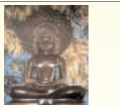
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

सुरेश कुमार जैन-श्रीमती कृष्णा जैन, पुत्र-प्रियांस जैन, पूनम जैन, प्रासी जैन, कोटा-324006 (राज.)
-: प्रतिष्ठान :-
सुरेश एण्ड कम्पनी (महारानी चाय के होलसेल विक्रेता), शिवाजी मार्केट, कोटा मो. 9352611255

अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले महावीर भगवान की 2623 वीं जन्म जयन्ति पर बधाई एवं शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

बाबूलाल जैन श्रीमती मोहिनी देवी, हितेश जैन श्रीमती जैन, बरमूण्डा नैनवां जिला बूंदी (राज.)
प्रतिष्ठान: बरमुन्डा वस्त्र भण्डार, भगतसिंह चौराहा, नैनवां फोन: 9460194329

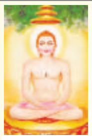
महावीर स्वामी के उपदेश प्राणी मात्र का हित करने वाले हैं, सभी जैन बन्धुओं को बधाई एवं शुभकामना
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

बिरधीचन्द जी जैन, (पूर्व सरपंच सूंथड़ा)-श्रीमती मुन्ना देवी (पुत्रवधु) दयावंती (सुपुत्री) डोली-दीपक जी, शालिनी-नमन जी, कथाशी जैन, (दोहितियां) (सूंथड़ा वाले) जिला-टोंक-304021 मो. 9983408866

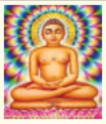
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर आप सभी जैन बन्धुओं साधर्मी भाईयों को हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

सुरेन्द्र कुमार जैन सिंघल
(अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज, गोठडा वाले), पलाई जिला-टोंक (राज.)
श्रीमती रिंकु जैन
नवीन, हर्षित, यान्सी जैन पलाई, टोंक-304024 मो. 8118875379

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

कमलेश जैन सोगानी
(धर्मोदय तीर्थक्षेत्र गम्भीरा के मंत्री) श्रीमती सुमन जैन सोगानी (पुत्र) निलेश-श्रीमती आकांक्षा जैन, अखिलेश जैन-अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला-बूंदी 9414963007 (पौत्र) तनमय, मेहुल जैन
नोट: हमारे यहां पर प्रोपर्टी एवं भूमि, प्लाट का क्रय-विक्रय का कार्य सन्तोषप्रद होता है।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्री प्रवीण कुमार श्रीमती प्रेमलता जैन, प्रियंक-श्रीमती निहा जैन, युवराज, चिया जैन सरावगी
-: प्रतिष्ठान :-
सरावगी ट्रेडर्स (लोहा, सरिया, सीमेन्ट विक्रेता) उनियारा चौराहा, जयपुर रोड, नैनवां जिला, बून्दी-323801 (राज.) मो.7728052141

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्री शैलेन्द्र, सीमा जैन मारवाड़ा
(पुत्र) अरिहंत जैन सिद्ध जैन, मारवाड़ा, नैनवां
प्रतिष्ठान: शैलेन्द्र कुमार जैन मारवाड़ा, वस्त्र के विक्रेता, सदर बाजार, नैनवां, जिला बूंदी-323801 मो. 9414963219

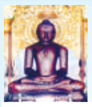
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी
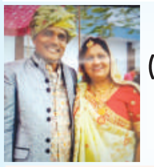
ओमप्रकाश जैन शाह (कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष नैनवां) बूंदी मो. 9928940834)
श्रीमती अंजना जैन (जिला परिषद् सदस्य बूंदी), पुत्र-नितेश, पौत्र- निहित जैन शाह, श्रीमान अमोलक चन्द लालचन्द ओम प्रकाश जैन परिवार, बांसी, नैनवां, जिला-बूंदी (राज.)

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

राजेंद्र कुमार जैन श्रीमती इंदिरा जैन ठोलिया, ऐशवर्य जैन, श्रीमती अनुप्रेक्षा जैन, सुश्री ऐश्वर्या जैन ठोलिया परिवार, नैनवां जिला-बूंदी (राजस्थान)
प्रतिष्ठान: जैन ट्रांसपोर्ट कंपनी नैनवां-323801 मो. 9252201889

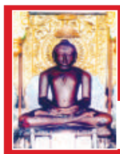
महावीर जयंती 2623वें के महान पर्व पर आप सभी साधर्मी बन्धुओं को बधाई एवं मंगलमय शुभकामना
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

नरेश-श्रीमती विद्या जैन, रमेश-श्रीमती अनीता जैन, दीपक-श्रीमती मैना जैन, ललित-श्रीमती अनीता जैन, महेश-श्रीमती सुनीता जैन गंगवाल सहित समस्त परिवार, बूंदी
❍ गंगवाल ट्रेडिंग कंपनी, धान मंडी, बूंदी मो. 9829555573
❍ श्री बड़े बाबा ट्रेडिंग कंपनी, बूंदी मो. 9829149365

सभी जीवों पर दया करने वाले भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयन्ति पर आप सभी जैन बन्धुओं को बधाई एवं शुभकामना
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

ललित कुमार श्रीमती मंजू जैन
भव्य जैन, दिव्यासी जैन कागला नैनवां, जिला-बूंदी-323801 मो. 7737101255

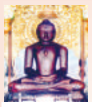
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

देवलाल जैन गंगवाल
(खण्डेलवाल सरावगी समाज जिला अध्यक्ष, जिला-बूंदी) श्रीमती मैना देवी जैन, रामगंज बासी-323801
-: प्रतिष्ठान :-
गंगवाल वस्त्र भण्डार, बासी मो. 995054937

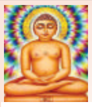
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

श्री देवेन्द्र कुमार जैन (एडवोकेट) श्रीमती शीला जैन मारवाड़ा 9414521261
अतुल-प्रियंका जैन, आयुष-पूनम जैन (पुत्र-पुत्रवधु), गार्गी, मनुश्री, ग्रितिक, मितांशी जैन मारवाड़ा (पौत्रियां) सहित समस्त परिवारजन, नैनवां, जिला

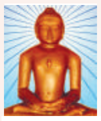
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

महावीर प्रसाद जैन
(अध्यक्ष-1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन, अतिशय तीर्थक्षेत्र सूतड़ा, जिला-टोंक पराड़ा वाले, निवाई-श्रीमती मैना देवी जैन,
पराड़ा, निवाई, जिला टोंक-304021 मो. 9414204216

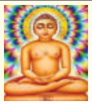
अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले महावीर भगवान की 2623 वीं जन्म जयन्ति महोत्सव पर बधाई एवं शुभकामना
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

निर्मल कुमार-श्रीमती चेतना जैन, (पुत्र) अरिहंत जैन (सीए), वर्तिका जैन, धीरज जैन पाटनी, नैनवां, बूंदी मो. 9251152269
फर्म: चेतना ट्रेडर्स, नैनवां

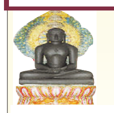
भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
नमनकर्ता/शुभाकांक्षी

राजेन्द्र कुमार जैन एवं श्रीमती मुन्ना देवी जैन (देईवाले), नैनवां (बूंदी)
प्रतिष्ठान: अग्रवाल वस्त्र भण्डार, उपखण्ड कार्यालय के पास, नैनवां, जिला बूंदी-323801 मो. 9214680094

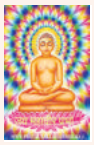

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

राजकुमार-श्रीमती सरला चांदवाड़
(झालरापाटन वाले)
आरती सिद्धार्थ छाबड़ा, अनाइशा (पुत्री-दामाद)
शनाया, सम्यक (दोहिती-दोहिता)
मकान नं. 740-ए, इंद्रा विहार, कोटा (राज.) 324005
मो. 9352364353, 6377207740

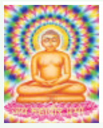

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

-: शुभाकांक्षी :-

बी. एल. जैन
श्रीमती निर्मला जैन
मो. 9314336626

TRADE CENTRE
288, Shopping Centre] Kota-324007 (Raj.)
Phone : 0744-2361159, 2362871
Fax : 2362652 Email- tradecen@datainfosys.net
Consignment Agent : Shell Ind. MKTS. P. Ltd.
Liasioning Agent : Vuith Turbo L & T. Ltd.

सत्य अहिंसा विश्व शांति के अग्रदूत, जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल, 2024 को

2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

: शुभाकांक्षीः

ज्ञानचंद जी-श्रीमती
विजया जी जैन
संजय-तृप्ति जी जैन
आकांक्षा जी, अदिति जी,
आराध्या जैन

ए-24, आर.के.पुरम,
कोटा (राज.) 324010
मो. 9413650012

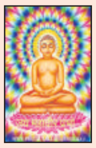

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

भागचन्द टोंग्या-श्रीमती पतासी देवी जैन, देवेन्द्र कुमार टोंग्या-श्रीमती उर्मिला देवी टोंग्या, अमन कुमार टोंग्या-श्रीमती किरण देवी टोंग्या चि. शोभित टोंग्या

1-फ-44, विज्ञान नगर, कोटा (राज.) 324005
मो. 9352631666, 9214078916

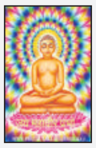

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

पद्म कुमार जैन शांता जैन, मनीष कुमार जैन रागनी जैन,
प्रिश जैन, जशवी जैन
राम जी की गली, भेरू जी कूवा के सामने, मु. पोस्ट
झालरापाटन जिला झालावाड़, (राजस्थान) 326023,
मो. 9887782656

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

संजय-सुलोचना

सरोज कुमार-शरबती बाकलीवाल
सुशील-दीपिका, संदीप-दीपा, सलोनी, प्रिंसी, भव्य,
दिव्य, मिशिका बाकलीवाल परिवार

रोड नं. 5, आई. पी. आई. ए., कोटा (राज.)
मो. 9414188225, 8104582307

दुनिया को यदि बचाना है

पाखण्डी ने जकड़ा था।।
अधंविश्वास का था बोलबाला।
तब लिया जन्म महावीर ने।
सही दिशा दे विश्व संभाला।।
अहिंसा की अलख जगाई।
अपरिग्रह की बात बताई।।
जिओ और जीने दो भाई।
सुखी सबको रहने दो भाई।।
सहिष्णुता उन्होंने सिखलाई।
जीवों पर करूणा दिखलाई।।
सच्चा धर्म प्ररूपित किया।
प्राणी मात्र को सुरक्षित किया।।
विश्व में छिड़ा हुआ हैं जो संग्राम।
महावीर नीति ही कर सकती विराम।।
पांच सूत्र महावीर के अपना लें।
विश्व बंधुत्व का भाव जगा लें।।
शान्ति तो सन्मति से ही आयेगी।
महावीर सिद्धांतों पर अमल बिना।
यह दुनिया मिट जायेगी।।
दुनिया को यदि बचाना है।
जैन दर्शन को ही अपनाना है।।
सत्य अहिंसा धर्म अपनाओ।
आओ सब मिल महावीर जयंती मनाओ।।
महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।
-रचियता ओम प्रकाश सांवला रावतभाटा

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

एस एम जैन
श्रीमती पुष्पा जैन
167/2 नियर जैन मंदिर,
न्यू मार्केट रावतभाटा
राज. 323307
मो. 9414940607

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

निदेशक साधना मादावत
ग्लोबल युवा महासभा द्वारा भारत की सशक्त महिला शक्ति सम्मान, लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित, मुम्बई जैन समाज द्वारा नारी रत्न सम्मान, मैं भारत हूं फाउंडेशन मुम्बई द्वारा राजस्थान कोहिनुर अवॉर्ड से सम्मानित अनेकानेक उपाधियों से अलंकृत, मो. 9424090608 8962830838

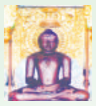

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, प्यावड़ी, पीपलू जिला टोंक (राज.)
अध्यक्ष- रतनलाल जैन मो. 9571268503
महामंत्री- श्रेयांस अग्रवाल मो. 8124967610
उपाध्यक्ष रमेश चद जैन (प्यावडी वाले) मो. 9351387444
एवं मंदिर समिति के सदस्यगण
विशेषता - दिसम्बर 2019 से इस मंदिर में लगभग प्रत्येक पूर्णिमा को केसर एवं चांदी का सिक्का दिखाई देता है। सैकड़ों श्रद्धालुगण दर्शन कर चुके हैं। अपनी चंचला लक्ष्मी का दान देकर पुण्यार्जन करें।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

अजय जैन-श्रीमती अर्चना जैन, कुमारी प्रियल,
सक्षम हरसौरा, भानपुरा
पता-अजय गारमेन्टस भानपुरा, जिला-मंदसौर
(म.प्र.) 458775
मो. 9424076950

आत्मा को छोड़कर अन्य पदार्थों में उपयोग का जाना प्रकृति नहीं विकृति है - आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, पट्टाचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के चरणों में

शत् शत् नमन्

-: नमनकर्ता :-

शत् शत् नमन
शत् शत् वंदन

प्रकाशचन्द - सरला देवी पाटनी
निवासी सुजानगढ़ प्रवासी शिलांग

सुधान्शु कासलीवाल
जयपुर

नवरतनमल
श्यामनगर जयपुर
(अष्टम प्रतिमाधारी)

इन्द्रमणी देवी चूड़ीवाल
धर्मपत्नी स्व. आनन्दीलाल जी
चूड़ीवाल निखार फैशन्स, जयपुर

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

श्रीमती रत्नप्रभा सेठी
गुवाहाटी

सुरेश सबलावत
जयपुर

संजय पापड़ीवाल
मदनगंज-किशनगढ

महावीर बोहरा
जोधपुर

प्रेमचंद सेठी
मेड़ता रोड (राज.)

अशोक कटारिया
(निवाई वाले)

श्रीमती इन्द्रमणी देवी
बाकलीवाल, सिल्चर

श्रीमती कंचन देवी
विनायक्या
निवासी सीकर प्रवासी सूरत

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

भगवान महावीर के आदर्शो को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है

- चित्रा गोधा धर्म पत्नी राजाबाबू गोधा फागी

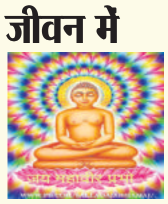

वर्तमान शासन नायक, अहिंसा धर्म के प्रणेता, विश्व वंदनीय भगवान महावीर स्वामी ने मानव समाज में मानव हितों के लिए अहिंसा, अपरिग्रह, आत्मवाद, अनेकांत, आदि लोक कल्याणकारी उपदेशों को प्रसारित किया था। मानव पर मानव कोई अत्याचार नहीं करें, पशुओं पर कोई अत्याचार नहीं करें, मानव कोई भी प्राणी पर अत्याचार नहीं करें समस्त मानव प्राणी को अहिंसा का पालन करना चाहिए।

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

इंद्र चंद जैन
श्रीमती
निर्मला जैन

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें- जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004, मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419
Email: jaingazette2@gmail.com

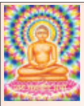

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

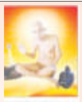

: शुभाकांक्षी :

अनिल कुमार जैन ''बीएसएनएल''
ध.प. श्रीमती सीता जैन
मं.नं. 191/8 प्रताप नगर,
जयपुर (राज.) 300233
मो. 9414001041

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

ओम प्रकाश जैन सांवला
श्रीमती गुणमाला जैन
निरंजन, अर्चना, अनुक्षा,
अविक्षा सांवला परिवार
नया बाजार, रावतभाटा
(राज.)
मो. 9414940464

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

श्री महेन्द्र कुमार जी-अनिला जी, आशीष जी-प्रियंका जी, अखिल जी-मेघा जी, नवांश, मितांश, अतिक्षा, अविका एवं समस्त लांबाबांस परिवार मंडाना वाले
निवासी म.नं. 1-बी-46, महावीर नगर विस्तार योजना, कोटा (राज.) 324010
मो. 9414181318

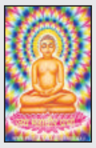

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

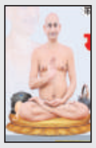

: शुभाकांक्षी :

निर्मल कुमार सेठी-श्रीमती मधुबाला जैन (सेठी),
अनुराग, सरिता, आरव व महित कुमार सेठी
1-सी-26, महावीर नगर, विस्तार योजना
कोटा (राजस्थान) 324009
मो. 9829873577

पारस जैन पार्श्वमणि जैन गजट संवाददाता, विज्ञापन हेतु संपर्क करें

देव शास्त्र गुरू के परम भक्त, व्यवहार कुशल श्री विमलचंद जैन के सुयोग्य सुपुत्र, अद्‌भुत प्रतिभावान पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार, जैन युवा पत्रकार गौरव, सर्वश्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड विजेता, जैन समाज की अनमोल मणि, 15 लाख मासूम बच्चों को मांसाहारी होने से बचाने वाले विगत 31 वर्षो से जैन पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले, अपनी सुमधुर आवाज में भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देने वाले, आर के पुरम त्रिकाल चैबीसी जैन मंदिर के प्रचार प्रसार मंत्री श्री पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार से संपर्क कर जैन गजट की सदस्यता स्वीकार करें। जैन गजट के इस अंक में पृष्ठ 16,17 एवं 25,26 के विज्ञापन प्रयासकर्ता भी आप है। जैन गजट परिवार आपके उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करता है, आपका पता है -पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार, मकान नं. ए 145, आर.के.पुरम त्रिकाल बीबीसी जैन मंदिर के पास कोटा, (राज.)-324010 मो. 9414764980

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

महावीर का म कहता है मन का संयम रहे बना, महावीर का ह कहता है हाथ दया से रहे सना, महावीर का वी कहता है वीतराग इंसान गंभीर बने और महावीर का र कहता है रामकृष्ण महावीर बने

: शुभाकांक्षी :

श्रीमान विमल चांद जैन

पारस जैन पार्श्वमणि

श्रीमती सारिका जैन

कुमारी खुशबू जैन

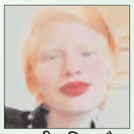
कुमारी गरिमा जैन

मकान नं. ए 145, आर.के.पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर के पास,
कोटा (राज.)-324010 मो. 9414764980

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर ए, तलबण्डी, कोटा

अशोक पहाड़िया अध्यक्ष मो. 9414189971, प्रकाश सामरिया महामंत्री मो. 9352609133, कार्याध्यक्ष-रविन्द्र पप्पू लुहाड़िया मो. 9414188112, कोषाध्यक्ष-उपेन्द्र जैन मो. 9414177689

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण

भ. महावीर स्वामी की 2623वीं जन्म जयंती पर बधाई एवं मंगलमयी हार्दिक शुभकामनायें

: शुभाकांक्षी :

(इंजी.) प्रियक जैन
(इंजी.) चीना जैन
चि. पराग जैन

निवास - 6 I 12
तीन बत्ती, मेन रोड,
बसन्त बिहार, कोटा
0744. 2400400
09462733133

इंजी. श्री पी. सी. जैन श्रीमती अभिलाषा जैन

अध्यक्ष- श्री 1008 शान्तिनाथ दि. जैन मन्दिर समिति, बसन्त बिहार, कोटा (राज.)

प्रसिद्ध समाजसेवी, देव, शास्त्र, गुरु के परम भक्त

श्री कन्हैयालाल जी बड़जात्या (मरवा वाले) मदनगंज किशनगढ़ निवासी का अचानक देहावसान हो जाने से समाज में दौड़ी शोक की लहर

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

धर्म परायण नगरी मदनगंज किशनगढ़ में धर्मनिष्ठ, सेवाभावी, दानवीर, मृदुल स्वभावी एवं अनेक धार्मिक संस्थाओं से जुड़े कर्मठ समाजसेवी श्री कन्हैयालाल जी बड़जात्या (मरवा) वाले मदनगंज-किशनगढ़ निवासी का 6 अप्रैल 2024 को अचानक देहावसान हो जाने से सारे परिवार जनों एवं समाज में शोक की लहर दौड़ गई।

जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा को जानकारी पर ज्ञात हुआ कि श्री कन्हैयालाल जी बड़जात्या का जन्म सन 1933 में पावन पर्व जन्माष्टमी के रोज प्रसिद्ध समाजसेवी स्व. श्री मांगीलाल जी-स्व. श्रीमती आनंदी देवी बड़जात्या (मरवा) निवासी के यहां पुत्र रत्न के रूप में हुआ था। आपकी शादी श्री गुलाबचंद जी श्रीमती अनूप देवी अजमेरा-अजमेर निवासी की लाड़ली सुपुत्री श्रीमती कलावती देवी के साथ हर्षोल्लास से संपन्न हुई थी। आप नित्य नियम से पूजन, प्रक्षाल, देव, शास्त्र, गुरु के प्रति सभी धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। आचार्य सन्मति सागर जी, आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज सहित अनेक मुनि संघों का आप पर एवं आपके परिवार पर पूरा मंगलमय आशीर्वाद रहा है। आपके गत 30 वर्षों से शुद्ध जल का सौगंध था, आप मदनगंज किशनगढ़ में आचार्य शांति सागर ट्रस्ट के प्रथम मुख्य ट्रस्टी थे, आप इस ट्रस्ट के 18 वर्ष तक कोषाध्यक्ष रहे। आप पिछले 5 वर्षों से इस ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर आसीन थे। आपने ट्रस्ट के निर्माण में चंचला लक्ष्मी का उपयोग करके अथाह आर्थिक सहयोग देकर धर्म लाभ प्राप्त किया था। आप वीर संगीत मंडल मदनगंज किशनगढ़ के भी सदस्य थे। आप समस्त भारतवर्ष के मुनि संघों में संयम के उपकरण पिच्छिका हेतु निशुल्क मयूर पंख भेजते थे। आप किसी भी पंथवाद

को नहीं मानते थे। आपका चार भाइयों एवं पांच बहनों का भरा पूरा परिवार है। जिसमें आपके परिवार सहित रतनलाल जी, पन्नालाल जी, पुखराज जी बड़जात्या का परिवार भी धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहा है। आपके भ्राता स्व. श्री पुखराज जी बड़जात्या के सुपुत्र श्री विमल कुमार जी बड़जात्या मुनिवर्य गुणसागर जी महाराज के संघपति है। आपके यहां तीन पुत्रों एवं दो पुत्रियों का जन्म हुआ जिसमें राजकुमार-मीरा देवी, पवन कुमार-ममता देवी -पंकज कुमार-ममता देवी तथा छह पौत्रियों सहित सारा परिवार भी आपके पद चिन्हों पर चलकर धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहे है तथा आपके दोनों बेटी दामाद श्रीमती पुष्पा-निर्मल जी बिन्दायका (एवरग्रीन) बगरू वाले कोलकाता निवासी, श्रीमती कविता- संजय जी पाटनी विजयनगर वाले के परिवार जन भी धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहे हैं। आपने पूरे बड़जात्या परिवार को अच्छे संस्कार देकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है जिसको सारा देश जानता है। आपके तीए की बैठक पर 08.04.2024 को क्षेत्र के सांसद भागीरथ चौधरी, विधायक विकास चौधरी, पूर्व विधायक सुरेश टांक, नगरपालिका के सभापति दिनेश राठौड, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाड़िया, समाज गौरव आर. के. मार्बल्स के अशोक पाटनी, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद पहाड़िया, प्रसिद्ध समाजसेवी निर्मल बिंदायका बगरू वाले कोलकाता निवासी तथा मुनि सेवा वैयावृति राजस्थान के अध्यक्ष विनोद पाटनी उरसेवा निवासी सहित हजारों श्रावक श्राविकाओं, प्रबुद्धजनों, राजनीतिज्ञों सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर वीर प्रभु से शांति एवं मोक्ष की कामना की तथा शोक सभा में आये सैकड़ों शोक संदेशों में भी दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर मोक्ष की कामना की गई। गोधा ने बताया कि 18.04.2024 को मुनिसुव्रतनाथ पंचायत दिगंबर जैन मंदिर में बड़जात्या परिवार के द्वारा आपकी यादगार में साज सज्जा से शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन कराकर आपकी आत्मा की मोक्ष एवं शांति की कामना की गई।

राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा मानव सेवार्थ 29 स्थानों पर आयोजित रक्तदान

2557 लोग पहुँचे रक्त दान करने, शिविरों में जुटा 1473 यूनिट रक्त

जैन गजट संवाददाता

जयपुर, 07 अप्रैल। राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में भगवान महावीर के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में विभिन्न जैन मंदिरों एवं संगठनों के सहयोग से मानव सेवार्थ रविवार, 07 अप्रैल 2024 को प्रातः 9.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक 29 स्थानों पर एक साथ रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

भगवान महावीर के संदेश 'जीओ और जीने दो' को सार्थक करने के लिए 2557 लोग स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान करने पहुंचे। इन शिविरों के माध्यम से 1475 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि भगवान महावीर के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इन शिविरों का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं तीन बार णमोकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ।

इन 29 शिविरों में 2557 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दर्शन बाकलीवाल, उपाध्यक्ष मुकेश सोगानी, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, संयुक्त मंत्री भानू छाबड़ा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा सहित रक्तदान शिविरों के मुख्य संयोजक राजीव पाटनी एवं महावीर जयंती समारोह के प्रमुख समन्वयक अशोक जैन नेता सहित पूरी कार्यकारिणी समिति ने रक्तदान शिविरों में सहभागिता निभाकर आयोजकों को सहयोग प्रदान किया। मुख्य संयोजक राजीव पाटनी के मुताबिक रक्त दान शिविर श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर करधनी झोटवाड़ा 181, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं जैन सोशल ग्रुप सिद्धा, झोटवाड़ा 126, Here 4 U Trust झोटवाड़ा 94, श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति मंगलम आनंदा 83, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, 23 दिन वाला मंदिर सांगानेर 74, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 एवं श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 5, प्रतापनगर द्वारा मां विशुद्ध संत भवन में आयोजित शिविर में 61, श्री चंद्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर 52, भगवान आदिनाथ जन कल्याण समिति मंगल विहार 54, श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राधा विहार 40, श्री दिगम्बर जैन मंदिर, अम्बाबाडी 54, श्री जैन मंदिर, न्यू लाइट कालोनी 45, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं जैन सोशल ग्रुप कैपिटल, जय जवान कोलोनी 51, श्री दिगम्बर जैन मंदिर, जनता कालोनी 16, श्री दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर 30, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं शांतिदेवी वरदानी मेमोरियल ट्रस्ट, खोराबीसल 67, श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ सोनियान, ख्वास जी का रास्ता 30 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, तारा नगर विस्तार जगतपुरा 41, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर 35, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मीरा मार्ग 31, श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सूर्य नगर तारों की कूट 16, श्री दिगम्बर जैन मंदिर खंडाकान सिद्धार्थ नगर 7, श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर नगर 53, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चैमूं बाग 31, श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 10 मालवीय नगर 16, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मधुबन कॉलोनी टोंक फाटक 62, श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर 38, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर राधा निकुंज मुहाना मंडी 12, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर डी सी एम अजमेर रोड 41 एवं श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल, चाकसू में 34 युनिट रक्त एकत्रित हुआ। मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक रक्तदान शिविरों के लिए राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर समिति बनाई गई थी जिसमें दर्शन बाकलीवाल को मुख्य समन्वयक, राकेश छाबड़ा को समन्वयक एवं राजीव पाटनी को मुख्य संयोजक बनाया गया। मुख्य समन्वयक दर्शन बाकलीवाल के मुताबिक महेंद्र पाटनी, राजकुमार बड़जात्या, राजकुमार पाटनी, राकेश बड़जात्या, चेतन निमोडिया, डॉ. हिमांशु जैन, संजय पाटनी, एडवोकेट राजेश काला, नवीन जैन ने संयोजक के रुप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सड़क सुरक्षा नियमों की पालना हेतु सभा की ओर से सभी रक्तदाताओं को एक हेलमेट दिया गया। कई स्थानों पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का भी आयोजन किया गया।

कनाडा के जैन परिवार भजनेरी ग्राम के जिनालय में दर्शनार्थ पहुंचे

महावीर सरावगी, संवाददाता

दिनांक 9 अप्रैल सोमवार को जिला बूंदी के नगर पालिका देई ग्राम से 5 किलोमीटर दूरी पर भजनेरी ग्राम में 500 वर्ष पुराने अद्भुत जिनालय की प्रतिमाओं में मूलनायक महावीर भगवान के दर्शन करने का सौभाग्य सूरत के रहने वाले अशोक जैन लुनिया को परिवार सहित मिला। भजनेरी जिनालय के दर्शन किए, जिनालय की अद्भुत प्रतिमा के दर्शन करने मात्र से उनके परिवार के अंदर अपार खुशियां उत्पन्न हुई। उन्होंने कनाडा से अपने बेटे-बहु को बुलाकर ग्राम भजनेरी के दर्शन के लिए अपने साथ लेकर आए।

मंदिर समिति के सचिव ओम प्रकाश जैन शाह बासी ने बताया कि पहली बार इतनी दूरी से कनाडा से, सूरत से भगवान के दर्शन करने जिनालय में यह पधारे हैं। इनका समिति द्वारा

स्वागत सम्मान किया गयाऔर इनको बहुत ही अच्छा महसूस हुआ। भजनेरी ग्राम में पहले काफी जैन परिवार निवास करते थे जो सब बाहर जाकर वहां पर ही बस गए। आज मात्र एक जैन परिवार मांगीलाल संजय कुमार जैन बड़जात्या हैं यहां पर रहते है और यही मंदिर की देखरेख करते हुए आ रहे हैं। मंदिर काफी जीर्ण-शीर्ण होने से समिति बनाकर इसका निर्माण कार्य प्रारंभ हो रहा है। जिनालय समिति के अध्यक्ष संजय जैन गोयल देई ने यह बताया।

अशोक जैन सूरत 5 वर्ष तक रू. 1100/- प्रति वर्ष के सदस्य भी बने। उन्हें जिनालय से इतनी खुशी प्राप्त हुई जो जिनालय के सदस्य बन गए ऐसा पहली बार देखा गया है। कनाडा से आए उनके बेटे-बहु ने समिति को बताया कि यह पहला अवसर है की इतनी प्राचीन प्रतिमा के दर्शन करने का हमें हमारे पिताजी के द्वारा सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने हमें कनाडा से दर्शन के लिए बुलाया। कनाडा से आये जैन परिवार को बहुत ही अच्छा लगा। जिनालय की समिति का भी उन्होंने आभार व्यक्त किया।

धार्मिक/सामाजिक आयोजनों में जैन गज़ट को दानराशि भेजना न भूले

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. नौकरी में मन नहीं लग रहा है, व्यापार करने की स्थिति नहीं है, सोच-सोचकर सिरदर्द रहने लगा है, क्या करें? - राम जी लाल, सूरत (गुजरात)

उत्तर - राम जी लाल जी, आपको अभी तीन साल नौकरी और करनी चाहिये, उसके बाद आप अपना व्यापार शुरू कर सकते हैं, तब तक श्री पदमप्रभु चालीसा पढ़ें।

प्रश्न 2. मेरी पत्नी की उम्र मात्र 55 वर्ष है, मगर उसे कोई बात याद नहीं रहती - शंकर जैन, दिल्ली

उत्तर - आप अपनी पत्नी को मून स्टोन का लॉकिट सोमवार को चांदी में मढ़वाकर धारण करायें तथा श्री भक्तामर स्तोत्र का 6 नं. काव्य की 1 माला रोजाना फेरें।

प्रश्न 3. मेरी शादी को लेकर घर वाले बहुत परेशान है, मगर संजोग नहीं बनता - लक्ष्मी रानी, बैंगलोर

उत्तर - साल के मध्य में शादी का योग आयेगा तब तक आप रोजाना श्री भक्तामर स्तोत्र का 2 नं. काव्य 11 बार तथा श्री आदिनाथ जी का चालीसा एक बार पढ़ें।

प्रश्न 4. मैं अपने पुत्र से परेशान हूँ, अभी उसकी मात्र 8 वर्ष की उम्र है मगर वह गुस्सा करता है - रीना, दिल्ली

उत्तर - पुत्र की कुंडली में चल रही नीच के मंगल की दशा उसके गुस्से का मुख्य कारण है। दो साल पश्चात दशा समाप्त हो जायेगी तभी परिवर्तन आयेगा। श्री वासुपूज्य चालीसा रोजाना उसे सुनायें।

गुरु जी से संपर्क सूत्र- 9990402062, 8826755078

TATA PLAY 1086 | dish tv 1109 | DD 266 | 1217 | 700 airtel | 842 hathway
श्री आदिनाथ टी वी एव अन्य सभी टीवी केबल पर उपलब्ध

आज का राशिफल
जैन ज्योतिषाचार्य
रवि जैन गुरूजी
द्वारा आदिनाथ चैनल पर प्रतिदिन
प्रातः 06:20 बजे
दोपहर 02:15 बजे
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.)
विवाह, मकान, व्यापार, संतान, प्रमोशन, परीक्षा, विदेश यात्रा आदि समस्याओं का समाधान जैन आगम के अनुसार प्राप्त करने के लिए सम्पर्क करें :
1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 32
M. 011 22325069, 9990402062, 8826755078

हंसमुख जैन गांधी तीर्थक्षेत्र कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत

राजेंद्र जैन महावीर

इंदौर। भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी में इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी हंसमुख गांधी को कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री मनोनीत किया है। उनका मनोनयन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन ने किया।

दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्रों के उन्नयन हेतु कार्य करने वाली सबसे प्राचीन व प्रतिष्ठित संस्था में श्री गांधी के मनोनयन से अनेक स्नेहीजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि श्री गांधी सामाजिक, धार्मिक क्षेत्र में विगत पांच दशकों से कार्य कर रहे है। श्रवणबेलगोला, मांगीतुंगी, कुंडलपुर, बावनगजा, पावागिरि ऊन, जहाजपुर, अयोध्या, हस्तिनापुर, शीतल तीर्थ सहित अनेक तीर्थों के आयोजनों में प्रमुख भूमिका रही है। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ आप अनेक बड़े आयोजनों की कार्य योजना के कुशल नेतृत्वकर्ता हैं। कोल्ड स्टोरेज एसोसियेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। श्री गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जी जैन के नेतृत्व में भारत के समस्त तीर्थों को समुन्नत बनाना, उनके रखरखाव में, प्रबंधन में उचित भूमिका का निर्वहन करना, समस्त तीर्थों के पदाधिकारियों के बीच सामंजस्य, समन्वयन कर दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्रों विश्व पटल पर स्थापित करना उनका लक्ष्य रहेगा। श्री गांधी ने सर्वाधिक लोकप्रिय दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका का संपादन, प्रकाशन किया है जिसकी एक लाख प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।

भ. महावीर 2550वें निर्वाण महोत्सव तथा महावीर जयन्ती के उपलक्ष्य में हुये सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्वराज जैन, टाइम्स ऑफ इण्डिया

भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव तथा महावीर जयन्ती के उपलक्ष्य में भगवान महावीर देशना फाउंडेशन और जैन युवा संघ के संयुक्त तत्वाधान में भारत मंडपम, प्रगति मैदान में 07 अप्रैल 2024 को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुंबई के कलाकार विक्की डी. पारेख द्वारा प्रेरक भजन का आयोजन किया गया। संस्था के पदाधिकारियों सुभाष ओसवाल, अनिल जैन, राजीव जैन, नविता श्रीकांत जैन, मनोज जैन, वर्ष जैन, दीपक आदि ने महावीर के उपदेशों को अपनाने पर जोर दिया। 'मेरे महावीर' कार्यक्रम में सुभाष ओसवाल जैन ने संस्था द्वारा पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी प्रदान की। मनोनीत पार्षद मनोज जैन ने कहा कि महावीर प्रभु ने विश्व को ऐसे पांच महाव्रत दिए है जिनकी आज मानव समाज को बहुत जरूरत है। राजीव जैन ने कहा कि भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक वर्ष के अन्तर्गत देश के शक्ति के केन्द्र भारत मण्डपम में प्रभु महावीर का विराजना हुआ है। भगवान महावीर का दृष्टिकोण वैज्ञानिक था। उनके उपदेशों का विश्व के अनेक धर्मों पर प्रभाव था। भगवान देशना फाउन्डेशन के पदाधिकारी श्री अनिल जैन सी. ए. ने संस्था के कार्यकलापों और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। सिंह की आवाज के संपादक अर्जुन जैन, टाइम्स ऑफ इण्डिया के स्वराज जैन, नवभारत टाइम्स- रमेश जैन तथा प्रदीप कासलीवाल का भगवान महावीर देशना फाउन्डेशन के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

सत्य, अहिंसा, विश्व शांति के अग्रदूत जन-जन के आराध्य वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी की चैत्र शुक्ला तेरस दिनांक 21 अप्रैल 2024 को 2623वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

-: शुभाकांक्षी :-

श्री कुलदीप कुमार जैन
एडीटर-करुणादीप मैगजीन
कोनिका कार्टून्स,
कासगंज रोड,
एटा (उ. प्र.)
मोबा. 9412282690

एडवोकेट विकास जैन
दिल्ली
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा
ट्रस्टी -श्री भा. दिग. जैन महासभा चैरिटेबल ट्रस्ट

सौरभ सागर वचन

सफलता मन की शीतलता से उत्पन्न होती है, ठण्डा लोहा ही गर्म लोहे को काट व मोड़ सकता है

-: नमनकर्ता :-

- राजूलाल जी बैनाडा, पचाला वाले जयपुर
- श्रीमती स्नेहलता सौगानी, जयपुर
- दिनेश चन्द कासलीवाल, जयपुर
- नीरज जैन, जयपुर
- श्रीमती रत्ना जैन(सुरजमल विहार, दिल्ली)
- श्रीमती ऊषा जैन, आगरा
- रमेश चन्द तिजारिया, जयपुर
- धर्मचंद पहाड़िया, जयपुर
- कुशल ठोल्या, जयपुर
- जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति
- प्रदीप जैन, मेरठ
- सारिका जैन, मेरठ

ज्ञानयोगी, संस्कार प्रणेता, जीवन आशा हॉस्पिटल प्रेरणास्रोत आचार्य सौरभ सागर जी जयपुर में विराजमान है।

संकलन: R. K. Advertising शेखर पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता जैन गजट
मो - 09667168267 email: rkpatni777@gmail.com

स्वत्वाधिकारी श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचंद्र गुप्ता द्वारा हिंदुस्तान मीडिया वेंचर्स लिमिटेड, विभूति खंड, गोमती नगर लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल कंपाउंड मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ 226004 उ प्र. से प्रकाशित, संपादक सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233, 9369025668
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र. रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391,
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

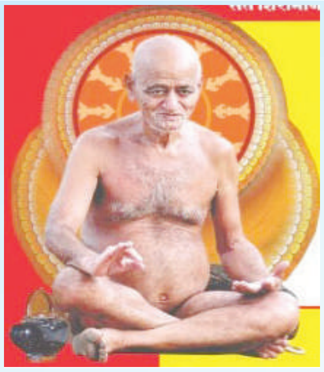

भावपूर्ण विनयांजलि

युगद्रष्टा, ब्रम्हाण्ड के देवता, प्राणदाता, राष्ट्रहित चिंतक, संत शिरोमणि, परम पूज्य आचार्य प्रवर श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज 18 फरवरी 2024 को सल्लेखना पूर्वक समाधिमरण को प्राप्त हो गये, आपके चरणों में शत-शत नमन, वंदन नमोस्तु

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के चरणों में विश्व जनमत भावना व्यक्त करता है

यह धन्य आपकी जिन मुद्रा, यह धन्य धन्य है निर्ग्रन्थ दशा। मुनि नाम अलौकिक जिनचर्या, जो प्रकटाती अरिहंत दशा।
मां का अपनी बात बताना, उत्तम शिशु का कार्य रहा। शिशु को फिर कैसे समझना, यह मां को अनिवार्य रहा।
उसी तरह जिन भक्त आपको, अपनी व्यथा सुनाते हैं। दर्शन मात्र से समाधान पा, फूले नहीं समाते हैं।

विश्व जनमन की आचार्य श्री के चरणों में भावना

माना गुरू बिन हे भव्यो, बहु शब्द ज्ञान मिल सकता है।
पर उज्जवल दृष्टि पाने को, सद्गुरु की आवश्यकता है
गुरू के अगणित उपकारों की क्या कोई शिष्य कभी भुला सकता है
"सौ जन्मधरा पर लेकर भी, क्या कोई उपकार चुका सकता है"
हे गुरूवर आपने हमारे ऊपर जो उपकार किया है
उस उपकार का बदला हम इस पृथ्वी पर सौ बार भी
जन्म लेकर चुकाना चाहें तो भी नहीं चुका सकते हैं।

-: नमनकर्ता :-

अशोक पाटनी, सुशीला पाटनी
आर.के. मार्बल्स मदनगंज-किशनगढ़

प्रदीप जैन, मीना जैन
आगरा पी.एन.सी.

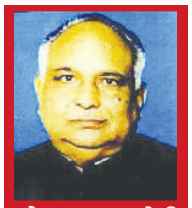

सोहनलाल सेठी
जयपुर

धर्मचंद पहाडिया
जयपुर

नंद किशोर पहाड़िया
जयपुर

चन्द्र प्रकाश पहाड़िया
जयपुर

निर्मल बिन्दायका
कोलकाता

भावपूर्ण विनयांजलि

जन्मजात, संस्कारवान, बालयोगी, दृढ़-निश्चयी, तरूणामयी तपस्वी, निस्पृहता की जीवंत प्रतिमा, महासंघनायक, दिगम्बर मानसरोवर के राजहंस, श्रेष्ठ गुरू के श्रेष्ठ शिल्प, श्रेष्ठ शिष्यों के श्रेष्ठ गुरू, महाकवि, अनेक तीर्थों के प्रणेता, संयम रूपी नौका के खेवटिया, श्रमण परम्परा के उदीयमान नक्षत्र, जिन धर्म प्रभावक, वात्सल्य मूर्ति, दूरदृष्टि, करूणामूर्ति, निकट भव्य संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 श्री विद्यासागर जी महाराज को शत-शत नमन वंदन

आचार्य 108 विद्यासागर जी महामुनिराज को भावपूर्ण विनयांजलि, समतापूर्वक समाधि धारण कर देह का त्याग करने वाले, इस युग के प्रणेता आचार्य शिरोमणी 108 विद्यासागर जी महामुनिराज का 18 फरवरी 2024 को देवलोक गमन की खबर से हम सब व पूरा विश्व भी इस महान आत्मा के परायंण से मर्माहत हुए हैं, आज इस महान आत्मा को अपने संवेदन प्रगट करते हुये विनयांजलि अर्पित करते हैं।

क्रोध तरसता था आने को, माया दूर खड़ी सकुचाती
वैमनस्य, हिंसा की धारा, तुम समीप आते रूक जाती

-डॉ. निर्मल जैन (जज), नई दिल्ली

जिस वाणी को सुनने के लिए कान लालायित रहते थे आज
उनके ही लिए कुछ कहने के लिए शब्द भी असमंजस में हैं।
चुक जायेगी भाषा सारी शब्दकोष सब रीत जायेंगे,
एक जन्म क्या कई जन्म भी मुझ निर्मल के बीत जाएंगे,
फिर भी पूरा हो न सकेगा हे गुरूवर! गुणगान आपका।
निर्मल की नन्हीं सी कलम प्रभु! है विराट व्यक्तित्व आपका।
मूक हुई वाणी, घर-घर में होगी मुखर मूकमाटी,
गहन अध्येता जिनदर्शन के, अमिट अजेय अस्तित्व आपका।
खारे सागर खारी होते, प्राणी प्यासा रह जाता है,
गंगा, जमुना का जल भी मिलकर खारी हो जाता है।
देख आपको जग ने जाना कुछ सागर मीठे भी होते,
अपनी एक लहर से ही मन की कड़वाहट धो देते।
पूर्ण समर्पित रत्नत्रय को पूरे ज्ञान-दिवाकर थे,
अमृत जल से छलक रहे वो सागर विद्या सागर थे।
ज्ञान श्रेष्ठ, आचार श्रेष्ठ था सहज शांत-वृति पाई,
मिला श्रेष्ठ पांडित्य न फिर भी अहंकार की परछाई।
क्रोध तरसता था आने को, माया दूर खड़ी सकुचाती,
वैमनस्य, हिंसा की धारा, तुम समीप आते रूक जाती।
दीपक भी सूरत बन जाता, मन में धार स्व-पर कल्याण,
ऐसे ही तुम थे तो मानव पर दिखते पूरे भगवान।
कोई तुम्हें कहता पैगम्बर कितनों के तुम शंकर हो,
किसी को दिखती छवि मसीह की अपने तो तीर्थंकर हो।

हे चैतन्य चमत्कारी बाबा तुम चिदानंद चिदरूपी हो

चैतन्य धातु से निर्मित हो, क्या माता-पिता का नाम कहूं, शुद्धात्म प्रदेशों में जन्मे क्या नगर क्या शहर ग्राम कहूं।
दशलक्षण धर्म सहोदर है, रत्नत्रय मित्र निराला है। समता बहिना राखी बांधे, अनुप्रेक्षा मां ने पाला है।
यौवन की देहली पर आते दीक्षा कन्या से ब्याह रचा, निर्ग्रन्थ दिगम्बर मुद्रा धर अपनाया मुक्ति मार्ग सच्चा
हे चैतन्य चमत्कारी बाबा, तुम चिदानंद चिदरूपी, हो शुद्धात्म तत्व के अराधक, तुम निजानन्द निजरूपी हो
समरसी भावों में लीन सदा, निस्पृह योगी शिवगामी हो, हे जिन शासन के उज्जवल ध्वज, तु दिग दिगंत अभिरामी हो।।
ना अरिहंतों का समवशरण, ना देखी मैने सिद्धशिला। यह सभा आपकी समवशरण यह ध्यान शिला ही सिद्धशिला।।
हे गुरूवर हम पर उपकार करो, अब और अधिक ना तरसाओ। मेरे जीवन के प्राण आप, प्राणों में आप समा जाओ।।

नमनकर्ता का पाठकों से यही निवेदन है

गतिशील करो चरणों को, मंजिल पास नहीं है
कालचक्र गतिमान किसी का दास नहीं है
जीवन की हर श्वांस सार्थ कर डालो
हर पल की हर श्वांस, सन्त शिरोमणी
आचार्य विद्यासागर जी को समर्पित कर डालो।

-: नमनकर्ता :-

अशोक पाटनी, सुशीला पाटनी
आर.के. मार्बल्स मदनगंज-किशनगढ़

अजीत पाण्डया
कोलकाता

धर्मचंद मोदी
कोलकाता

पवन मोदी
कोलकाता

रत्नप्रभा सेठी
गुवाहाटी

गोवर्धन पहाड़िया
शिलॉग

भावपूर्ण विनयांजलि

परम पूज्य वात्सल्य मूर्ति, अद्वितीय क्षयोपशम के धारी, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, प्रखर वक्ता, कठोर अनुशासन पालक, परिषह विजेता, भक्त वत्सल, अज्ञान तिमिर हरता, बाल ब्रह्मचारी, श्रमण संस्कृति संवर्द्धक, भाग्योदय तीर्थ प्रणेता, दयोदय तीर्थ प्रदाता, हथकरघा के प्रणेता, इंडिया नहीं भारत बोलो द्वारा स्वदेशी आंदोलन के जन्मदाता, हिन्दी भाषा के उन्मूलक इस युग के ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज का 18 फरवरी 2024 को देवलोक गमन की खबर से हम सब व पूरा विश्व भी इस महान आत्मा के परायण से मर्माहत हुए हैं, आज इस महाआत्मा को अपने संवेदन प्रगट करते हुये विनयांजलि अर्पित करते हैं।

परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज अंतर्राष्ट्रीय विनयांजलि सभा जैन टेम्पल फीनिक्स एरिजोना अमेरिका में हुई

युगद्रष्टा, ब्रह्माण्ड के देवता, प्राणदाता, राष्ट्रहित चिंतक, पंचमकाल के तीर्थंकर सम संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज की अंतर्राष्ट्रीय विनयांजलि सभा जैन टेम्पल फीनिक्स एरिजोना अमेरिका में सर्वप्रथम फोटो अनावरण, दीप प्रज्वलन, पूजा विधान के साथ सभा का आयोजन इंजीनियर अरविन्द बोबरा ने किया और आचार्य श्री के जीवन काल पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमत लल्ला जैन नागपुर ने महासभा की ओर से आपने विनयांजलि में कहा कि आचार्य श्री का जन्म 10 अक्टूबर 1946 शरद पूर्णिमा की रात्रि में हुआ था। बड़ा आश्चर्य होता है वर्तमान समय का ऐसा परिवार माता, पिता, भाई, बहन, सभी आचार्य श्री की प्रेरणा लेकर दिगम्बर पथ के अनुयायी हुए। इस युग के प्रवर्तक आचार्य श्री ने 120 मुनि दीक्षा, 172 आर्यिका दीक्षा, सहित कुल 443 दीक्षा प्रदान कीं। सैकड़ों बाल ब्रह्मचारी भैया, दीदी, प्रतीक्षा में हैं। लाखों श्रावकों ने अनेक प्रतिमा (नियम) धारण कर त्याग मार्ग को स्वीकार किया, इतना ही नहीं शिक्षा, ज्ञानोदय विद्यापीठ, प्रतिभा स्थलियां, गौशालायें, हथकरघा उद्योग, आयुर्वेदिक अनुसन्धान (चिकित्सा) को प्रोत्साहित कर अहिंसा से आजीविका को जोड़ा। आज अहिंसा का शंखनाद हथकरघा उद्योग से कर भारतवर्ष को नयी दिशा प्रदान की है, आदि अनेक उपक्रम में भारत देश की प्रगति में कार्य किया एवं उनके चरणों में विनयांजलि अर्पित की। महामहिम पूर्व राष्ट्रपति अब्दुलकलाम, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत, अटलबिहारी बाजपेयी एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे अनेक गणमान्य राजनेता आचार्य श्री के चरणों में पहुंचकर आशीर्वाद लेकर राष्ट्र के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करते थे। आचार्य श्री जैन ही नहीं जन जन के थे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सैकड़ों डाक्टर इंजीनियर उपस्थित थे एवं दिलीप शाह, अशोक जैन, विनय जैन, डॉ. दिलीप बोबरा, इंजीनियर सौरभ लल्ला, आरती जैन, सोनम जैन, श्रद्धा जैन, मिली जैन, रूचि जैन, नैना बेहेन आदि महिला पुरुष उपस्थित थे।

-: नमनकर्ता :-

अशोक पाटनी, सुशीला पाटनी
आर.के. मार्बल्स मदनगंज-किशनगढ़

हीरालाल बैनाड़ा- श्रीमती बैनाड़ा
आगरा

सुधांशु कासलीवाल
जयपुर

विनोद- किरन काला
कोलकाता

सुरेश पाटनी
कोलकाता

पवन पाटनी
कोलकाता

दौलत पाटनी
कोलकाता

आ. सन्मति सागर जी महाराज

मुनिसुव्रतनाथ भगवान

आ. वर्द्धमान सागर जी महाराज

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जन्म दिवस
1933 (जन्माष्टमी)

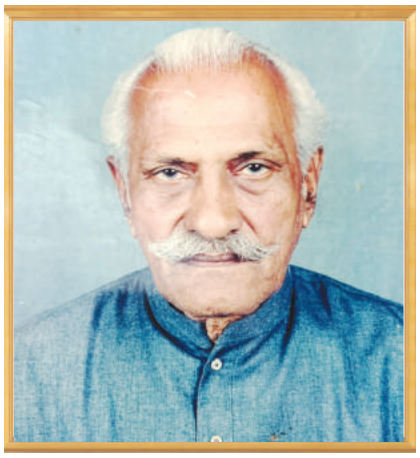

स्वर्गारोहण
06 अप्रैल, 2024

।। हमारे प्रेरणा स्त्रोत ।।

परम श्रद्धेय स्वर्गीय श्री कन्हैयालाल लाल जी (बड़जात्या)

मरवा वाले, मदनगंज किशनगढ़

आपका न होना आंगन में वटवृक्ष के न होने जैसा है, जीवन पर्यन्त कर्म में लीन रहकर आपने हमारे लिए भी कर्म और संस्कारों की मजबूत आधारशिला रखी है। आपका पावन स्मरण हमारे लिए प्रकाश स्तम्भ है।
''आपकी अनुकरणीय ओजस्वी, उत्कृष्ट धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक एवं पारिवारिक कर्तव्यबद्धता, सरलता, उदारता हम सभी का सदैव पथ प्रदर्शित करती रहेगी।''

-: श्रद्धावनत :-

पन्नालाल-महावीर प्रसाद (भ्राता), विमल कुमार बड़जात्या (भ्राता पुत्र), राजकुमार-मीरा देवी, पवन कुमार-ममता, पंकज कुमार-श्रीमती ममता (पुत्र-पुत्रवधू), पुष्पा-निर्मल कुमार जी बिंदायका बगरू वाले कोलकाता, कविता-संजय कुमार जी पाटनी विजयनगर (बेटी दामाद), खुशबू-प्रतीक जी सोनी गांधीधाम, खुशाली-जिनेंद्र जी बाकलीवाल, विजयनगर, शेफाली-अंकित जी चौधरी रायपुर (पौत्री-पौत्री दामाद), सोनाली, तनिषा, रितिका (पौत्रियां)

-: प्रतिष्ठान :-

कन्हैया लाल कैलाशचंद जैन बड़जात्या (मरवा वाले) मदनगंज किशनगढ़-305801
मो. 94140-11655, 93515-22255, 98283-47615

संकलनः राजाबाबू गोधा, फागी, जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान मो. 09460554501

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92
Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday
डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233, 7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)
....
....
....

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।